हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची • रविवार • 30.11.2025 • वर्ष : 16 • अंक : 125 • पृष्ठ : 12 • आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये

एक नजर

कड़िया मुंडा की तबीयत बिगड़ी, आर्किड अस्पताल में भर्ती

रांची : लोकसभा के पूर्व उपाध्यक्ष और वरिष्ठ भाजपा नेता कड़िया मुंडा को गुरुवार सुबह अचानक सांस लेने में कठिनाई हुई, जिसके बाद उन्हें खूंटी से रांची स्थित आर्किड अस्पताल लाया गया। ठंड में आई तेज बढ़ोतरी के बीच उनकी स्थिति देखते हुए डॉक्टरों ने तुरंत उन्हें आइसीयू में शिफ्ट कर दिया। इलाज कर रहे डॉ. निशिथ के अनुसार, उनकी हालत इस समय स्थिर है और वे सामान्य बातचीत भी कर पा रहे हैं। कुछ समय पहले भी इसी प्रकार की दिक्कत सामने आई थी, जिसमें जांच के दौरान निमोनिया के लक्षण मिले थे। मौजूदा मौसम और उनकी मेडिकल हिस्ट्री को ध्यान में रखते हुए मेडिकल टीम उन्हें विशेष निगरानी में रखे हुए है। कड़िया मुंडा के पुत्र अमर मुंडा ने बताया कि सुबह ठंड बढ़ने के साथ ही उनके पिता को सांस लेने में परेशानी हुई, जिसके बाद परिवार ने तुरंत उन्हें अस्पताल पहुंचाया। उन्होंने यह भी कहा कि वे बिना किसी प्रोटोकॉल या सुरक्षा व्यवस्था के साधारण वाहन से अस्पताल आए, ताकि समय बर्बाद न हो। अमर मुंडा ने बताया कि इलाज के बाद उनकी स्थिति में लगातार सुधार दिख रहा है। दूसरी ओर, कड़िया मुंडा के स्वास्थ्य खराब होने की खबर मिलते ही दिल्ली में पार्टी नेतृत्व भी सक्रिय हो गया।

महागठबंधन ने तेजस्वी यादव को चुना विधायक दल का नेता

पटना : बिहार चुनाव में हार के बाद राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव शनिवार को दो अहम बैठक की। पहली बैठक वह राजद के जीते हुए विधायकों के साथ की। वही दूसरी बैठक महागठबंधन के विधायकों और वरिष्ठ नेताओं के साथ की। दो दिन पहले वह दिल्ली गए थे। शनिवार को दिल्ली से लौटते ही वह अपने आवास पर बैठक की।
महागठबंधन के नेताओं के साथ बैठक का नेतृत्व भी तेजस्वी यादव ने ही किया। इसमें उन्हें महागठबंधन का विधायक दल का नेता चुन लिया गया। इधर, बैठक खत्म होने के बाद तेजस्वी यादव आवास से बाहर निकले, लेकिन कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। वहीं राजद के एक विधायक ने बताया कि शीतकालीन सत्र शुरू होने से पहले बैठक बुलाई गई थी। सत्र में कैसे विपक्ष की भूमिका निभाई जाए। कम संख्या होने के सवाल पर उन्होंने कहा कि क्रांति के लिए एक ही आदमी काफी होता है।

साइक्लोन दितवाह को लेकर भारत में अलर्ट श्रीलंका में मचाई भारी तबाही, 132 की मौत

श्रीलंका में घोषित हुआ आपातकाल, 130 लोग अब भी लापता

एजेंसी

कोलंबो :
चक्रवाती तूफान 'दित्वा' का असर भारत में दिखने लगा है। दक्षिण भारत के कई राज्यों में बारिश का दौर शुरू हो गया है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने चेतावनी दी है कि यह तूफान अगले 48 घंटों में तमिलनाडु, पुडुचेरी और दक्षिण आंध्र प्रदेश के तटीय इलाकों में भारी से बहुत भारी बारिश ला सकता है। मौसम विभाग के मुताबिक,भारत में तूफान का सबसे ज्यादा असर आज रविवार को देखने को मिलेगा।
मौसम विभाग के मुताबिक तटीय श्रीलंका और उससे सटे दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना दित्वा तूफान स्पीड से उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ रहा है। साइक्लोन का प्रभाव ना केवल भारत में है बल्कि पड़ोसी देश श्रीलंका को भी यह प्रभावित कर रहा है। श्रीलंका में दित्वा ने भारी तबाही मचाई है। अलग-अलग घटनाओं में अब तक 50 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। आईएमडी महानिदेशक डॉ.

मृत्युंजय महापात्रा ने कहा, चक्रवात दित्वा अभी श्रीलंका के तटीय क्षेत्र पर केंद्र भूत है। यह कल सुबह तक श्रीलंका से निकलते हुए बंगाल की खाड़ी के दक्षिण-पश्चिम में केंद्र भूत होगा। इसका सबसे ज्यादा प्रभाव 29-30 नवंबर को होगा। तमिलनाडु, पुडुचेरी में भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।
श्रीलंका के राष्ट्रपति ने हाल ही में पूरे देश में आपातकाल की घोषणा कर दी है। श्रीलंका में चक्रवात 'दितवाह' ने भयंकर तबाही मचाई है, जिसके चलते शनिवार को देश में आपातकाल घोषित कर दिया गया है। इस भीषण प्राकृतिक आपदा में मरने वालों की संख्या 132 तक पहुंच गई है, जबकि 176 लोग अभी भी लापता हैं। इस दैत्य से लड़ने के लिए थल सेना, नौसेना तथा वायु सेना के हजारों जवान जमीन पर उतरे हैं।
आपदा प्रबंधन केंद्र के अनुसार, इस तूफान ने 15,000 से अधिक घरों को पूरी तरह नष्ट कर दिया है। लगभग 78,000 लोगों को सरकारी अस्थायी आश्रयों में शरण लेनी पड़ी है। डीएमसी के महानिदेशक संपत कोटुवेगोडा ने बताया कि राहत कार्यों को तेज कर दिया गया है। श्रीलंका ने अंतर्राष्ट्रीय सहायता की भी अपील की है ताकि इस विनाशकारी संकट से निपटा जा सके।
राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने विनाश से निपटने के लिए आपातकालीन कानून लागू किए हैं। अधिकारियों ने बताया कि देश के लगभग एक-तिहाई हिस्से में बिजली और पानी की आपूर्ति ठप है। ऐसे हालातों में तूफान से लड़ने के लिए थल सेना, नौसेना तथा वायु सेना के हजारों जवानों को जमीन पर उतारा गया है। तूफान के रविवार तक भारत के दक्षिणी तट की ओर बढ़ने की संभावना है।
साइक्लोन दितवाह, श्रीलंका में पिछले एक दशक सबसे भयानक त्रासदी लेकर आया है। कई इलाके ऐसे भी है जो बाकी देश से पूरी तरह कट चुके हैं। वहां फंसे लोगों की चीखें भी सरकार तक नहीं पहुंच पा रही हैं। स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि भूस्खलन में पूरी की पूरी बस्तियां दब गईं हैं, जिन्हें निकालने के लिए प्रयास लगातार फेल हो रहे हैं। इस संकट से निपटने के लिए देश में आपातकाल लगाना जरूरी हो गया था। आपातकाल का मुख्य उद्देश्य खोज और बचाव अभियानों को तेजी से बढ़ाना और बड़े पैमाने पर मौतों को रोकना है। सड़क नेटवर्क, पुल, रेल लाइनें और पावर ग्रिड बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए हैं, जिससे तेज और केंद्रीकृत कार्रवाई की आवश्यकता थी, जो केवल आपातकाल की घोषणा से ही संभव हो सकती है।

भारत - दक्षिण अफ्रीका के बीच वनडे मैच आज, सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

पांच हजार जवान संभालेंगे कमान : पुलिस अधीक्षक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रांची के जेएससीए स्टेडियम में 30 नवंबर को होने वाले भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच को लेकर पुलिस ने सुरक्षा के कड़े और पुख्ता इंतजाम किए हैं। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल की तैनाती की गई है। सुरक्षा के मद्देनजर धुर्वा स्थित जेएससीए स्टेडियम और उसके आसपास इलाके में 5000 जवानों की तैनाती रहेगी। इसमें एटीएस, आईआरबी, रैप, जिला पुलिस के अलावा महिला पुलिस बल भी शामिल है। इसके साथ साथ छह आईपीएस, 15 डीएसपी और 30 से ज्यादा थानेदारों की अलग से तैनाती की जा रही है। इसके साथ ही अग्निशमन दस्ता और वाटर कैनन की टीम भी स्टेडियम के बाहर एवं भीतर तैनात रहेगी। वहीं दूसरी ओर खिलाड़ियों के ठहरने वाले होटल रेडिशन ब्लू में भी अलग से पुलिस बल की तैनाती की गई है। लगातार वरीय अधिकारी होटल और स्टेडियम का जायजा ले रहे है।
एसएसपी राकेश रंजन ने शनिवार को बताया कि क्रिकेट मैच में पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई है। पांच हजार से अधिक जवानों की तैनाती की गई है। सुरक्षा के कड़े और पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। सादे लिबास में भी पुलिस बल की तैनाती की गई है। सभी थानेदारों को लगातार पेट्रोलिंग करने का निर्देश दिया गया है।

मुर्शिदाबाद में विदेशी नागरिकों को पनाह देने के आरोप में 13 लोग गिरफ्तार

एजेंसी

कोलकाता : पश्चिम बंगाल में मुर्शिदाबाद पुलिस ने बिना वैध पहचान दस्तावेज वाले विदेशी नागरिकों को पनाह देने के आरोप में 12 बांग्लादेशी समेत 13 लोग गिरफ्तार किया है। पुलिस ने कल रात हुर्शी ग्राम पंचायत के चार गोपालपुर गांव में छापेमारी के दौरान 13 लोगों को गिरफ्तार किया, जिनमें बारह बांग्लादेशी नागरिक और एक भारतीय नागरिक शामिल हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी मिलने के बाद कि चार गोपालपुर गांव में बिना किसी वैध दस्तावेजों के विदेशी नागरिकों को पनाह दी जा रही है, इलाके में एक अभियान शुरू किया। पुलिस ने भारतीय नागरिक की पहचान साबिर अली (31) के रूप में की, जिसने कथित तौर पर 12 बांग्लादेशी नागरिकों को कुछ समय के लिए रहने की जगह दी थी। जांचकताओं का मानना है कि यह समूह अली की मदद से गांव में चुपके से रह रहा था, हालांकि पश्चिम बंगाल में उनके गैर-कानूनी रहने का कारण अभी साफ नहीं है।
अधिकारियों ने यह भी कहा कि किसी भी बांग्लादेशी नागरिक के पास वैध सफर या पहचान के दस्तावेज नहीं थे कि वे भारत में रह सकें। गिरफ्तार किए गए बांग्लादेशी नागरिकों की पहचान एमडी अवल, अब्दुल खालिक, सुमन अली, सुकुद्दीन, खबीर, साहिदुल, एमडी सब्बीर, एमडी जियारुल हक, मजदर अली, एमडी खैरुल, एमडी रोनी, और रूहुल अमीन के तौर पर हुई है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक छापेमारी के दौरान इन सभी को एक ही इलाके से हिरासत में लिया गया। पुलिस ने बिना वैध दस्तावेज वाले विदेशी नागरिकों के गैर-कानूनी तरीके से देश में घुसने और उन्हें पनाह देने के लिए स्थानीय पुलिस स्टेशन में संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। सभी 13 आरोपियों को आज एसीजेएम, लालबाग के सामने पेश किया जाएगा। पुलिस गिरफ्तार किए गए तीन लोगों के लिए 10 दिन की हिरासत मांग सकती है, जबकि बाकी लोगों को जांच जारी रहने पर न्यायिक हिरासत में रखा जा सकता है।

विकसित भारत के सपने को साकार करने के लिए आंतरिक सुरक्षा अपरिहार्य : प्रधानमंत्री मोदी

डीजीपी -आइजी कॉन्फ्रेंस में कानून व्यवस्था और आतंकवाद पर रोडमैप तैयार

एजेंसी

रायपुर : छत्तीसगढ़ के नवा रायपुर के आईआईएम परिसर में डीजीपी-आइजी कॉन्फ्रेंस में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रीय सुरक्षा को सर्वोपरि बताते हुए कहा कि विजन 2047 के तहत विकसित भारत के सपने को साकार करने के लिए आंतरिक सुरक्षा अपरिहार्य है।
दूसरे दिन शनिवार को प्रधानमंत्री मोदी और अमित शाह की मौजूदगी में कानून व्यवस्था व आतंकवाद पर रोडमैप तैयार किया गया। इसमें नक्सलवाद, काउंटर टेररिज्म, महिलाओं की सुरक्षा, एआई जांच पर फोकस किया गया। विजन 2047 के तहत सुरक्षा की चर्चा और थानों की रैंकिंग घोषित हुई। प्रधानमंत्री मोदी ने डीजीपी-आईजीपी को संबोधित करते हुए कहा कि देश की सुरक्षा सर्वोपरि है। हमारी पुलिस बल को

आधुनिक तकनीक से लैस करना होगा ताकि अपराध और आतंक के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति अपनाई जा सके।
कॉन्फ्रेंस में 16,000 से अधिक थानों की उत्कृष्टता रैंकिंग भी घोषित की गई, जिसमें मध्य प्रदेश के मंदसौर थाने को टॉप-10 में स्थान मिला। महिलाओं की सुरक्षा पर विशेष सत्र में पीएम ने 'मिशन शक्ति' को मजबूत करने का आह्वान किया।
छत्तीसगढ़ नवा रायपुर में आयोजित 60वीं अखिल भारतीय डीजीपी-आईजीपी कॉन्फ्रेंस में देश की सुरक्षा का रोड मैप पेश किया। देश की कानून व्यवस्था को मजबूत करने और आतंकवाद से निपटने के लिए व्यापक चर्चा हुई।
कॉन्फ्रेंस में गृह मंत्रालय के अधिकारियों ने प्रधानमंत्री मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के समक्ष देश की चुनौतियों का विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया । जिसमें लेफ्ट विंग एक्सट्रीमिज्म (नक्सलवाद), काउंटर टेररिज्म, आपदा प्रबंधन, महिलाओं की सुरक्षा और फॉरेंसिक साइंस के उपयोग पर विस्तृत चर्चा हुई। अधिकारियों को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि आतंकवाद के हर मोर्चे पर करारा जवाब दिया जाएगा। चाहे वह पारंपरिक हो या 'व्हाइट-कॉलर' टेरर। साथ ही एआई और डिजिटल टूल्स के जरिए जांच को तेज करने पर जोर दिया गया।
राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल ने कहा कि रोडमैप से पुलिस सुधारों को गति मिलेगी और 2047 तक आतंकमुक्त भारत का लक्ष्य हासिल होगा। कॉन्फ्रेंस के निष्कर्षों को जल्द ही नीतिगत रूप दिया जाएगा।

नौसेना भविष्य में सैन्य ताकत के किसी भी इस्तेमाल में अहम भूमिका निभाएगी : सीडीएस

बांग्लादेश, मालदीव, मोजाम्बिक, म्यांमार, सेशेल्स, श्रीलंका और वियतनाम के प्रशिक्षु पीओपी में हुए शामिल

एजेंसी

नयी दिल्ली : चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने भारत को महाद्वीपीय और समुद्री ताकत बताते हुए कहा कि भारत की आखिरी किस्मत शायद समुद्र में ही तय होगी और इसमें नौसेना इस किस्मत को सुरक्षित करने में अहम भूमिका निभाएगी। भारतीय नौसेना अकादमी की पासिंग आउट परेड में शामिल अधिकारियों को उन्होंने सलाह दी कि युद्ध के मैदान में नाकाबिलियत की कीमत जान देकर चुकाई जाती है, इसलिए पेशेवर उत्कृष्टता की ओर बढ़ें।
केरल के एझिमाला में पासिंग

आउट परेड (पीओपी) के समीक्षा अधिकारी जनरल अनिल चौहान ने शनिवार को कहा कि नौसेना हमारे राष्ट्रीय हितों को सुरक्षित करने के लिए भविष्य में मिलिट्री पावर के किसी भी इस्तेमाल में अहम भूमिका निभाएगी। उन्होंने नए-नवेले अधिकारियों से कहा कि पेशेवर उत्कृष्टता के लिए आपकी प्रतिबद्धता पक्की होनी चाहिए, ताकि शांति में आप तैयार रहें और युद्ध में आप जीतें। उन्होंने अपना अनुभव बताते हुए कहा कि जब मैं सर्विस में शामिल हुआ था, तो सैन्य रणनीति काफी हद तक ज्योग्राफिकल बातों से तय होती थी। इसके विपरीत आज तकनीक ने ज्योग्राफिकल को पीछे छोड़ दिया है, जिससे यह कम प्रासंगिक हो गया है। टेक्नोलॉजी ज्यादातर मिलिट्री स्ट्रैटेजी, ऑपरेशनल आर्ट और यहां तक कि सबसे छोटी टैक्टिक्स को भी चलाती है। जनरल अनिल चौहान ने उन प्लाटून का निरीक्षण किया, जो भारतीय नौसेना, तटरक्षक बल और दुनियाभर में अन्य मित्र विदेशी नौसेनाओं में सेवा देने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि मैं चाहता हूं कि आप अपने पूरे करियर में इसी पर फोकस करें। साथ ही युद्ध कई तरह के हो गए हैं। कोई भी अकेली सर्विस अकेले युद्ध नहीं जीत सकती। भविष्य के सभी युद्ध इंटीग्रेटेड तरीके से लड़े जाएंगे। संयुक्तता ही वह मंत्र है, जो हम सभी को सफल बनाएगा। हम उसी हिसाब से तीनों सेनाओं के बीच संयुक्तता और इंटीग्रेशन को बढ़ावा दे रहे हैं। पहले भी कई मौकों पर मैंने कहा है कि भारत एक कॉन्टिनेंटल और एक मैरीटाइम पावर दोनों है, लेकिन भारत की आखिरी किस्मत शायद समुद्र में ही तय होगी और इसमें नौसेना इस किस्मत को सुरक्षित करने में अहम भूमिका निभाएगी।

अनंत सहित 11 इनामी नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

एजेंसी

गोंदिया : महाराष्ट्र-मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ (एमएमसी) विशेष प्रादेशिक समिति के 11 कुख्यात इनामी नक्सलियों ने शुक्रवार को गोंदिया पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। आत्मसमर्पण करने वालों में आंदोलन के एक महत्वपूर्ण नेता और स्पेशल जोनल कमेटी के सदस्य अनंत उर्फ विकास नागपुरे उर्फ नवज्योत भी शामिल है। इन नक्सलियों पर महाराष्ट्र सरकार ने कुल 89 लाख रुपये का इनाम घोषित किया था।
स्पेशल जोनल कमेटी सदस्य अनंत उर्फविकास नागपुरे सहित इन इनामी कुख्यात नक्सलियों ने पुलिस के समक्ष आज अपने सात हथियार सौंप कर आत्मसमर्पण कर दिया। अनंत पर 25 लाख रुपये का इनाम था। ये सभी भाकपा(एम) के सदस्य हैं। डीआईजी अंकित गोयल ने कहा कि यह परिणाम समन्वित पुलिसिंग और नक्सलियों को

मुख्यधारा में लाने के लिए चलाए जा रहे पहुंच कार्यक्रम की बढ़ती कामयाबी को दिखाती है।
एमएमसी समिति के प्रवक्ता अनंत ने 27 नवंबर को एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर स्पष्ट किया था कि पूरी समिति 01 जनवरी 2026 को सामूहिक आत्मसमर्पण करेगी। इसके बाद शुक्रवार शाम 11 नक्सलियों ने गोंदिया पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। सुरक्षा बलों के तीव्र संचालन के चलते पिछले एक वर्ष में 6 केंद्रीय समिति सदस्य, महासचिव बसवराजू तथा हिडमा जैसे कई शीर्ष नक्सली नेता मारे गए हैं। वहीं भूपति और चंद्रन्ना जैसे वरिष्ठ नेताओं के आत्मसमर्पण के बाद संगठन में आत्मसमर्पण की प्रक्रिया तेजी से बढ़ी है। प्रेस विज्ञप्ति में प्रवक्ता अनंत ने कहा था कि समिति के अन्य सदस्यों तक संदेश पहुंचाने के लिए 01 जनवरी 2026 तक का समय आवश्यक है। भूपति और चंद्रन्ना जैसे बड़े नेताओं के हथियार छोड़ने के बाद आत्मसमर्पण के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है। उन्होंने आश्वासन दिया कि 01 जनवरी तक सभी प्रक्रियाएँ पूर्ण कर हथियार डाल दिए जाएंगे तथा इस अवधि में न तो कोई हिंसा होगी और न ही 'पीएलजीए' सप्ताह मनाया जाएगा।

एक नजर

बरही के 18 पारा शिक्षक बने सहायक आचार्य मिला नियुक्ति पत्र

बरही : झारखंड सरकार के एक वर्ष पूरे होने और झारखंड स्थापना दिवस के रजत जयंती पर सरकार ने हजारों युवाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किया। नियुक्ति पत्र पाने वालों में बरही के 18 पारा शिक्षक हैं जिन्हें विद्यालयों में सहायक आचार्य के पद पर नियुक्ति पत्र मिला है। नियुक्ति पत्र पाने वालों में कक्षा 6 से 8 के लिए 7 एवं कक्षा 1 से 5 के लिए 11 लोग शामिल हैं। विज्ञान शिक्षक के पद पर नियुक्ति पत्र पाने वालों में राजीव कुमार और संदीप कुमार शामिल हैं । वहीं संजय दुबे समेत मो अफरोज, दीनानाथ कुमार, उषा राम, महेश यादव, मुकेश चौधरी और धनवार पंचायत के लठिया गांव के सुजीत कुमार यादव सहायक आचार्य के पद पर नियुक्त हुए हैं। सहायक आचार्य के पद पर नियुक्ति पत्र मिलने से बरही प्रखंड के विभिन्न गांव पंचायतों के लोगों में हर्ष है।

केरेडारी संच का मासिक अभ्यास वर्ग संपन्न ऑनलाइन अटेंडेंस पर जोर

केरेडारी : केरेडारी प्रखंड के ऐतिहासिक देसवरी में शनिवार को एकल अभियान केरेडारी का मासिक आचार्य अभ्यास वर्ग संपन्न हुआ। इस वर्ग में विभिन्न कार्यों का समीक्षा करते हुए पाठ्यक्रम आधारित सात विषय की पढ़ाई एवं पंचमुखी योजना पर विशेष जोर दिया गया ।साथ ही आचार्य ऑनलाइन हाजिरी, समिति प्रशिक्षण विस्तार पर चर्चा किया गया। मौके पर संच समिति से उत्तम राम, अंचल प्रशिक्षण प्रमुख नरेश पासवान, अंचल गतिविधि प्रमुख अभिषेक कुमार, संच प्रशिक्षक सुनीता कुमारी, संच व्यास प्रतिमा देवी, आचार्य उषा कुमारी, संजू देवी, सुनीता देवी, किरण देवी, संगीता देवी, सुषमा कुमारी, पूनम कुमारी, सुचित्रा देवी, कविता देवी, रूपा देवी, होलिका देवी, सोनी देवी, संजू देवी, बसंती देवी मनीषा देवी, यशोदा देवी, प्रीति मीना कुमारी, काबिलाश देवी झनमोती देवी सुषमा देवी सुनीता देवी संजू देवी आदि उपस्थित थे।

रागडीह में बिजली की चपेट में आने से महिला की मौत

चलकुशा : प्रखण्ड क्षेत्र अंतर्गत रागडीह में बकरी बांधने के दौरान बिजली की चपेट में आने से एक 37 वर्षीय महिला हलीमा खातून पति रऊफ अंसारी की स्थल पर ही मौत हो गई सूचना मिलते ही चलकुशा थाना प्रभारी सूर्यकांत कुमार अपने टीम के साथ घटना स्थल पर पहुंच कर शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए हजारीबाग सदर अस्पताल भेज दिया करंट लगने से महिला की मौत को लेकर जनप्रतिधियों ने बिजली विभाग पर सवाल उठाए चलकुशा मुखिया संघ अध्यक्ष आलोक सिंह ने कहा कि चलकुशा थाना क्षेत्र के ज्यादातर क्षेत्र में बिजली के खंभे से तार लटकता हुआ दिखाई देता है बिजली विभाग द्वारा कोई भी मरम्मती का कार्य नहीं किया जाता है इससे बिजली विभाग की लापरवाही साफ साफ दिखाई देती है इससे पहले भी रागडीह में करंट लगने से एक व्यक्ति की मौत हुई थी ।

बरही प्रखंड के पांच पंचायतों में 'सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम का आयोजन, सैकड़ों आवेदनों का हुआ निस्तारण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : बरही प्रखंड के दुलमाहा, करसो, खोडाआहर, बेंदगी एवं रसोईया धमना पंचायत में आयोजित सेवा का अधिकार सप्ताह शिविर के साथ सरकार आपके द्वारा कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। सभी पंचायतों के शिविरों में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने अपने जरूरत के अनुसार विभिन्न योजनाओं संबंधी आवेदन जमा किए, जिनमें से अधिकांश आवेदनों का निष्पादन मौके पर ही किया गया। दुलमाहा पंचायत भवन में आयोजित शिविर को बीडीओ जयपाल महतो, प्रमुख मनोज रजक, एमओ संजय कुमार यादव, मुखिया नरायाण यादव,पंसस आशा देवी व मनोज कुमार यादव ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया। मौके पर उपमुखिया मनोज यादव, पूर्व पंसस जितेंद्र गिरी, सभी वार्ड सदस्य

एवं सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित हुए। इस मौके पर बीडीओ जयपाल महतो ने कहा कि सेवा का अधिकार सप्ताह का उद्देश्य योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाना है। प्रखंड प्रशासन पूरी संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रहा है। प्रमुख मनोज रजक ने कहा कि सभी पंचायतों में शिविर के माध्यम से आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान करना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने शिविर के माध्यम से लोगों को अधिक से अधिक लाभ लेने की अपील किया। प्रखंड के दुलमाहा, करसो खोडाआहर, बेंदगी एवं रसोईया धमना में आयोजित शिविर में सरकार द्वारा संचालित सभी जनकल्याणकारी योजनाओं का अलग-अलग स्टाल लगाया गया जहां लोगों ने अपने जरूरत के अनुसार फार्म भर जमा किए जिसमें वृद्धा पेंशन, राशन कार्ड, श्रमिक कार्ड, अबुआ आवास योजना, विधवा पेंशन, मईया योजना समेत विभिन्न सरकारी योजनाओं से जुड़ी शिकायतें एवं आवेदन लिए गए। इनमें से कई आवेदन पर त्वरित कार्रवाई करते हुए तत्काल समाधान किया गया, जबकि कुछ मामलों को संबंधित विभागों को आगे की कार्रवाई के भेज दिया गया। दुलमाहा पंचायत में आयोजित शिविर में कुल 603आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 367 आवेदनों का त्वरित निष्पादन किया गया। शिविर में बाल विकास परियोजना विभाग द्वारा एक बच्चे की मुंहजुठाई तथा नन्हें बच्चों को स्वेटर वितरण किया गया वहीं पीडीएस के तहत संचालित सोना सोबर योजना के तहत सैकड़ों लाभुकों को धोती साड़ी वितरण किया।खोडाआहर पंचायत में शिविर के दौरान 730 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 2 आवेदनों का त्वरित निपटारा किया गया। बाकी आनलाईन किया गया है। बेंदगी पंचायत में आयोजित आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में 594 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 684 आवेदनों का तुरंत निस्तारण किया गया।रसोइया धमना पंचायत भवन में आयोजित सेवा सप्ताह अधिकार के तहत शिविर में कुल 663आवेदन प्राप्त हुए जिसमें 467 आवेदन का निष्पादन तुंरत किया गया।करसो पंचायत में आयोजित सेवा का अधिकार सप्ताह कार्यक्रम को शिविर में कुल 705 आवेदन प्राप्त हुए जिसमें 2 आवेदन का निष्पादन तुंरत किया गया।ग्रामीणों ने बताया कि सरकार के इस पहल से लोगों को विभिन्न योजनाओं का लाभ अपने ही पंचायत में बिना कार्यालय के चक्कर काटे समाधान हो रहा है। वहीं अधिकारियों ने भी आश्वस्त किया कि बचे हुए आवेदनों का शीघ्र समाधान किया जाएगा।

विभाग अच्छा कार्य करने वालों की पहचान करता है : बीईईओ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : बड़कागांव प्रखंड संसाधन केंद्र अंतर्गत के विद्यालय में बेहतर कार्य करने को लेकर विद्यालय प्रबंधन समिति का बेहतर योगदान है। उत्क्रमित मध्य विद्यालय महटीकरा के विद्यालय प्रबंधन समिति का बेहतर योगदान को देखते हुए प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी जवाहर प्रसाद ने अपने हाथों प्रशस्ति पत्र प्रदान किया। बीईईओ जवाहर प्रसाद ने कहा कि अच्छा कार्य करते रहिए विभाग आपका मूल्यांकन खुद कर लेगा। उन्होंने विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष गोवर्धन महतो की भरपूर सराहना की। मौके पर प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष अनिल कुमार राणा, प्रधानाध्यापक रामकिशोर राम, सहायक अध्यापक बबीता कुमारी, मीना कुमारी, ललीता कुमारी, तिलासो देवी, लालदेव महतो, ननहकदेव महतो, अंबिका प्रसाद, राजकुमार मिश्रा, संजय कुमार कुशवाहा, विकास कुमार, प्रबंधन समिति के सदस्य एवं विद्यालय के छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

चौपारण में मोबाइल दुकान चोरी का खुलासा, नाबालिग आरोपी गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : जीटी रोड किनारे ताजपुर मस्जिद के सामने संचालित बंटी मोबाईल दुकान में विगत 24 नवंबर की रात चोरी हो गई थी। थाना प्रभारी सरोज सिंह चौधरी की तत्परता से मामले का उद्भेदन कर लिया गया। इस संबंध में जानकारी देते हुए थाना प्रभारी सरोज सिंह चौधरी ने बताया कि 25/11/2025 को वादी बंटी कुमार पिता गोपाल साव, ग्राम ताजपुर, थाना चौपारण, जिला हजारीबाग के द्वारा इस आशय का थाना में आवेदन दिया गया कि चौपारण बाजार में इनका बंटी मोबाइल नाम का दूकान है। जब वह प्रतिदिन की भांति अपनी दूकान खोले तो पता चला कि इनके दुकान का करकट का शीट टुटा हुआ है, जब वादी के द्वारा

अपने दूकान का अवलोकन किया गया तो पाया कि इनके दुकान से दो मोबाइल एवं नकदी राशि की चोरी हुई है। जिसके आलोक में चौपारण थाना कांड संख्या 326/25 दिनांक 25/11/25 धारा 334 (1) 303 (2) बीएनएस अंकित किया गया। इसकी सुचना पुलिस अधीक्षक हजारीबाग को दिया गया। जिसके आलोक में पुलिस अधीक्षक के आदेशानुसार अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बरही के नेतृत्व में एक छापामारी दल का गठन किया गया। जिसे मानवीय एवं तकनिकी सहयोग से इस काण्ड का उद्भेदन बहुत कम समय में कर लिया गया तथा काण्ड में चोरी किए गए मोबाइल को बरामद कर एक नाबालिक अभियुक्त की गिरफ्तारी किया गया। वहीं एक मोटोरोला कंपनी का स्मार्ट फोन और एक टेकनोस्पार्क कंपनी का स्मार्टफोन पाया गया। छापामारी दल में डीएसपी अजित कुमार बिमल, इंस्पेक्टर चंद्रशेखर कुमार, थाना प्रभारी सरोज सिंह चौधरी, राजपुर थाना (चतरा) प्रभारी संदीप कुमार, चौपारण थाना पुअनि रवि रंजन, सअनि बादल कुमार महतो (अनुसंधानकर्ता) तथा थाना रिजर्व गार्ड शामिल थे।

सांसद खेल महोत्सव में बड़कागांव की बालक एवं बालिका दोनों वर्गों ने ट्रॉफी पर जमाया कब्जा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : फिट युवा-विकसित भारत अभियान के तहत आयोजित हजारीबाग लोकसभा सांसद खेल महोत्सव का बड़कागांव विधानसभा स्तरीय एकदिवसीय कबड्डी प्रतियोगिता बड़कागांव प्लस टू हाई स्कूल खेल मैदान मे खेला गया। कबड्डी प्रतियोगिता बालक एवं बालिका को दो वर्ग में बांटा गया था । बालिका वर्ग में 4 टीमों ने भाग ली, वहीं बालक वर्ग में 3 टीम भाग लिया था। प्रतियोगिता में बड़कागांव तथा केरेडारी प्रखंड की टीमों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ बड़कागांव विधानसभा सांसद मीडिया प्रतिनिधि उमेश दांगी के हाथों खिलाड़ियों को जर्सी प्रदान कर किया गया। इसके साथ ही खिलाड़ियों ने शानदार खेल भावना

का परिचय देते हुए रोमांचक मुकाबले खेले। बालिका वर्ग में बड़कागांव कस्तूरबा आवासीय विद्यालय ने 18-10 से केरेडारी कस्तूरबा आवासीय विद्यालय को हराकर ट्रॉफी पर कब्जा जमाया वहीं बालक वर्ग में बड़कागांव प्लस टू उच्च विद्यालय के बच्चों ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए केरेडारी प्लस टू उच्च विद्यालय को 37-8 से हराकर ट्रॉफी पर कब्जा जमा कर अपने विद्यालय का नाम रोशन किया। मौके पर मुख्य रूप से बड़कागांव विधानसभा सांसद प्रतिनिधि पूनम साहू, सांसद मीडिया प्रतिनिधि उमेश दांगी, मंडल सांसद प्रतिनिधि रंजीत कुमार मेहता, खेल प्रशिक्षक श्रीकांत निराला, कबड्डी एसोसिएशन के सीईओ मनन प्रसाद विश्वकर्मा, खेल शिक्षिका रेखा कुमारी, शारीरिक शिक्षा शिक्षक अमित शर्मा, अमित सागर, निखिल यादव, अंकित कुमार सहित बड़ी संख्या में खेल प्रेमी उपस्थित थे।

एनटीपीसी मैती में टाटा मोटर्स के द्वारा अप्रेंटिसशिप ड्राइव का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : एनटीपीसी माइनिंग एंड इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट (मैती) बड़कागांव के परिसर में टाटा मोटर्स जमशेदपुर द्वारा अप्रेंटिसशिप ड्राइव का आयोजन किया गया, जिसमें 33 छात्रों नें भाग लिया और सभी छात्रों को चयन किया गया। छात्रों का शरीरिक जांच के लिए टाटा मोटर्स कंपनी, जमशेदपुर में 1 दिसंबर दिन-सोमवार को बुलाया गया है। टाटा मोटर्स के आये हुए एचआर मैनेजर रोहित कुमार सिन्हा ने बताया कि सभी छात्रों कों कंपनी के द्वारा रहने खाने कि सुविधा दिया जायेगा और भारत सरकार के नियमानुसार मासिक मानदेय मिलेगा। अप्रेंटिसशिप कोर्स पूरा होने के बाद टाटा कंपनी द्वारा 1 वर्ष अनुभव प्रमाण पत्र और साथ में एनएसी प्रमाण पत्र मिलेगा, इस अवसर पर

मैती के प्राचार्य मिथिलेश उपाध्याय ने चयनित छात्रों को बधाई दी और कहा कि इस तरह की औद्योगिक साझेदारियों से प्रशिक्षार्थियों को रोजगार के बेहतर अवसर मिलते हैं और उन्हें वास्तविक कार्यस्थल का अनुभव प्राप्त होता है। उन्होंने आगे बताया कि एनटीपीसी की पहल से स्थानीय युवाओं को तकनीकी शिक्षा के साथ-साथ आजीविका के अवसर भी उपलब्ध हो रहे हैं। इसकी जानकारी एनटीपीसी माइनिंग एंड इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट (मैती) बड़कागांव की प्लेसमेंट इंचार्ज मो. इरफान अंसारी ने दिया।

कर्जन ग्राउंड में दो दिवसीय आर्चरी सांसद खेल महोत्सव का हुआ भव्य समापन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : कर्जन मैदान में आयोजित दो दिवसीय आर्चरी सांसद खेल महोत्सव का समापन समारोह शनिवार को उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। अंडर-14, अंडर-17 और अंडर-19 वर्ग के कुल 130 खिलाड़ियों ने इस प्रतियोगिता में भाग लिया। जिला आर्चरी संघ द्वारा सांसद मनीष जायसवाल के निदेर्शानुसार आयोजित यह प्रतियोगिता हजारीबाग की उभरती प्रतिभाओं को बेहतर प्रशिक्षण, प्रतिस्पर्धी माहौल और बड़ा प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास है। समापन समारोह में मुख्य अतिथि भाजपा जिला अध्यक्ष विवेकानंद सिंह,

विशिष्ट अतिथि सह सांसद प्रतिनिधि विनोद झुनझुनवाला, किशोरी राणा, इंद्र नारायण कुशवाहा, बंटी तिवारी, सरफराज हैदर, जयप्रकाश और तीरंदाजी कोच मनोज कुमार उपस्थित थे। अतिथियों ने खिलाड़ियों के बीच तीरंदाजी का अभ्यास कर उनका उत्साह बढ़ाया तथा पुरस्कार वितरण से पूर्व सभी प्रतिभागियों से आत्मीय मुलाकात कर उन्हें प्रोत्साहित किया। शनिवार को आयोजित एलिमिनेशन राउंड, सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबलों के बाद समग्र परिणाम में बालिका वर्ग में मनीषा कुमारी, अंबिका कुमारी और सपना कुमारी तथा बालक वर्ग में जिग्याशु रंजन, पियूष कुमार और अभिषेक कुमार शीर्ष स्थानों पर रहे। 40 मीटर राउंड में बालिका वर्ग में मनीषा कुमारी, अंबिका कुमारी और सपना कुमारी तथा बालक वर्ग में जिग्याशु रंजन, अभिषेक कुमार और पियूष कुमार ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त किया। 30 मीटर राउंड में बालिका वर्ग में मनीषा कुमारी, सपना कुमारी और ऋतिका रानी रंजन तथा बालक वर्ग में पियूष कुमार, जिग्याशु रंजन और उमंग कुमार सफल रहे। टीम परिणाम में बालिका वर्ग में बड़कागांव की टीम मनीषा कुमारी, अंबिका कुमारी और आराधना कुमारी प्रथम तथा हजारीबाग की टीम सपना कुमारी, ऋतिका रानी रंजन और राज अंशिका द्वितीय स्थान पर रही। बालक टीम में बड़कागांव की टीम जिग्याशु रंजन, पियूष कुमार और अभिषेक कुमार प्रथम तथा हजारीबाग की टीम उमंग कुमार, प्रशांत कुमार और मयंक कुमार द्वितीय स्थान पर रही। प्रतियोगिता का उद्देश्य खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर के अनुरूप माहौल प्रदान करना, आधुनिक प्रशिक्षण सुविधाओं से जोड़ना और खेल के प्रति उत्साह बढ़ाना रहा। इससे पूर्व सांसद खेल महोत्सव के तहत नमो फुटबॉल टूर्नामेंट और सांसद चेस प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया जा चुका है। अब तीरंदाजी और कबड्डी प्रतियोगिताओं के माध्यम से आयोजन को और व्यापक रूप दिया जा रहा है। और अनुशासन के साथ अपने प्रदर्शन से जिले का नाम रोशन कर रही हैं।

संक्षिप्त खबरें

भाजपा विधायक ने असम सरकार के फैसले का किया स्वागत, चाय बागान आदिवासियों को मिलेगा अधिकार

हजारीबाग : भाजपा के बरही से विधायक और पूर्व मंत्री मनोज कुमार यादव ने असम की हिमानता सरकार के फैसले का स्वागत किया है। मनोज कुमार यादव ने कहा है कि भाजपा ही आदिवासियों का कल्याण कर सकती है। असम के मुख्यमंत्री हिमांता विश्व शर्मा को मनोज कुमार यादव ने असम में बसे झारखंड से जुड़े आदिवासियों के लिए अभूतपूर्व कार्य करने पर प्रशंसा की है ।असम की हिमांता सरकार ने असम में बसे चाय बागान के मजदूरों को भूमि पर मालिकाना अधिकार देने का विधेयक पास कर दिया। इसका लाभ वहां 200 वर्षों से बसे लाखों आदिवासियों तथा अन्य मजदूरों को मिलेगा। इसके साथ ही, असम कैबिनेट ने झारखंड की माटी से जुड़े आदिवासियों (चाय बागान श्रमिकों) को वहां अनुसूचित जनजाति (रळ) में शामिल करने के प्रस्ताव को स्वीकृति दी है। कई दशकों से वहां बसे इन श्रमिकों के अधिकारों को कांग्रेस की सरकारें हमेशा नकारती रहीं, लेकिन असम की भाजपा सरकार ने इन आदिवासियों के कई दशकों के संघर्ष को सम्मान देकर, उनकी मांगें पूरी करने की दिशा में एक सशक्त कदम उठाया है। मनोज कुमार यादव ने कहा है कि आदिवासी समाज के अधिकारों से जुड़े इन ऐतिहासिक निर्णयों के लिए, झारखंड की जनता की ओर से असम के मुख्यमंत्री डॉ.हिमांता विश्व शर्मा का को बहुत- बहुत धन्यवाद।

एकल अभियान कटकमसांडी संच का मासिक आचार्य अभ्यास संपन्न

कटकमसांडी : एकल अभियान कटकमसांडी संच का दो दिवसीय मासिक आचार्य अभ्यास वर्ग का आयोजन किया गया। अभ्यास वर्ग का शुभारंभ सत्र में भारत माता, सरस्वती माता के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर मंत्रों उच्चारण के साथ किया गया। इस वर्ग में आचार्यों ने गायत्री मंत्र, सरस्वती वंदना, हनुमान चालीसा पाठ किया । मौके पर उपस्थित संच ब्यास शंकर तिवारी ने सत्संग मंडली रजिस्ट्रेशन पर विशेष चर्चा करते हुए प्रत्येक गांव में एक सत्संग मंडली तैयार कर प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। संच प्रशिक्षक रूपा कुमारी ने पंचमुखी शिक्षा योजना पर प्रकाश डालते हुए बच्चों को संस्कार शिक्षा के साथ - साथ गांव के प्रत्येक घरों में लोहे की कड़ाही का प्रयोग, दीवाल लेखन, जैविक खेती, पन सोखा पर चर्चा किया गया। मौके पर नित्या शांडिल, फूल देवी, गीता देवी, प्रिया देवी, चिंता देवी, रीना राणा, उषा ठाकुर, उषा देवी, रूपवंती देवी, नंदनी कुमारी, कुसुम राणा, संजू देवी ,सरस्वती देवी ,ममता देवी, सुष्मिता देवी, ममता देवी, गुड़िया देवी, उर्मिला देवी, गुड़िया देवी सहित सभी 30 विद्यालय के आचार्या उपस्थित रहे।

पूर्व मंत्री योगेंद्र साव ब्रह्मभोज कार्यक्रम में हुए शामिल

बड़कागांव : प्रखंड अंतर्गत के सांढ़ पंचायत के पूर्व मुखिया मुरलीधर दांगी के ब्रह्मभोज में पूर्व कृषि मंत्री योगेंद्र साव सहित कई लोग शामिल हुए। इस दरमियान उन्होनें स्वर्गीय मुरलीधर दांगी के तस्वीर पर पुष्प अर्पित करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित किया। और पूर्व मंत्री ने उनके परिजनों से मुलाकात कर गहरी संवेदनाएं व्यक्त की, इसके साथ ही भगवान से दिवंगत आत्मा की शांति तथा परिजनों को इस दुख की घड़ी में धैर्य प्रदान करने की प्रार्थना किया। मौके पर मुख्य रूप से पूर्व कृषि मंत्री योगेंद्र साव, युवा प्रखंड अध्यक्ष आनंद कुमार मेहता, गुरदयाल कुमार जिज्ञासु, संतोष कुमार सहित दर्जनों लोग शामिल थे।

जरहिया की दिव्यांग रुकनी देवी को मिलेगी मदद, विधायक ने प्रशासन को दिए निर्देश

बरही : प्रखंड के जरहिया निवासी दिव्यांग रुकनी देवी, जो पोलियो से ग्रस्त होने के कारण चलने-फिरने में असमर्थ हैं, लंबे समय से घुटनों के बल रेंगकर ही इधर-उधर आने-जाने को मजबूर थीं। दैनिक जीवन की कठिनाइयों को देखते हुए उन्होंने सरकार व प्रशासन से इलेक्ट्रिक ट्राई साइकिल की मांग की, ताकि वे बिना परेशानी के कहीं भी आ-जा सकें। इस संबंध में रुकनी देवी ने अपनी समस्या स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं सामाजिक कार्यकर्ता सिकंदर कुमार को बताई। सिकंदर कुमार ने उनकी आवाज को राज्य के मुख्यमंत्री एवं स्थानीय विधायक मनोज कुमार यादव तक ट्वीट के माध्यम से पहुंचाया। मामले का संज्ञान लेते हुए विधायक मनोज कुमार यादव ने तत्काल जिला प्रशासन को रुकनी देवी की मदद के लिए आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। विधायक की पहल से रुकनी देवी के जीवन में उम्मीद की नई किरण जगी है। इलेक्ट्रिक ट्राई साइकिल उपलब्ध होने के बाद उनसे दैनिक जीवन की कठिनाइयाँ काफी हद तक कम हो जाएंगी।

मध्यगोपाली शनि मंदिर में विशेष भोग व महाप्रसाद का भव्य आयोजन, सैकड़ों श्रद्धालु बने साक्षी

चौपारण : प्रखंड मुख्यालय से लगभग तीन किलोमीटर दूर स्थित ग्राम मध्यगोपाली के शनि मंदिर में प्रत्येक शनिवार विशेष भोग एवं महाप्रसाद का आयोजन किया जाता है। बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंचकर पूजा-अर्चना के बाद महाप्रसाद ग्रहण करते हैं। यह जानकारी शनि मंदिर के संस्थापक सदस्य मोहन यादव ने पत्रकारों को दी। उन्होंने बताया कि 29 नवंबर 2025 को आयोजित शनि महाराज की विशेष आरती में निवर्तमान सांसद प्रतिनिधि चौपारण मुकुंद साव, पूर्व भाजपा मंडल अध्यक्ष भरत सिंह, संस्थापक सदस्य मोहन यादव, वरिष्ठ समाजसेवी सियाराम कुमार भारती, युगल किशोर साव, गन्दौरी यादव, कैलाश कुमार गुप्ता, ज्ञानी साव, अनिल पासवान समेत सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित थे। श्री यादव ने बताया कि प्रति शनिवार श्रद्धालु भोग हेतु चढ़ावा अर्पित करते हैं। इस सप्ताह चौपारण निवासी उपेंद्र वर्णवाल द्वारा भोग का संपूर्ण खर्च वहन किया गया। उन्होंने आगे कहा कि इसी प्रकार भक्तों की आस्था और योगदान से मंदिर परिसर में धार्मिक वातावरण बना रहता है। इस अवसर पर निवर्तमान सांसद प्रतिनिधि मुकुंद साव ने उपस्थित श्रद्धालुओं से अपील की कि वे भी शनि भगवान को भोग अर्पित कर शनि महाराज का आशीर्वाद प्राप्त करें।

एक नजर

कफ सिरप के नाम पर नशे का खेल बंद हो : जेपी पांडेय

रांची : भाजपा किसान मोर्चा झारखंड प्रदेश के नेता जय प्रकाश पांडेय ने झारखंड सहित पूरे देश में फैले कफ सिरप के नाम पर कोकीन मिलाकर किए जा रहे नशे के कारोबार को भारत के केंद्रीय स्वास्थ मंत्रालय और मंत्री जे पी नड्डा के नाक की नीचे कई राज्यों में दवा के नाम पर नकली दबावों और नशे का कफ सिरप के रूप में भारतीय जन मानस में फैलाए जा रहे नशे की दबावों पर अविलंब रोक लगाने की मांग की है,उतर प्रदेश से जिस तरह से बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल और अन्य पड़ोसी राज्यों में केंद्र सरकार और राज्य सरकार के नाक के नीचे चलने वाले दवा के नाम पर नशे के करोबार पर रोक लगाने की मांग की है, जो दवा मानवीय जीवन की रक्षा करनेवके लिए चिकित्सक लिखते हैं ताकि उनके स्वास्थ में सुधार हो सके वहीं दूसरी ओर दबा के नाम पर नशे का कारोबार करने वाले ड्रग माफिया मुनाफे के लिए 100रु का कोकीन युक्त कफ सिरप वर्षों से 500 रु में बेच रहे है जिससे 1000 करोड़ से अधिक का कारोबार कारोबार फल फूल रहा है जिससे स्वास्थ विभाग की बदनामी हो रही है दवा के नाम पर नशे की दवा बेचने वालों पर सख्त करवाई हो और ड्रग बनाने वाले कंपनियों पर नकेल कसते हुए एक सशक्त टीम बनाई जाए ताकि ड्रग बनाने वाले कंपनियों और उसके मूल्य निर्धारण और जांच पर नजर रखी जा सके।

न्यू मधुकम में युवक ने की आत्महत्या, कुछ दिनों में होनेवाला था विवाह

रांची : सुखदेव नगर थाना क्षेत्र के न्यू मधुकम मोहल्ले में शनिवार को एक युवक द्वारा फांसी लगाकर जान देने की घटना से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक युवक का नाम रितेश पांडेय बताया गया है। परिजनों के अनुसार रितेश की शादी जल्द ही तय थी, लेकिन विवाह से ठीक पहले उसने यह खौफनाक कदम उठा लिया। जब घरवालों ने कमरे का दरवाजा तोड़ा, तो रितेश को फांसी की स्थिति में पाया गया। घटना के बाद परिजन सदमे में हैं और आत्महत्या के कारणों पर सवाल उठा रहे हैं। उनका कहना है कि रितेश किस मानसिक दबाव या परेशानी से गुजर रहा था, इसकी स्पष्ट जांच होनी चाहिए। कुछ रिश्तेदारों ने आशंका जताई कि युवक पर किसी तरह का प्रेशर हो सकता है, इसलिए वे बिना ठोस कार्रवाई और जांच के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने के पक्ष में नहीं हैं। सूचना मिलते ही सुखदेव नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी लगातार परिवार को समझाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन परिजन अपनी मांगों पर अड़े हुए हैं।

सीसीएल ने सेवानिवृत्त कर्मियों को दी गरिमामयी विदाई

रांची : सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) मुख्यालय, राँची में शनिवार को एक भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नवंबर 2025 में मुख्यालय से सेवानिवृत्त होने वाले 6 कर्मियों को सम्मानपूर्वक विदाई दी गई। साथ ही सीसीएल के विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत सेवानिवृत्त साथियों को भी उनके-अपने क्षेत्रों में आयोजित कार्यक्रमों में ससम्मान विदा किया गया। सीसीएल मुख्यालय एवं क्षेत्रों से कुल मिलाकर आज 129 कर्मियों को गरिमापूर्ण तरीके से विदाई दी गई। कार्यक्रम के दौरान सीसीएल मुख्यालय में एक शॉर्ट फिल्म भी प्रदर्शित की गई, जिसमें सेवानिवृत्त कर्मियों ने अपने अनुभव, भावनाएँ और यादें साझा कीं। मुख्यालय से सेवानिवृत्त होने वाले कर्मियों के नाम इस प्रकार हैं– अमल कुमार पाठक, मुख्य प्रबंधक (ई एंड एम), ईएंडएम, जेएसएसपीएस विभाग; संजय कुमार सरकार, कार्यालय अधीक्षक, सुरक्षा विभाग उबोध राम, वरीय डी.ई.ओ., सुरक्षा विभाग; कारी देवी, सफाई मेट, कल्याण एवं सेवा विभाग।

बाबूलाल बताएं कि लालबाबू से क्या है संबंध, ईडी भी स्पष्ट करे: सुप्रियो भट्टाचार्य

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झामुमो महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा है कि प्रतिपक्ष के नेता बाबूलाल मरांडी पिछले कुछ दिनों से काफी व्याकुल हैं। कोयला-लोहा चोरी को लेकर रोज अनर्गल ब्यान दे रहे हैं। फेस टाइम पर संगठित अपराध की बात कर रहे हैं। लेकिन लालबाबू से फेस टू फेस की बात भूल जा रहे हैं। उन्हें स्पष्ट करना चाहिए कि धनबाद के कोयला कारोबारी लालबाबू सिंह (एलबी सिंह) से उनका क्या संबंध है। क्योंकि लालबाबू सिंह का बाबूलाल मरांडी से अतरंग संबंध जग जाहिर है। लालबाबू सिंह के साथ बाबूलाल मरांडी की तसवीरें सार्वजनिक है। भाजपा से लालबाबू सिंह के संबंध भी सार्वजनिक हैं। इतना ही नहीं ईडी को भी स्पष्ट करना चाहिए कि लालबाबू सिंह के यहां क्या क्या मिला। कौन कौन से डिजिटल इन्फॉर्मेशन नष्ट किए गए। सुप्रियो भट्टाचार्य ने सवाल उठाया कि छापेमारी के बाद एलबी सिंह को क्यों नहीं गिरफ्तार किया गया। डिजिटल इन्फॉर्मेशन क्यों नष्ट किए गए। लेकिन यह सारा कुछ बाबूलाल मरांडी के लालबाबू सिंह के साथ संबंधों के कारण किया गया। उन्होंने ईडी को भी चेताया कि वह निष्पक्ष और पारदर्शी कार्रवाई करे। चेहरा देख कर कार्रवाई करना बंद करे। उन्होंने यहां तक आरोप लगाया कि कोयला, लोहा, जमीन या अन्य तरह का कोई भी माफिया हो, उसके तार हरमू रोड स्थित भाजपा मुख्यालय से जुड़ा है। सुप्रियो भट्टाचार्य आज पार्टी कार्यालय में मीडिया से बातचीत कर रहे थे। सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि ईडी की टीम जब मुख्यमंत्री आवास पहुंची थी तो सीआरपीएफ के जवानों ने पूरे आवास को घेर लिया। ईडी की टीम सीधे मुख्यमंत्री के घर में घुस गयी। लेकिन धनबाद में जब ईडी की टीम पहुंची तो एलबी सिंह ने अपने पालतू कुत्तों को छोड़ दिया। दो घंटे तक घर का दरवाजा बंद रखा गया। इतना ही नहीं ईडी को जो डायरी मिली, उसमें बीएलएम नामक व्यक्ति के आगे करोड़ों की राशि के लेन देन की बात दर्ज है। सुप्रियो ने कहा कि बाबूलाल मरांडी रोज अनर्गल प्रलाप कर रहे हैं। लेकिन इस संबंध में उन्होंने पिछले दिनों ही कहा था, सरकारी कर्मचारी-अधिकारी बाबूलाल मरांडी के सहायतार्थ अपने वेतन राशि का कुछ भाग उन्हें दें। क्योंकि जब उन्हें कट मनी नहीं पहुंचता तो वह अनर्गल प्रलाप करने लगते हैं। सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि दुख यह भी है कि जिसे बाबूलाल मरांडी ने अंगुली पकड़ कर राजनीति का ककहरा सिखाया। आज वह गुरु बन बैठा है। पहले कार्यक्षेत्र छोटा था, सांसद बनने के बाद कार्य क्षेत्र बहुत बड़ा भी हो गया है। भाजपा के आरोप पत्र पर सुप्रियो ने कहा कि उसके पास 2050 तक केवल आरोप पत्र रहेगा और हेमन्त सरकार के साथ जनता का आशीर्वाद।

रांची में खेलना हमेशा रहा है खास : कैप्टन राहुल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड की राजधानी रांची में क्रिकेट का रोमांच अपने चरम पर है। 30 नवंबर को जेएससीए इंटरनेशनल स्टेडियम में भारत और साउथ अफ्रीका के बीच वनडे सीरीज का पहला मुकाबला खेला जाएगा। भारतीय टीम के कप्तान केएल राहुल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में मैच से जुड़ी कई अहम बातों पर खुलकर चर्चा की। उन्होंने कहा कि रांची में खेलना हमेशा खास रहा है, क्योंकि यह शहर क्रिकेट की धड़कनों से भरा हुआ है। अगर महेंद्र सिंह धोनी स्टेडियम में मैच देखने आते हैं, तो वह पल हमारे लिए बहुत खास होगा। केएल राहुल ने बताया कि टीम परिस्थिति के अनुसार अपनी प्लानिंग कर चुकी है। उन्होंने कहा कि इस विकेट पर शुरूआत में बैटिंग थोड़ी चुनौतीपूर्ण हो सकती है, लेकिन मिडिल ओवर्स में रन बनाने के अवसर जरूर मिलेंगे। डेथ ओवर्स में टीम की बॉलिंग यूनिट काफी मजबूत है और सभी गेंदबाज अपनी-अपनी भूमिका को लेकर स्पष्ट हैं। एक-एक रन उतने ही महत्वपूर्ण है जितने चार और छह रन। केएल राहुल ने ऋषभ पंत की भूमिका पर पूछे गए सवाल के जवाब में कहा कि अंतिम निर्णय मैच के दिन ही होगा। पंत भी टीम में हैं और वह शानदार फॉर्म में हैं। यह कल ही तय हो पाएगा कि वह विकेटकीपिंग करेंगे या सिर्फ बैटिंग पर ध्यान देंगे।

झालसा ने वृद्धाश्रम में कानूनी जागरूकता कार्यक्रम का किया आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : प्रखंड के कुलगु कलेंडे स्थित वृद्धा आश्रम में शनिवार को झालसा द्वारा आयोजित कानूनी जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया कार्यक्रम में मुख्य रूप से झालसा के कार्यकारी अध्यक्ष झारखंड उच्च न्यायालय के न्यायाधीश सुजीत नारायण उपस्थित हुए। न्यायाधीश ने अपने संबोधन में कहा कि वृद्ध माताओं-पिताओं की सेवा ही ईश्वर सेवा है, उन्होंने वृद्धाआश्रम में उपस्थित वृद्ध जनों को उनके कानूनी अधिकार एवं झालसा और डालसा द्वारा किए जाने वाले सहयोग के बारे में भी बताया। जिला विधिक सेवा प्राधिकार, रांची तथा डालसा सचिव रवि कुमार भास्कर की देखरेख में आयोजित इस कार्यक्रम में है वृद्धाआश्रम में रह रहे वृद्ध माताओं-पिताओं के बीच आवश्यक सामग्रियों का वितरण किया गया। वृद्धाओं के बीच कम्बल, स्वेटर, जूता, पानी बोतल, स्टीक ड्राई फ्रूट आदि बांटे गये तथा उन्हें अटल पेंशन योजना एवं आयुष्मान कार्ड योजना आदि से भी जोड़ा गया। वृद्ध माताओं-पिताओं के बीच न्यायामुर्ति श्री सुजित नारायण प्रसाद ने स्वयं अपने हाथों से वृद्धाओं के बीच आवश्यक सामग्रियों का वितरण किया तथा खाने के टेबल पर वृद्धाओं को अपने हाथों से खाना भी परोसा। इस अवसर पर वृद्ध आश्रम के ही एक बिल्डिंग में मदर टेरेसा क्लीनिक का भी उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम का संचालन सदस्य सचिव कुमारी रंजना अस्थाना ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन उपायुक्त रांची मंजूनाथ भजंत्री ने किया। इस अवसर पर मुख्य रूप से एसएसपी रांची राकेश रंजन, डीएसडब्लू सुरभि, बीडीओ दीपाली भगत, सीईओ राजेश कुमार, वृद्धाआश्रम के संचालक पंकज सिन्हा, मैनेजर पूनम कुमारी, उप-सचिव झालसा, अभिषेक कुमार, डालसा सचिव, रवि कुमार भास्कर, न्यायिक दंडाधिकारी एकता सक्सेना, डॉ पूर्णिमा रतन, पीएलवी प्रहलाद कुमार उपाध्याय, सुमन ठाकुर, उमेश कुमार, सोनम, अनिल गोप सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

सीआईडी जांच शुरू होने से पूर्व ही रिक्त सीटों को भरने के लिए काउंसिलिंग प्रारंभ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड के सरकारी और निजी मेडिकल कॉलेजों में यूजी और पीजी पाठ्यक्रमों के नामांकन में हुई भारी गड़बड़ी की जांच से पूर्व ही स्वास्थ्य विभाग के आदेश पर फिर से स्ट्रे वैकेंसी राउंड काउंसिलिंग प्रारंभ कर दी गयी है। 28 नवंबर से 30 नवंबर तक च्वॉयस फिलिंग, एक दिसंबर से छह दिसंबर तक प्रोविजनल सीट अलॉटमेंट और 2 दिसंबर से 6 दिसंबर तक सर्टिफिकेट और अन्य प्रमाण पत्रों की जांच की जाएगी। एमबीबीएस के वर्तमान सत्र के लिए नामांकन की इस प्रक्रिया में भारी गड़बड़ी के बाद पिछले दिनों मुख्यमंत्री ने अंतर विभागीय कमेटी और सीआईडी से जांच कराने के आदेश दिए थे। आधिकारिक जानकारी के अनुसार सीआईडी जांच प्रारंभ होने से पहले ही तीसरे चरण की काउंसिलिंग (स्ट्रे वैकेंसी राउंड काउंसिलिंग) प्रारंभ कर दी गयी है। जबकि जानकारों के अनुसार नामांकन में भारी गड़बड़ी और घोटाले की बात सामने आयी है। पलामू के मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज के अधिकारियों ने पिछले दिनों 2025 बैच के एमबीबीएस कोर्स में फर्जी प्रमाण पत्रों के आधार पर हुए दो दाखिलों को रद्द कर दिया था। इसी तरह गोड्डा जिले के एक एमबीबीएस उम्मीदवार को धनबाद के शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में आरक्षित कोटे के तहत दाखिले का दावा करने के लिए जाली जाति प्रमाण पत्र का उपयोग करते हुए पकड़ा गया था। एमबीबीएस की यूजी और पीजी कोर्स के नामांकन में पिछले कई वर्षों से बड़ी गड़बड़ी की बात सामने आयी है। जानकार सूत्रों के अनुसार मेडिकल कॉलेजों में नामांकन के लिए नीट की परीक्षा का आयोजन नेशनल टेस्ट एजेंसी (एनटीए) करती है। एनटीए के डाटा के आधार पर 15 फीसदी सीट ऑल इंडिया कोटे का और 85 फीसदी सीटें राज्य सरकारों के कोटे की होती है।

लेबर कोड में प्रस्तावित बदलाव श्रमिकों की सुरक्षा को कर सकता है कमजोर : यूनियन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : हटिया प्रोजेक्ट वर्कर्स यूनियन के पदाधिकारी और सदस्यों ने शनिवार को धुर्वा में आयोजिक बैठक में नए लेबर कोड संशोधनों पर कड़ी आपत्ति जताई है। यूनियन ने कहा है कि लेबर कोड में प्रस्तावित बदलाव श्रमिकों की सुरक्षा, अधिकारों और संगठनात्मक स्वतंत्रता को कमजोर कर सकता है। मौके पर यूनियन के महामंत्री लीलाधर सिंह ने कहा कि श्रमिक समुदाय वर्षों से बेहतर कार्य-स्थितियों और मजबूत सामाजिक सुरक्षा की उम्मीद करता आ रहा है। लेकिन मौजूदा संशोधन इसके विपरीत दिशा में जा रहा है। उन्होंने कहा कि सुधारों का उद्देश्य श्रमिकों को मजबूत करना होना चाहिए, न कि असुरक्षित करना होना चाहिए। उन्होंने कहा कि किसी भी नीति परिवर्तन से पहले श्रमिक संगठनों के साथ संवाद जरूरी है, जो इस मामले में नहीं किया गया। यूनियन ने चिंता जताई कि काम के घंटों में बढ़ोतरी, सुरक्षा मानकों में ढील और यूनियन गठन की प्रक्रिया को कठिन बनाना श्रमिकों के हितों पर सीधा असर डाल सकता है। यूनियन की ओर से कहा गया कि केंद्र सरकार के सामने चार मांगें रखीं इसमें लेबर कोड में सुधारों से पहले पारदर्शी संवाद स्थापित करने की बात कही गई है। साथ ही कहा गया कि सुरक्षा और वेतन प्रावधानों को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप करना बेहद जरूरी है।

बाबूलाल मरांडी का आरोप : सात गारंटी पर एक कदम भी आगे नहीं बढ़ी राज्य सरकार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : प्रदेश भाजपा ने हेमन्त सरकार पार्ट-2 के पहले वर्षगांठ पर बड़ा राजनीतिक हमला बोला। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत भाजपा प्रदेश कार्यालय में अध्यक्ष एवं नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी, कार्यकारी अध्यक्ष और सांसद आदित्य साहू, संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह, मुख्य सचेतक विधायक नवीन जायसवाल, प्रदेश मीडिया प्रभारी शिवपूजन पाठक, सह प्रभारी योगेंद्र प्रताप सिंह और आरोप पत्र समिति से रविनाथ किशोर ने सरकार के खिलाफ आरोप पत्र जारी किया। आरोप पत्र समिति में प्रदेश उपाध्यक्ष व पूर्व मंत्री भानु प्रताप शाही, पूर्व नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी और पूर्व सांसद व प्रवक्ता गीता कोड़ा भी शामिल हैं। आरोप पत्र जारी करते हुए बाबूलाल मरांडी ने हेमन्त सरकार के छह वर्षों को झारखंड की बर्बादी का काल बताया। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनावों के समय इंडी गठबंधन द्वारा जनता से की गई सात गारंटियों में से एक भी वादा पूरा नहीं हुआ, बल्कि राज्य और पीछे चला गया। मरांडी ने सातों गारंटियों पर विस्तार से सरकार की नाकामियां गिनाईं। मरांडी ने कहा कि यह अबुआ सरकार नहीं, बल्कि ठगों की सरकार है जिसने युवाओं, महिलाओं, किसानों, आदिवासी-पिछड़े समाज, दलित-बुजुर्गों, दिव्यांगों और स्कूली बच्चों तक को निराश किया। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में पुलिस जनता की रक्षक नहीं, बल्कि लूट का माध्यम बन चुकी है।

1932 खतियान नीति पर सबसे बड़ा धोखा

पहली गारंटी 1932 खतियान आधारित नीति को मरांडी ने बड़ा छल बताया। उनके अनुसार इस नाम पर सरकार छह वर्षों से जनता को बरगला रही है। साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य की भाषा-संस्कृति की सुरक्षा होती तो चंगाई सभा जैसे अंधविश्वास को बढ़ावा नहीं मिल रहा होता। उन्होंने ऐसे आयोजनों पर पूर्ण प्रतिबंध की मांग की।

मंईयां सम्मान योजना में भारी अनियमितता

दूसरी गारंटी पर बोलते हुए मरांडी ने कहा कि लाखों महिलाओं का नाम सूची से हटाकर सरकार ने उन्हें धोखा दिया। ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाएं पोर्टल न खुलने की शिकायत लेकर भटक रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि उल्टे योजना की राशि रोहिंग्या और बांग्लादेशी घुसपैठियों के खातों में जा रही है। मरांडी ने कहा कि पंचायत चुनाव ओबीसी आरक्षण के बिना कराए गए और निकाय चुनाव में भी कुछ नहीं हुआ। एससीझएसटी आरक्षण पर भी जनता को छलने का आरोप लगाया।

संक्षिप्त खबरें

पांच साइबर अपराधी गिरफ्तार, 10 आइफोन और 14 सिमकार्ड बरामद

रांची : साइबर पुलिस ने गिरिडीह – गाण्डेय मार्ग से जामताड़ा जा रहे स्कॉपियों गाड़ी में सवार पांच ठगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस उपाधीक्षक (साइबरक्राईम) आविद खां ने शनिवार को बताया कि गिरफ्तार साईबर अपराधी खरीदद्दारी कर वापस अपने घर लोट रहे थे। गुप्त सूचना पर स्कॉर्पियों को रोककर कार्रवाई की गई जहां विजय मंडल, अर्जून मंडल दोनो (करमाटाड़) आदित्य राज उर्फ ऑम शंकर कुमार (किशनपुर) गजेंन्द्र कुमार और रवि कुमार दोनों (बरबीघा) को गिरफ्तार किया गया है। बताया गया कि इस दौरान एक अन्य आरोपित निर्मल मंडल भागने में सफल रहा है। बताया गया कि इनके पास से 10 आइफोन , 14 सिमकार्ड और स्कॉपियों जब्त की गई है। पुलिस ने बताया कि पकडे गयी सभी अपराधी झारखंड के विभिन्न इलाकों में फर्जी बैंक अधिकारी बनकर फर्जी आईटीओ चालान, ई–केवाईसी अपडेट करने के नाम पर ठगी करते रहे हैं। ठगी के पैसे से ही वे महंगे मोबाइल – जेवर वगैरह की खरिदारी कर वापस घर लौट रहे थे।

मेडिका अस्पताल में की गई दर्जनों की नि:शुल्क नेत्र जांच

रांची : मेडिका हॉस्पिटल और मेडिका आई अस्पताल के सहयोग से शनिवार को विद्यानगर, हरमू में नि:शुल्क नेत्र जांच एवं मोतियाबिंद शिविर का आयोजन किया गया। यह जानकारी हॉस्पिटल के पीआरओ पौरुष जैन ने दी। उन्होंने बताया कि शिविर में दर्जनों लोगों ने अपनी आंखों की जांच कराई, जिनमें 9 लोग मोतियाबिंद से ग्रसित पाए गए। इन सभी मरीजों का नि:शुल्क उपचार अस्पताल में उपलब्ध कराया जाएगा। शिविर के संचालन में आई कमिटी और स्थानीय स्वयंसेवकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। आयोजन में तकनीशियन और नर्सिंग स्टाफ ने प्रतिभागियों को नि:शुल्क परामर्श और जांच सुविधा प्रदान की गई। शिविर में आए लोगों को प्रारंभिक जांच, आंखों की स्वास्थ्य संबंधी जानकारी और मोतियाबिंद उपचार से जुड़ी जानकारी भी दी गई। उन्होंने बताया कि कैम्प का उद्देश्य जरूरतमंद लोगों को नि:शुल्क नेत्र स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना और नेत्र रोगों के प्रति जागरूक करना था। इस अवसर पर भगवान महावीर अस्पताल संस्थान के अध्यक्ष संतोष जैन पाटनी, सचिव पंकज सेठी, उपाध्यक्ष गोविंद सरावगी, कमल विनाइकया, सह सचिव रोहित जैन, अमित जैन, कोषाध्यक्ष जितेन्द्र छाबड़ा, अस्पताल के टेक्नीशियन, शिवानंद प्रसाद, दुब्राज महतो नर्सिंग स्टाफ सहित अन्य मौजूद थे।

SIR के विरोध में कांग्रेस की बड़ी रैली 14 दिसंबर को, 16 बीएलओ की मौत का दावा

रांची : कांग्रेस ने देशभर में लागू किए गए SIR को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं। पार्टी ने कहा कि SIR के नाम पर पूरे देश में अफरा–तफरी मची हुई है। हालात इतने खराब हैं कि 16 बीएलओ की मौत हो चुकी है, जबकि 6 से अधिक बीएलओ तनाव में आत्महत्या की स्थिति में पहुंच गए। कांग्रेस का आरोप है कि यह कोई सुधार नहीं, बल्कि सरकार द्वारा थोपे गया जुल्म है। इसी जुल्म के खिलाफ कांग्रेस आगामी 14 दिसंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में एक बड़ी देशव्यापी रैली आयोजित करने जा रही है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने बताया कि इस मुद्दे पर गंभीर रणनीति तैयार करने के लिए 2 दिसंबर को सुबह 11 बजे से प्रदेश कांग्रेस कमेटी की कार्यसमिति की बैठक बुलाई गई है। बैठक की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश करेंगे। इसमें यह चर्चा की जाएगी कि कैसे प्रदेश से अधिक से अधिक संख्या में पार्टी कार्यकताओं की भागीदारी सुनिश्चित की जाए और किस तरह सत्ता के संरक्षण में लोकतंत्र को कमजोर किया जा रहा है। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि यदि चुनाव आयोग की नीयत साफ होती, तो मतदाता सूची डिजिटल, सर्चेबल और मशीन–रीडेबल होती। आयोग को 30 दिनों की हड़बड़ी दिखाने के बजाय पारदर्शिता और जवाबदेही पर जोर देना चाहिए था।

179वां श्री श्याम भंडारा का हुआ आयोजन

रांची : श्री श्याम मित्र मंडल द्वारा हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में आज 179 वा श्री श्याम भंडारा का भव्य आयोजन किया गया। श्री श्याम मित्र मंडल के अध्यक्ष गोपाल मुरारका महामंत्री गौरव अग्रवाल उपाध्यक्ष अशोक लड़ियां निर्वतमान महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया वरिष्ठ कार्यकारणी सदस्य श्याम सुंदर शर्मा छोटेलाल महतो पार्वती महतो ने संयुक्त रूप से श्री श्याम भोग का भजन गायन किया । उपस्थित सैकड़ो भक्तों ने आओ आओ भोग लगाओ बाबा श्याम जी रुच रुच भोग लगाओ बाबा श्याम जी के स्वर में स्वर मिलाकर भक्ति भावना से ओत प्रोत होकर ठाकुर जी से भोग स्वीकार करने का अनुरोध किया। खाटूनरेश बजरंगबली शिव परिवार लड्डू गोपाल जी शालिग्राम जी गरुड़ जी गुरुजनों का भोग लगाकर महाप्रसाद को विशाल भंडारे में मिश्रित किया गया। छोटेलाल महतो पार्वती महतो ने सर्वप्रथम मंदिर के आचार्यों को भोग प्रसाद खिलाकर आशीर्वाद प्राप्त किया। भंडारे का समय होते–होते श्री श्याम मंदिर परिसर भक्तों से भर गया एवं हरमू रोड में भक्तजनों की लंबी–लंबी कतारें लग गई। खाटूनरेश की जय जयकारों से पूरा हरमू रोड गूंज रहा था। प्रथम देव श्री गणेश जी महाराज की जय जयकारों के बीच श्री श्याम भंडारे का प्रसाद वितरण प्रारंभ किया गया। श्री श्याम मंदिर में निर्मित प्रसाद में आज के भंडारे में इडली चटनी बुंदिया बिस्किट और टॉफी का प्रसाद वितरण किया गया। खीर चूरमा का भोग हर भंडारे में महाप्रसाद के रूप में श्याम मंदिर में निर्मित किया जाता है एवं सर्वप्रथम भोग लगाया जाता है। भोग लगने के बाद हर भंडारे में मंडल के वरिष्ठ सदस्य रतन शर्मा एवं मंदिर के सहयोगी रांची गौशाला में जाकर गौमाता को भोजन कराते हैं। लगभग 2500 से ज्यादा भक्तजनों ने प्रसाद प्राप्त किया।

एक नजर

कौण्डिन्य पब्लिक स्कूल में रस्साकसी प्रतियोगिता का सफल आयोजन

कोडरमा : आश्रम रोड स्थित कौण्डिन्य पब्लिक स्कूल में उत्साह और जोश से भरपूर Tug of War खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का नेतृत्व पूर्व आईपीएस अधिकारी एवं रिटायर्ड डीआईजी राजीव रंजन सिंह ने किया। विशेष बात यह रही कि इस प्रतियोगिता में लड़कों के साथ-साथ लड़कियों ने भी पहली बार सक्रिय रूप से भाग लिया और अपनी दमदार भागीदारी से सभी का मन जीत लिया। यह कौण्डिन्य पब्लिक स्कूल में पहली ऐसी पहल थी, जिसमें लड़कियों को भी रस्साकशी में भाग लेने का अवसर दिया गया।प्रतियोगिता के दौरान बच्चों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। सभी प्रतिभागी विजयी भावना के साथ जोश और ऊर्जा से भरे हुए थे। पूर्व डीआईजी राजीव रंजन सिंह ने बच्चों की हौसला-अफजाई करते हुए कहा कि ऐसे खेल न केवल शारीरिक क्षमता को बढ़ाते हैं बल्कि टीम वर्क और अनुशासन की भावना भी विकसित करते हैं। बच्चों का सर्वांगीण विकास अत्यंत आवश्यक है। पढ़ाई के साथ-साथ खेल भी महत्वपूर्ण है। इसी उद्देश्य से विद्यालय समयझसमय पर ऐसे प्रेरणादायक कार्यक्रम आयोजित करता रहता है।

टांगटोना हाई स्कूल में बाल अधिकार प्रशिक्षण का हुआ आयोजन

कसमार/बोकारो : कसमार प्रखंड के हाई स्कूल टांगटोना में सहयोगिनी संस्था द्वारा बाल अधिकार, बाल विवाह एवं बाल हिंसा संबंधी कानून को लेकर एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बच्चों, किशोरियों एवं महिलाओं को उनके अधिकारों, सरकारी कल्याणकारी योजनाओं, जेंडर समानता तथा हिंसा की रोकथाम के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम में सहयोगिनी संस्था के समन्वयक प्रकाश कुमार महतो ने बताया कि संस्था द्वारा कसमार प्रखंड के दुर्गापुर, बगदा, खैराचातर और टांगटोना पंचायतों के 19 गांवों में किशोरी एवं युवा महिला समूहों का गठन कर उनकी नेतृत्व क्षमता का विकास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि समूहों के माध्यम से महिलाओं और किशोरियों को सरकारी योजनाओं से जोड़कर उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का प्रयास किया जा रहा है। साथ ही विद्यालयों में सुरक्षित एवं संवेदनशील वातावरण बनाए रखने पर भी जोर दिया। विद्यालय के प्रधानाध्यापक विनोद कुमार महतो ने छात्रों को संविधान में वर्णित मौलिक अधिकारों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को सम्मानपूर्वक जीवन जीने, शिक्षा ग्रहण करने एवं रोजगार चुनने का अधिकार है। साथ ही उन्होंने बच्चों से अपने कर्तव्यों के प्रति भी सजग रहने की अपील की। उन्होंने बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ जैसे कार्यक्रम पर विशेष ध्यान देने पर जोर दिया। सहयोगिनी संस्था की एनिमेटर रेखा देवी ने बताया कि संस्था टांगटोना पंचायत में किशोरी एवं महिला समूहों के साथ मिलकर कार्य कर रही है। इन समूहों के माध्यम से किशोरियों के जीवन कौशल एवं नेतृत्व क्षमता का विकास किया जा रहा है, ताकि वे हिंसा और भेदभाव के खिलाफ मजबूती से आवाज उठा सकें।

कोडरमा में सेक्रेड हार्ट स्कूल में इंटर स्कूल वॉलीबॉल प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : सेक्रेड हार्ट स्कूल के नेतृत्व में कोडरमा स्कूल सहोदया कॉम्प्लेक्स इंटर स्कूल वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में जिले भर के सीबीएसई बोर्ड से एफिलिएटिड 12 विद्यालय के खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला खेल पदाधिकारी तुषार राय मौजूद थे। जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में सहोदया के अध्यक्ष और डीएवी स्कूल के प्राचार्य केके सिंह, ग्रिजली विद्यालय के निदेशक अविनाश सेठ, रोटरी क्लब कोडरमा के अध्यक्ष संतोष कुमार सिन्हा, मॉडर्न पब्लिक स्कूल की डायरेक्टर संगीता शर्मा, आदर्श प्लस टू उच्च विद्यालय के शैक्षणिक निदेशक दीपक कुमार, कबड्डी संघ के सचिव धर्मेंद्र सिंह, जीएस पब्लिक स्कूल के निदेशक नितेश कुमार सिंह, इकरा पब्लिक स्कूल के निर्देशक मकसूद आलम, बीआर इंटरनेशनल स्कूल के डायरेक्टर ओपी राय, कौनदिनया पब्लिक स्कूल के सीईओ विक्रांत कुमार मौजूद थे। विद्यालय के निदेशक प्रमोद कुमार और प्राचार्य प्रमोद शर्मा ने बुके देकर अतिथियों का स्वागत किया। सेक्रेड हार्ट स्कूल के निदेशक प्रमोद कुमार ने अपने स्वागत भाषण में कार्यक्रम में मौजूद सभी अतिथियों का स्वागत किया। सहोदया के अध्यक्ष और डीएवी पब्लिक स्कूल के प्राचार्य कृष्णकांत सिंह ने सहोदया की उपलब्धियां और आगामी कार्यक्रमों पर चर्चा करते हुए सभी स्कूलों के खिलाड़ियों को बधाई दी। सेक्रेड हार्ट स्कूल के प्राचार्य प्रमोद कुमार शर्मा ने सभी खिलाड़ियों को शपथ दिलाई। इसके बाद अतिथियों ने संयुक्त रूप से बैलून उड़ाकर और खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर प्रतियोगिता को गति प्रदान किया। मुख्य अतिथि जिला खेल पदाधिकारी तुषार राय ने खिलाड़ियों को बधाई देते हुए इस तरह के आयोजन के लिए सहोदया को धन्यवाद दिया। उन्होंने मैच के आयोजन में सेक्रेड हार्ट स्कूल के द्वारा की गई व्यवस्था की काफी सराहना की। उन्होंने कहा कि पढ़ाई के साथ-साथ खेलकूद भी जरूरी है। आजकल खेल के क्षेत्र में भी अपार संभावनाएं हैं। विद्यालय के निदेशक प्रमोद कुमार ने मुख्य अतिथि को मोमेंटो भेंट किया। इन स्कूलों ने लिया हिस्सा : वॉलीबॉल प्रतियोगिता में आदर्श प्लस टू उच्च विद्यालय, संस्कार पब्लिक स्कूल, ग्रिजली विद्यालय, सेक्रेड हार्ट स्कूल, आरपी मोदी इंटरनेशनल स्कूल, नेशनल पब्लिक स्कूल, मॉडर्न पब्लिक स्कूल, इकरा पब्लिक स्कूल, मेरिडियन एकेडमी, डी एवी पब्लिक स्कूल, आरपी ग्लोबल स्कूल और जीएस पब्लिक स्कूल ने हिस्सा लिया।

साइबर सुरक्षा में श्रेष्ठ योगदान के लिए रवि रंजन बने बिहार-झारखंड के अंबेसडर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में बेहतर कार्य करने के लिए रवि रंजन को बिहार झारखंड राज्य के लिए इलेक्ट्रानिक एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय भारत सरकार एवं आई एस ई ए एवं सी-डेक हैदराबाद द्वारा अंबेसडर बनाया गया। उन्हें 28 नवंबर को गांधीनगर गुजरात में राष्ट्रीय फोरेंसिक एवं विज्ञान विश्वविद्यालय में एक कार्यक्रम के माध्यम से पूरे पूर्वोत्तर राज्य से साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में बेहतर कार्य व जागरूकता फैलाने के लिए मेडल व सर्टिफिकेट देकर सम्मानित भी किया गया। बता दें कि बिहार और झारखंड में साइबर सुरक्षा को लेकर विगत 2 वर्षों से रवि रंजन गांव, शहर, सुदूरवर्ती क्षेत्रों में जाकर विद्यार्थियों, महिलाओं एवं आम जनमानस को साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूकता कर रहे हैं । इससे पहले भी उन्हें सबसे अधिक ऑनलाइन सर्टिफिकेट प्राप्त करने के लिए इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड में जगह मिला है तथा सम्मानित भी किया जा चुका है, इसके साथ ही साथ वे प्रधानमंत्री मन की बात के टॉप वीनर तथा माई गवर्नमेंट के चेंजमेकर बने हैं। उनके इस सम्मान के लिए हैंड इन हैंड इंडिया के तुलसी कुमार साव, सविता कुमारी, दीपक कुमार, रूपेश कुमार, डॉ अभय कुमार, डाक्टर अभिजीत राय, गुरुदेव प्रसाद सहित कई लोगों ने बधाई दी।

"बेस्ट एम्प्लोयी ऑफ द मंथ अवॉर्ड" कार्यक्रम का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : मानव संसाधन के ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग में वर्ष 2025 के अक्टूबर माह के लिए बोकारो स्टील प्लांट के "बेस्ट एम्प्लोयी ऑफ द मंथ अवॉर्ड" कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें आर जी बी एस बिभाग के जय प्रकाश, हैवी मेंटेनन्स मैकेनिकल के मिलन नायक, एसएमएस -न्यू के मो. मोकद्दर परवेज, सीआरएम -III के बिजय प्रसाद, सीईडी बिभाग के लव कुमार, सीओ & सीसी बिभाग के संजय कुमार दास, ब्लास्ट फर्नेस के जय किशोर तथा विजिलेंस विभाग के मनोज कुमार धर के साथ कुल आठ (08) कर्मचारियों को उनके कार्य में विशिष्ट योगदान के लिए पुरस्कृत किया गया। इस समारोह में अधिशासी निदेशक प्रिय रंजन, अधिशासी निदेशक अनुप कुमार दत्त, मुख्य महाप्रबंधक अंजनी कुमार शरन के साथ संबंधित विभागों के मुख्य महाप्रबंधक, विभागाध्यक्ष सहित मानव संसाधन के वरीय अधिकारी तथा पुरस्कार प्राप्त करने वाले कार्मिक एवं उनके परिवार के सदस्य उपस्थित थे। मानव संसाधन विभाग के सहायक प्रबंधक नितेश रंजन ने कार्यक्रम में सभी का स्वागत किया तत्पश्चात अधिशासी निदेशक प्रिय रंजन ने कर्मचारियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि इस सफलता में कर्मचारियों के साथ-साथ उनके परिवार का भी काफी योगदान है। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों को अपने दैनिक कार्यों के अलावा नित नई चुनौतियों को स्वीकार कर उनका समाधान खोजना चाहिए तथा जुनून के साथ काम काम करते हुए विकास की गति को बनाये रखना चाहिए तथा प्रत्येक चुनौतिपूर्ण काम को करने के समय यह जरूर ध्यान रखना चाहिए कि सुरक्षा सर्वोपरि है।

विधिक जागरूकता सह स्वास्थ्य जांच शिविर का किया गया आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : झारखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार रांची के निर्देश के आलोक में जिला विधिक सेवा प्राधिकार कोडरमा के तत्वावधान में झुमरीतिलैया स्थित वृद्धाश्रम में रह रहे वरिष्ठ नागरिकों के लिए मेडिको विधिक जागरूकता शिविर सह मेडिकल चेकअप कैंप का आयोजन किया गया। इस दौरान झारखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार रांची के माननीय कार्यपालक अध्यक्ष द्वारा नगड़ी रांची में अवस्थित वृद्धाश्रम में मदर टेरेसा क्लिनिक के उदघाटन समारोह एवं वह रह रहे वरिष्ठ नागरिकों के लिए मेडिकल सुविधाओं सहित अन्य योजनाओं के लाभ का वितरण समारोह का ऑनलाइन अवलोकन किया गया । इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार बाल कृष्ण तिवारी ने कहा कि वरिष्ठ नागरिको का सम्मान करना हम सभी नागरिको का नैतिक कर्तव्य है । उन्होंने कहा कि वरिष्ठ नागरिको के अधिकारों का हनन नहीं हो तथा उनके मौलिक अधिकार संरक्षित रह सके इसके लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकार कृत संकल्पित है। श्री तिवारी ने कहा कि कोई भी व्यक्ति अपने माता पिता एवं बुजुर्गो का सम्मान किए बिना किसी भी क्षेत्र में आगे नहीं बढ़ सकता तथा बुजुर्गो का सम्मान कर प्राधिकार खुद को गौरवान्ति महसूस कर रहा है। श्री तिवारी ने कहा कि नई पीढ़ी को बुजुर्गो का सम्मान करना चाहिए उनके द्वारा दिए मार्गदर्शन को अपनाना चाहिए साथ ही उनके हर छोटी बड़ी चीजो का ध्यान रखना चाहिए। वही अपने संबोधन में प्राधिकार के सचिव गौतम कुमार ने कहा कि जिला विधिक सेवा प्राधिकार बुजुर्गो के हक एवं अधिकार के लिए निशुल्क विधिक सेवा प्रदान करने हेतु सदैव तत्पर है ' श्री कुमार ने कहा कि वृद्धाश्रम में रह रहे बुजुर्गों की सुख सुविधा का ध्यान रखते हुए उन्हें हर संभव सहायता देने की पूरी कोशिश करेगा।

सेंट जेवियर स्कूल ने 2025-26 का क्रॉस कंट्री किया आयोजित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : सेंट जेवियर स्कूल में 2025-26 का क्रॉस कंट्री दौड़ प्रतियोगिता उत्साहपूर्वक आयोजित की गई। प्राइमरी स्कूल के लिए प्रतियोगिता 28 नवम्बर 2025 को आयोजित हुई, जबकि हाई स्कूल और प्लस टू सेक्शन के लिए यह कार्यक्रम 29 नवम्बर 2025 को सम्पन्न हुआ। सभी विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह और खेलभावना के साथ भाग लिया। कार्यक्रम की शुरूआत प्रधानाचार्य फादर अरुण मिंज , एस.जे. द्वारा ध्वज दिखाकर किया गया। उन्होंने विद्यार्थियों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन देने के लिए प्रेरित किया। शिक्षकों और स्वयंसेवकों के सहयोग से पूरा आयोजन बेहद सुचारू और सफल रहा। अंतिम परिणामों में प्राइमरी स्कूल के मुकाबले में जेवियर हाउस ओवरऑल विजेता बना। लोयोला हाउस ने प्रथम रनर-अप, ब्रिटो हाउस ने द्वितीय रनर-अप और गोंजागा हाउस ने चौथा स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार हाई स्कूल और प्लस टू सेक्शन की प्रतियोगिता में लोयोला हाउस ने पहला स्थान हासिल किया, गोंजागा हाउस प्रथम रनर-अप बना, ब्रिटो हाउस ने तीसरा स्थान प्राप्त किया और जेवियर हाउस चौथे स्थान पर रहा। सभी विद्यार्थियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया और शिक्षकों के निरंतर मार्गदर्शन से यह आयोजन पूर्णतः सफल और यादगार बन गया।

सिंगल यूज प्लास्टिक पर बडी कार्रवाई, 60 किलो प्लास्टिक जब्त, 22 दुकानदारों से 10,000 जुर्माना वसूला

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

झुमरीतिलैया : झुमरीतिलैया नगर परिषद के द्वारा नगर प्रशासक अंकित गुप्ता के निर्देश पर नगर प्रबंधक रंधीर कुमार वर्मा के नेतृत्व में नगर परिषद की इंफोर्समेंट टीम ने शुक्रवार को स्टेशन रोड, खुदरा पट्टी गली ,सब्जी मंडी गली ओर पूर्णिमा टॉकीज के समीप सिंगल यूज प्रतिबंधित प्लास्टिक के खिलाफ विशेष जांच अभियान चलाया। अभियान के दौरान कई दुकानों में छापेमारी की गई, जिसमें 60 किलो प्रतिबंधित प्लास्टिक एवं प्लास्टिक सामग्री जब्त की गई। वहीं नियम का उल्लंघन करने वाले 22 दुकानदारों से कुल 10,000 जुर्माना वसूला गया। नगर प्रबंधक रंधीर कुमार वर्मा ने बताया कि भारत सरकार ने 1 जुलाई 2022 से देशभर में सिंगल यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध लागू किया है। इसी क्रम में झारखंड में भी प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन संशोधन अधिनियम के तहत उल्लंघन पर जुमार्ना और जब्ती का प्रावधान है। खरीदारी के लिए 120 माइक्रोन या उससे अधिक मोटाई वाले प्लास्टिक बैग अथवा बायोडिग्रेडेबल बैग का ही उपयोग किया जाना है। यदि कोई होलसेलर 120 माइक्रोन से कम प्लास्टिक का स्टॉक करता है या बेचता है तो उस पर कठोर कार्रवाई की जाएगी और उसके प्लास्टिक का पूरा स्टॉक जब्त कर लिया जाएगा।उन्होंने यह भी कहा कि प्रतिबंधित प्लास्टिक में फल-सब्जी या अन्य सामान लेकर घर जाते पाए जाने पर आम नागरिकों पर भी कार्रवाई का प्रावधान है, जिसके तहत ?500 तक का जुमार्ना लगाया जा सकता है। वही नगर प्रशासक ने शहरवासियों और ग्राहकों को सिंगल यूज प्लास्टिक के जगह कपड़े के थैले, कागज, पत्तल-दोना, मिट्टी के बर्तन जैसी रीसायकल और पर्यावरण अनुकूल सामग्री के उपयोग की अपील की है। अभियान में राजस्व निरीक्षक अजित कुमार मेहता, पर्यवेक्षक बलराम कुशवाहा, दुलारचंद यादव, मुकेश राणा, रितिका प्रिन्टेक के प्रमुख सुदर्शन श्रीवास्तव, तथा गृह रक्षक बल के जवान शामिल थे।

संक्षिप्त खबरें

बढ़ती शीतलहर के बीच योगाचार्य सुषमा सुमन ने की अलाव और काढ़े की व्यवस्था की मांग

झुमरी तिलैया : जिले में जारी कड़ाके की शीतलहर और बढ़ती ठंड को देखते हुए, स्थानीय योगाचार्य प्रदीप सुमन ने नगर परिषद और जिला प्रशासन से तत्काल राहत उपायों की माँग की है।?योगाचार्या सुषमा सुमन ने प्रशासन से अनुरोध किया है कि शहर से लेकर पूरे जिले के चौक-चौराहों, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, सार्वजनिक स्थलों और झंडा चौक पर अलाव की जाए ताकि लोगों को ठंड से राहत मिल सके।?इसके अतिरिक्त, उन्होंने आयुर्वेद मंदिर हॉस्पिटल में काढ़ा की व्यवस्था करने की भी अपील की है। योगाचार्या सुमन का कहना है कि : काढ़ा पीना सर्दी, खांसी, बुखार और ठंड में होने वाली अन्य बीमारियों से बचाव और स्वस्थ रहने के लिए बहुत जरूरी है। वहीं, योग गुरु प्रदीप कुमार सुमन ने जिला प्रशासन और नगर पालिका से गरीब और अनाथ परिवारों के लिए मानवीय कदम उठाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि :इस सर्दी के मौसम और कड़ाके की ठंड में गरीब परिवार के बीच। अनाथ परिवार के बीच। गरम कपड़ों का वितरण भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए। योगाचार्य प्रदीप सुमन ने उम्मीद जताई है कि प्रशासन जल्द ही इन जनहितैषी माँगों पर ध्यान देगा और जिले के नागरिकों को ठंड से राहत दिलाने के लिए आवश्यक कदम उठाएगा।

चाणक्य इंटरनेशनल आवासीय विद्यालय में बच्चों ने की प्रत्यक्ष मतदान

कोडरमा : चाणक्य इंटरनेशनल आवासीय विद्यालय में बच्चों को समक्ष वोटिंग की के तहत स्कूल कैप्टन कल्चरल प्रोग्राम कैप्टन डिसिप्लिन इंचार्ज कैप्टन एवं स्पोर्ट्स कैप्टन का चुनाव हुआ और स्पोर्ट्स कैप्टन में रोशनी कुमारी यादव कल्चरल प्रोग्राम में पीयूष कुमार पासवान डिसिप्लिन इंचार्ज कैप्टन में आशीष कुमार दास और असेंबली कैप्टन में नेहा कुमारी बनी मौके पर मौजूद बतौर मुख्य अतिथि मंटू तिवारी जिला परिषद मरकच्चो से चलकर आए प्रवेक्षक के रूप में चुनाव सम्पन्न कराया बतौर मुख्य अतिथि ने कहा कि अनुशासन जिंदगी का सबसे बड़ा सार है आज चाणक्य इंटरनेशनल आवासीय विद्यालय में बच्चों को बीच वोटिंग करवाकर शिक्षा को और मजबूती देने पर जोर देने का परिचय दिया है मौके पर विशिष्ट अतिथि कोडरमा डोमचांच से चलकर समाज से भी सहदेव कुमार यादव बच्चों के बीच पर्यवेक्षक के रूप में वोट कराया और सभी बच्चों को सम्मानित किया और सभी बच्चों ने शपथ लेते हुए कहा की जो भी विद्यालय मैनेजमेंट की ओर से जो जिम्मेवारियां दी गई है मैं उनका बखूबी निभाने का पूरी प्रयास करूंगा साथ में समाजसेवी सहदेव कुमार यादव जी ने कहा कि मैं विभिन्न विद्यालयों में गया लेकिन इस प्रकार से वोटिंग करवा के बच्चों को जिम्मेदारियां देना ही एक अलग पहचान और इतना ही नहीं कर इतना ही मैं कर सकता हूं चाहता तो डायरेक्टर मुन्ना कुमार किन्हीं भी बच्चे को जिम्मेदारियां सौंप सकती लेकिन बच्चों को भी वोटिंग के तहत बच्चों को सर का ताज दिया इससे साफ पता चलता है कि इस विद्यालय के बच्चों के साथ-साथ विद्यालय का भविष्य बहुत आगे तक है और यहां बच्चे काफी ऊजार्वान और इनका भविष्य यहां दिखता है।

बीएसएल से सेवानिवृत्त कर्मियों को दी गई विदाई

बोकारो : स्टील प्लांट से नवम्बर '2025 में सेवानिवृत्त होने वाले कर्मियों के लिए मानव संसाधन के ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग के मेन ऑडिटोरियम में एक विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में अधिशासी निदेशक सी आर मिश्रा तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में मुख्य महाप्रबंधक राजेश कुमार उपस्थित रहे। समारोह के आरम्भ में मुख्य महाप्रबन्धक अंजनी कुमार शरण ने मुख्य अतिथि तथा आगंतुकों का स्वागत किया। वरीय प्रबंधक सुश्री कल्पना ने सेवानिवृत्त होने वाले कर्मियों को अंतिम निपटान एवं मैत्री भवन से संबंधित आवश्यक जानकारियां प्रदान कीं तथा प्रत्येक कर्मी का संक्षिप्त परिचय प्रस्तुत किया। मुख्य अतिथि सी आर मिश्रा ने सभी सेवानिवृत्त कर्मियों को उनकी निष्ठा, समर्पण एवं उत्कृष्ट सेवाओं के लिए बधाई दी तथा उनके सुखद एवं समृद्ध भविष्य की मंगलकामनाएँ व्यक्त कीं। उन्होंने सेवानिवृत हो रहे कर्मियों को सेवा प्रमाण पत्र एवं उपहार भी भेंट किए। नवम्बर 2025 में बोकारो स्टील प्लांट से कुल 06 अधिशासी एवं 31 अनाधिशासी कर्मी सेवानिवृत्त हो रहे हैं। कार्यक्रम का संचालन तथा धन्यवाद ज्ञापन वरीय प्रबंधक सुश्री कल्पना के द्वारा किया गया।

बोकारो में अवैध कोयला खदान एवं खनिज जब्त, आरोपी खिलाफ मामला दर्ज

बोकारो : उपायुक्त बोकारो के निदेर्शानुसार शनिवार को महुआटांड़ थाना क्षेत्र के दुधमटिया के समीप एक बड़े छापामारी अभियान का आयोजन किया गया। इस दौरान वहां पर अवैध रूप से खोली गई एक खुली कोयला खदान का पता लगा, साथ ही जंगल में लगभग 130 टन अवैध कोयला खनिज भंडारित पाया गया।खदान निरीक्षक सीताराम टुडू और अजय कुमार महतो के नेतृत्व में चलाए गए इस अभियान में महुआटांड़ थाने के प्रवीण महतो, वनरक्षी नितय कुमार महतो, क्षेत्रीय सुरक्षा पदाधिकारी आशीष झा के साथ सीसीएल रजरप्पा क्षेत्र का पुलिस बल भी सक्रिय रहा।जमीन पर उपलब्ध अवैध कोयला और खदान को विधिवत जब्त कर लिया गया है। इस गंभीर उल्लंघन के संबंध में महुआटांड़ थाना में संबंधित पक्ष के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। पुलिस और प्रशासन की इस संयुक्त कार्रवाई से क्षेत्र में अवैध खनन पर अंकुश लगाने की उम्मीद जताई जा रही है।इस अभियान से यह स्पष्ट होता है कि स्थानीय प्रशासन अवैध कोयला खनन और खनिज संरक्षण को लेकर गंभीर है और कड़ी निगरानी के साथ कार्रवाई कर रहा है।

एक नजर

झारखंड राज्य आजीविका कर्मचारी संघ की अनिश्चितकालीन हड़ताल का नौवा दिन

कोडरमा : शनिवार को झारखंड राज्य आजीविका कर्मचारी संघ, जिला इकाई कोडरमा, द्वारा अपनी 5 सूत्रीय लंबित मांगों को लेकर शुरू की गई अनिश्चितकालीन हड़ताल शनिवार को नौवें दिन में प्रवेश कर गई है। लगातार नौ दिनों से छ5 से छ8 तक के समस्त आजीविका कर्मी पूरे जोश, दृढ़ता और एकता के साथ समाहरणालय प्रांगण समीप चबूतरे में डटे हुए हैं, जिससे जिले में पलाश, खरछ्ढर और सभी आजीविका एवं विकास गतिविधियाँ पूरी तरह से ठप हैं। कर्मचारियों ने उच्च प्रबंधन और संबंधित पदाधिकारियों पर गंभीर उपेक्षा और संवेदनहीनता का आरोप लगाया है, क्योंकि नौ दिन बीत जाने के बाद भी उनकी जायज मांगों पर कोई ठोस संज्ञान नहीं लिया गया है। जमीनी स्तर के विकास कार्यों पर पड़ रहे व्यापक और गंभीर असर के बावजूद, प्रबंधन की यह निष्क्रियता आम जनता के हित की अनदेखी कर रही है। आंदोलनकारी कर्मचारियों ने एक बार फिर दोहराया है कि जब तक उनकी पाँचों माँगें पूरी नहीं हो जातीं, तब तक यह आंदोलन किसी भी कीमत पर वापस नहीं लिया जाएगा। प्रबंधन की उदासीनता से कर्मचारियों में रोष लगातार बढ़ रहा है, और उन्होंने चेताया है कि यदि समाधान नहीं हुआ, तो आंदोलन और अधिक उग्र रूप ले सकता है, जिसकी पूरी ज़िम्मेदारी उच्च प्रबंधन और सरकार की होगी।

सड़क चौड़ीकरण पर राजनीति तेज, विस्थापितों की बढ़ी मुश्किलें

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम : सीतारामडेरा थाना क्षेत्र के छाया नगर और भुइयांडीह को श्मशान घाट से मानगो तक जोड़ने वाले रास्ते को अतिक्रमण मुक्त कराने की कार्रवाई ने नया राजनीतिक मोड़ ले लिया है। सड़क चौड़ीकरण के लिए जिला प्रशासन और टाटा स्टील की संयुक्त टीम लगातार अभियान चला रही है। इस दौरान करीब 60 कच्चे-पक्के घर और दुकानों को ढहा दिया गया है, जिससे अनेक परिवार जहां-तहां सड़क किनारे शरण लेने को मजबूर हो गए हैं। कड़ाके की ठंड में बेघर हुए लोग अपनी आपबीती लेकर अब सड़कों पर उतर आए हैं। विस्थापन के दर्द के बीच शुक्रवार देर रात लोगों ने प्रशासनिक कार्रवाई के विरोध में मसाल जुलूस निकाला। इस प्रदर्शन में बड़ी संख्या में प्रभावित लोग शामिल हुए। ठेकेदार शिवशंकर सिंह और पूर्व मंत्री दुलाल भुइयां लोगों के समर्थन में मौजूद रहे। शिवशंकर सिंह ने बेघर हुए परिवारों के बीच कंबल और राहत सामग्री वितरित की। वहीं दुलाल भुइयां ने प्रशासनिक कदम को अमानवीय बताते हुए आंदोलन को जारी रखने की बात कही। उधर, क्षेत्र की विधायिका पूर्णिमा साहू ने अपनी भूमिका को लेकर उठ रहे सवालों पर सफाई दी है। उन्होंने कहा कि सड़क निर्माण प्रक्रिया दो वर्ष से जारी है और सोशल मीडिया में उनके नाम पर गलत दावे किए जा रहे हैं कि उन्होंने घर तोड़वाने में भूमिका निभाई है। विधायक ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी से मुलाकात कर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई पर अस्थायी रोक लगाने और प्रभावित लोगों के पुनर्वास की मांग रखी है। राजनीतिक दलों की ओर से भी आवाजें उठने लगी हैं कि जब तक विस्थापितों के पुनर्वास की ठोस व्यवस्था नहीं होती, तब तक तोड़फोड़ बंद की जानी चाहिए। वहीं राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा भी तेज है कि भुइयांडीह क्षेत्र को अवैध रूप से बसाने में कभी पूर्व मंत्री दुलाल भुइयां की अहम भूमिका रही थी और अब राजनीतिक जमीन कमजोर पड़ने के बाद वे इस मुद्दे के सहारे खुद को पुनः स्थापित करने की कोशिश में जुट गए हैं। सड़क चौड़ीकरण की जरूरत और मानवीय संवेदनाओं के बीच इस पूरे प्रकरण ने प्रशासन को कठघरे में खड़ा कर दिया है। एक ओर शहर विकास की मजबूरी है, तो दूसरी ओर सर्द रातों में खुले आसमान के नीचे डेरा डाले परिवार–समस्या और राजनीति की यह जंग फिलहाल थमने का नाम नहीं ले रही।

संत माईकल 10+2 स्कूल, मुरी में साइंस आर्ट एवं क्राफ्ट प्रदर्शनी का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिल्ली : मुरी 29 नवंबर शनिवार को संत माईकल 10+2 स्कूल, मुरी में साइंस, आर्ट एवं क्राफ्ट प्रदर्शनी का भव्य आयोजन किया गया। इस प्रदर्शनी में कक्षा नर्सरी से लेकर कक्षा बारहवीं तक के बच्चों ने बड़ी उत्साह के साथ भाग लिया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में यूनियन बैंक मुरी के शाखा प्रबंधक विपुल कुमार को आमंत्रित किए गए थे। इस विज्ञान प्रदर्शनी के कार्यक्रम में छात्र छात्राओं ने एआई मॉडल, रेन वाटर हार्वेस्टिंग, तंत्रिका तंत्र, पादप कोशिका, जंतु कोशिका , नर्भस सिस्टम, हैंगिंग ब्रिज, हाइड्रो इलेक्ट्रिसिटी, मानव मस्तिष्क, स्मार्ट सिटी, ब्रमोस्त्र मिसाईल, तेजस विमान आदि प्रदर्शित करते हुए अपनी प्रतिभा को साबित किया। बच्चों ने अपनी हस्तकला एवं चित्रकला का भी भव्य प्रदर्शन किया। हस्तकला में बच्चे बेकार पड़ी हुई वस्तुओं का प्रयोग कर खुबसुरत चीजों का निर्माण किया जैसे गुलदस्ता, गुड़िया, नाव, बंदुक आदि। इस प्रदर्शनी में छात्र, छात्राओं के हुनर को देखकर अतिथियों एवं अभिभावकों ने खुब सहराना किया। इस मौके पर स्कुल के निर्देशक राकेश कुमार ने बताया कि इस तरह के प्रदर्शनी के माध्यम से बच्चों के अंदर नई सोच विकसित होती है। उनके अंदर छुपी प्रतिभा निखर कर सामने आती है और विज्ञान के प्रति रुचि बढ़ता है। विद्यालय के प्राचार्य श्री सी. एल. प्रजापति ने बताया कि इस तरह के प्रदर्शनी से बच्चों में वैज्ञानिक सोच तथा उन्नत किस्म की हस्तकला की प्रतिभा को दशार्ने का अवसर मिलता है। इस मौके पर विद्यालय प्रबंधक डॉ. रूपेश कुमार ने बताया कि विज्ञान प्रदर्शनी से बच्चों में शैक्षणिक विकास के साथ साथ बौद्धिक विकास भी होता है।

मुरी हिंडालको इंडस्ट्रीज द्वारा किसान समिति को लिफ्ट सिंचाई परियोजना की सौगात

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

मूरी : सिल्ली, झारखंड हिंडालको इंडस्ट्रीज लिमिटेड, मूरी के सीएसआर विभाग द्वारा सिल्ली प्रखंड के मोदीडीह, कांटाडीह, कलुवाडीह किसान समिति के लिए लिफ्ट इरिगेशन परियोजना का शुभारंभ किया गया। इस महत्वपूर्ण परियोजना का उद्घाटन झारखंड सरकार के कृषि पशुपालन एवं सहकारिता सचिव अबुबकर सिद्दीकी पी. के द्वारा किया गया। अपने संबोधन में सचिव सिद्दीकी ने कहा कि यह परियोजना किसानों के लिए वरदान सिद्ध होगी। इससे फसल उत्पादन में वृद्धि होगी और किसानों की आय दोगुनी करने के लक्ष्य को मजबूती मिलेगी। कार्यक्रम में हिंडालको मूरी प्लांट के यूनिट हेड संदीप पाटिल ने कहा कि हिंडालको का सीएसआर विभाग निरंतर समाज के विकास के लिए ठोस कदम उठा रहा है और यही सच्चे अर्थों में विकास को गति देता है। ठंड के मद्देनजर सीएसआर विभाग द्वारा बुजुर्गों के बीच कंबल वितरण भी किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्लांट के सीएसआर हेड अनिल सिंह ने किया। इस अवसर पर हिंडालको संस्थान के कॉर्पोरेट अफेयर्स के प्रेसिडेंट संजय श्रीवास्तव, मूरी प्लांट के प्रोडक्शन हेड प्रशांत बोस, इंजीनियरिंग हेड गौरी शंकर, एचआर हेड कुमार अभिषेक, तथा प्लांट के अधिकारी अरुण कुमार, श्याम कुमार, जयप्रकाश, प्रदीप, रंदीप, सुजीत, सुनील, आनंद, सहित कई अन्य अधिकारी उपस्थित थे। इसके अतिरिक्त पंचायत के मुखिया लालूराम ओरांव, सिंहपुर नार्शिग होम के निदेशक डॉ. रामनेश, सिल्ली स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

हटिया-हावड़ा ट्रेन की चपेट में आने से ट्रैक मैन की मौत

मुरी/सिल्ली : हटिया–हावड़ा एक्सप्रेस की चपेट में आने से ट्रैकमैन विपद तरण महतो की दर्दनाक मौत हो गई। घटना शुक्रवार देर रात ईलू रेलवे स्टेशन के पास ड्यूटी के दौरान हुई। ट्रैकमैन विपदतरण महतो ईलू स्टेशन पर ट्रैकमैन के पद पर कार्यरत थे। दुर्घटना के बाद उनके सहकर्मियों ने उन्हें गंभीर अवस्था में सुबह करीब 5:30 बजे मुरी रेलवे स्टेशन लाया,जहां उनके सिर और पैर में गंभीर चोटें पाई गईं। स्टेशन पर पहले से मौजूद एंबुलेंस और चिकित्सकों की टीम ने जांच के बाद विपद तरण महतो को मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही सहकर्मी कार्तिक महतो ने फोन के माध्यम से उनके परिजनों को सूचना दी। मृतक विपद तरण महतो,उम्र 37वर्ष,पिता चितरंजन महतो, ग्रामझपोस्ट जरगो,थाना झालदा,जिला पुरुलिया के निवासी थे। सूचना मिलते ही परिजन मुरी रेलवे स्टेशन पहुंचे। घटना की जानकारी होते ही राजकीय रेल थाना की टीम मौके पर पहुंची और आवश्यक कागजी कार्रवाई पूरी की। रेलवे कर्मियों और स्थानीय लोगों में इस घटना से शोक व्याप्त है।

कैमरून में फंसे झारखंड के 5 मजदूरों की सोमवार को वतन वापसी, बकाया वेतन भी मिला

सरिया : दक्षिण अफ्रीका के पड़ोसी देश कैमरून में पिछले कई महीनों से फंसे झारखंड के पांच प्रवासी मजदूरों की घर वापसी का रास्ता आखिरकार साफ हो गया है। सभी मजदूर सोमवार को स्वदेश लौट आएंगे। सबसे बड़ी राहत की बात यह है कि कंपनी ने उनका तीन–चार महीने से बकाया पूरा वेतन भी चुका दिया है। हजारीबाग और गिरिडीह जिले के इन मजदूरों का एक वीडियो पिछले दिनों सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था, जिसमें वे रोते–बिलखते अपनी व्यथा सुना रहे थे। वीडियो वायरल होने के बाद झारखंड प्रवासी श्रमिक नियंत्रण कक्ष ने तुरंत संज्ञान लिया और रांची स्थित भारतीय दूतावास से संपर्क साधा। दूतावास के हस्तक्षेप के बाद कंपनी पर दबाव बना और मजदूरों से बातचीत हुई। इसके फलस्वरूप बकाया वेतन का भुगतान हुआ और वतन वापसी का इंतजाम पूरा हो गया। फंसे हुए मजदूरों के नाम इस प्रकार हैं–सुनील महतो, सुकर महतो,चंद्रशेखर कुमार,डीलों महतो,दिलचंद महतो, मजदूरों ने सबसे पहले अपना दर्द समाजसेवी सिकंदर अली को वीडियो भेजकर सुनाया था। सिकंदर अली ने यह वीडियो मीडिया के साथ साझा किया और केंद्र व राज्य सरकार से ठोस कूटनीतिक हस्तक्षेप की गुहार लगाई थी। झारखंड सरकार और केंद्र सरकार की सक्रियता से सभी मजदूरों की जल्द वापसी संभव हो सकी। मजदूरों के परिजनों ने झारखंड सरकार, समाजसेवी सिकंदर अली और मीडिया कर्मियों के प्रति आभार व्यक्त किया है। परिजनों का कहना है कि जैसे ही विदेश में फंसे होने की खबर मिली, पूरी रात नींद नहीं आई थी। अब बच्चों–सपनों की वापसी हो रही है, यह सबसे बड़ी खुशी की बात है। प्रवासी मजदूरों के हित में लगातार काम करने वाले सिकंदर अली ने कहा, ह्लरोजी–रोटी की मजबूरी में लोग परदेश और विदेश जाते हैं। वहां कई बार धोखा हो जाता है, दर्दनाक घटनाएं घटती हैं। न चाहते हुए भी मजबूरी में घर छोड़ना पड़ता है। सरकार को चाहिए कि विदेश जाने वाले मजदूरों के लिए सख्त नियम बनाए जाएं, एजेंटों पर नकेल कसी जाए और ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। सोमवार को ये पांचों मजदूर जब झारखंड की धरती पर कदम रखेंगे, तो उनके गांव में खुशी की लहर दौड़ेगी। यह घटना एक बार फिर प्रवासी मजदूरों की सुरक्षा और सम्मान की लड़ाई को नए सिरे से रेखांकित करती है।

विस्थापितों की दयनीय स्थिति पर तत्काल कार्रवाई की मांग

ईचागढ़ : विस्थापित अधिकार मंच के अध्यक्ष राकेश रंजन महतो आज चांडिल डैम से प्रभावित इचागढ़ प्रखंड के कालीचामदा एवं बाबूचामदा गांवों के ग्राउंड सर्वे पर पहुंचे। उन्होंने कहा कि सर्वेक्षण के दौरान किसानों और गांववासियों की स्थिति अत्यंत पीड़ादायक है। गांव की बहन–बेटियां कमरभर पानी में घंटों तक खड़ी होकर अपने धान की फसल काटने को विवश हैं। कटे हुए धान सिर पर ढोकर लाने को मजबूर है। 4–5 दिनों से कमरभर पानी में 5–6 घंटे रहने के कारण कई महिलाओं और किसानों का तबियत खराब हो गया है। स्थिति और भी चिंताजनक तब हो गई जब कनीय अभियंताओं द्वारा दिखावे के लिए 4 फाटक खोले गए, किंतु रात होते ही 2 फाटक बंद कर दिए गए। यह विस्थापितों के साथ एक क्रूर मजाक है और उनकी पीड़ा को बढ़ाने वाला अमानवीय कृत्य है। उन्होंने चेतावनी देते कहा कि अगर शीघ्रातिशीघ्र सभी आवश्यक फाटक पूरी क्षमता से नहीं खोले जाते और जलस्तर नियंत्रित नहीं किया जाता, तो मंच उग्र आंदोलन करने को बाध्य होगा।

शिक्षा को नई दिशा : उत्क्रमित उच्च विद्यालय गोबरघुसी में चार अतिरिक्त कक्षों का शिलान्यास

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पटमदा : पटमदा प्रखंड के उत्क्रमित उच्च विद्यालय गोबरघुसी मे झारखंड शिक्षा परियोजना मद से चार अतिरिक्त वर्ग कक्ष का शिलान्यास शनिवार को किया गया। बता दे कि गोबरघूसी उच्च विद्यालय के अधिकांश भवन जर्जर हो चुके थे। वही उत्क्रमित उच्च विद्यालय होने के बाद काफी लंबे समय तक अतिरिक्त भवन उपलब्ध नहीं हुआ था। अखबार में हुए खबर के बाद नया भवन बनाने की स्वीकृति मिली। जिसके बाद विद्यालय परिवार ने खुशी जाहिर की।मौके पर विधायक प्रतिनिधि सुभाष कर्मकार, सांसद प्रतिनिधि महावीर महतो,भाजपा मंडल अध्यक्ष बासुदेव मंडल, जिला परिषद प्रदीप बेसरा, गोबरघुसी पंचायत मुखिया प्रतिनिधि खगेन्द्र सिंह, उप-मुखिया कल्पना पाल,ग्राम प्रधान बेलु सिंह, एस एम सी अध्यक्ष सनारतन सिंह,प्रभारी प्रधानाध्यापक उपेन्द्र बेसरा, सहायक शिक्षिका अंजू दत्ता, स्वेता, सहायक शिक्षक चन्द्र शेखर आचार्य, सुधांशू महतो, अम्ब्रेश कुमार, मो०जियाउल हसन मंसुरी, असीम कुमार पाल साथ ही साथ काफी संख्या में छात्र-छात्राएं एवं ग्रामीण उपस्थित थे ।

अरुणाचल प्रदेश ईटानगर में 42वीं तीरंदाजी सब जूनियर प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिल्ली : 22 से 30 नवंबर अरुणाचल प्रदेश ईटानगर में 42 वीं तीरंदाजी सब जूनियर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें झारखंड के तीरंदाजों ने जबरदस्त परफॉर्मेंस करते हुए बालिका एवं बालक टीम ने इंडियन राउंड टीम में स्वर्ण पदक में कब्जा कर दो स्वर्ण पदक अपने नाम किए बालक टीम ने आंध्र प्रदेश की टीम को हराकर स्वर्ण पदक जीते और बालिका टीम ने छत्तीसगढ़ को हराकर स्वर्ण पदक जीती बालिका टीम के सदस्य बेबी कुमारी, लक्ष्मी कुमारी राधिका लागुरी एवं सुनीता टुंडी एवं बालक टीम के सदस्य कुलदीप, चंद्रमोहन सोरेन, राजेश पूर्ति, योगेन्द्र हिस्सा लिया। झारखंड राज्य की ओर से खेलते हुए जोन्हा की लक्ष्मी कुमारी ने दोहरा गोल्ड जीता वही बेबी कुमारी ने एक गोल्ड जीतकर राज्य और जॉन्हा सिल्ली का नाम रोशन किया। पदक विजेता खिलाड़ियों को मुख्य संरक्षक सुदेश कुमार महतो अध्यक्ष नेहा महतो, कोच शिशिर महतो ,सचिव चंचल भट्टाचार्य ने कोच रोहित और सभी विजेता खिलाड़ियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी है ।

नाबालिग से दुष्कर्म करने के आरोपी को 20 साल सश्रम कारावास की सजा

कोडरमा : बहला फुसलाकर नाबालिग लड़की से दुष्कर्म किए जाने के एक एक मामले की सुनवाई करते हुए, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रथम गुलाम हैदर की अदालत ने शनिवार को चुनचुन पांडे देवरिया चतरा निवासी, को 6 पोक्सो एक्ट के तहत दोषी पाते हुए 20 साल सश्रम कारावास की सजा सुनाई। साथ ही 10,000 जुर्माना लगाया। जुमार्ना की राशि नहीं देने पर 6 माह अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। वहीं अदालत ने अंडर सेक्शन 363 आईपीसी के तहत दोषी पाते हुए 5 वर्ष सश्रम कारावास और 2000 जुर्माना एवं 366 आईपीसी के तहत दोस्ती बातें हुए 7 वर्ष सश्रम कारावास एवं 3000 जुमार्ना लगाया। सभी सजाए साथ-साथ चलेंगी। मामला वर्ष 2024 का है । इसे लेकर कोडरमा एससी/एसटी थाना कोडरमा में 12/2024 दर्ज कराया गया था। अभियोजन का संचालक लोक अभियोजक प्रवीण कुमार सिंह ने किया। इस दौरान सभी गवाहों का परीक्षण कराया गया।

आरपीएफ-जीआरपी की संयुक्त कार्रवाई में टाटानगर स्टेशन से गांजा तस्कर गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम : टाटानगर रेलवे स्टेशन से रेलवे सुरक्षा बल उड़नदस्ता दल, चक्रधरपुर मंडल तथा जीआरपी की संयुक्त टीम ने अवैध गांजा तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक तस्कर को 17 किलो गांजा के साथ गिरफ्तार किया। इस कार्रवाई का नेतृत्व रेल जमशेदपुर के पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय) ने किया। बरामद गांजा की बाजार कीमत लगभग 8.5 लाख रुपये आंकी गई है। गिरफ्तार आरोपित की पहचान पलामू जिले के हरिहरगंज निवासी उदय कुमार उर्फ मंटू के रूप में हुई। पुलिस की जांच में सामने आया कि आरोपित ओडिशा के संबलपुर मंडल अंतर्गत जरपाड़ा स्टेशन से गांजा लेकर टाटानगर स्टेशन पहुंचा था। यहां से वह बस के माध्यम से डाल्टनगंज होते हुए माल को सप्लाई करने की योजना बना रहा था। शनिवार को टाटा नगर जीआरपी थाना प्रभारी अरुणा मिश्रा ने बताया कि आरोपित की गतिविधियों की पहले से गुप्त सूचना मिली थी। जैसे ही वह ट्रेन से उतरकर सीढ़ियों के जरिए टिकट काउंटर की ओर बढ़ा, संयुक्त टीम ने शुक्रवार रात को घेराबंदी कर उसे रंगे हाथों पकड़ लिया। उसके बैग की तलाशी लेने पर 17 किलो अवैध गांजा बरामद किया गया। पूछताछ में आरोपित ने स्वीकार किया है कि वह लंबे समय से इस अवैध कारोबार में शामिल है। पुलिस अब उसके मोबाइल कॉल डिटेल और नेटवर्क की जानकारी खंगाल रही है, ताकि नशा तस्करी में शामिल अन्य लोगों तक पहुंचा जा सके। मिश्रा ने बताया कि स्टेशन पर बढ़ती तस्करी गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए निगरानी और कड़ी की जा रही है।

कार्यालय, पशु स्वास्थ्य एवं उत्पादन संस्थान, काँके, राँची–834006
(OFFICE OF THE INSTITUTE OF ANIMAL HEALTH & PRODUCTION KANKE, RANCHI – 834006)
Email id – iahp.kankeranchi@yahoo.com

"इच्छा की अभिव्यक्ति"

झारखण्ड राज्य के सभी जिलों में पशुधन रोगों को नियंत्रित करने की योजना वित्तीय वर्ष 2025–26 के अन्तर्गत योग्य एवं अनुभवी गैर सरकारी संगठनों (NGOs) से निम्नलिखित कार्यों के लिए "इच्छा की अभिव्यक्ति" आमंत्रिण किया जाता है।
1. स्ट्रीट डॉग में एंटी–रेबीज टीकाकरण।
2. कुक्कुटों में रानीखेत टीकारकण।
- टीकौशधियाँ संस्थान द्वारा चयनित गैर सरकारी संगठनों को निःशुल्क उपलब्ध कराई जाएगी।
- चयनित गैर सरकारी संगठनों को टीकाकरण कार्य हेतु सहायता अनुदान संबंधित जिला पशुपालन पदाधिकारी द्वारा प्रदान किया जाएगा।

कार्यक्षेत्रःझारखण्ड राज्य के सभी जिले।
"इच्छा की अभिव्यक्ति" को निम्न पते पर भेजेंः–
निदेशक,पशु स्वास्थ्य एवं उत्पादन संस्थान,काँके, राँची।पिन कोड – 834006
"इच्छा की अभिव्यक्ति" प्राप्त करने की अन्तिम तिथिः– 15.12.2025 (अपराह्न 3:00 बजे तक)
"इच्छा की अभिव्यक्ति" खोलने की तिथि :– 16.12.2025 (अपराह्न 2:00 बजे)
प्री–बिड बैठक की तिथि :– 08.12.2025 (अपराह्न 1:00 बजे)
वैधता अवधि :– उक्त कार्य हेतु संस्थान का चयन वित्तीय वर्श 2025–26 के लिए मान्य होगा।
पात्रता मापदण्ड एवं कार्य का प्रारूप की विस्तृत जानकारी संस्थान के सूचना पट्ट पर देखी जा सकती है अथवा संस्थान के E-mail – iahpkankeranchi@gmail.com /iahp.kankeranchi@yahoo.com पर अनुरोध भेज कर मंगाई जा सकती है। कोई असुविधा होने पर मोबाईल नं० 6200461014 पर सम्पर्क किया जा सकता है।

निदेशक,
पशु स्वास्थ्य एवं उत्पादन संस्थान,
काँके, राँची

PR 367384 (Animal Husbandry)25-26*D

सोशल मीडिया और शब्द अनुशासन की जरूरत

सोशल मीडिया पुराकथाओं जैसा हीरो बन गया है। यह दोधारी तलवार है। जानकारियों का स्त्रोत है। भौतिक जीवन के प्रपंच सोशल मीडिया के माध्यम से आमजनों तक पहुँचते हैं। उन्हें जरूरी या गैर जरूरी मानना व्यक्तिगत पसंद की बात हो सकती है। कुल मिलाकर सोशल मीडिया अनिवार्य बुराई के रूप में लिया जा रहा है। सोशल मीडिया में मनोरंजन है। ज्ञान है। पुस्तकें हैं। गीत संगीत भी हैं। जीवन को सुखमय बनाने वाले तमाम तत्व सोशल मीडिया का अंग हैं। इसकी लोकप्रियता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि जब सोशल मीडिया नहीं था तब मोबाइल फोन इस्तेमाल करने वालों की संख्या बहुत कम थी। घर में बहुधा एक या दो फोन होते थे, लेकिन अब परिवार के सभी सदस्यों के पास अपना-अपना मोबाइल है। मोबाइल केवल दूरभाष वार्ता का काम नहीं देता। वह चलता-फिरता टीवी है। बहुत सुंदर नोटबुक है। ज्ञात विश्व के सभी अनुशासनों का जीवन तंत्र है। विश्व का समूचा ज्ञान सोशल मीडिया का भाग है। इसका एक बड़ा हिस्सा मनुष्य जीवन को क्षति पहुंचा रहा है। छोटे-छोटे बच्चे मोबाइल से चिपके रहते हैं। इस नुकसान को लेकर अनेक शोध हुए हैं। मैंने निजी जीवन में देखा है कि एक ही परिवार के सात सदस्यों के पास अलग-अलग मोबाइल हैं। किसी के पास दो या तीन मोबाइल भी हैं। मैं ऐसे ही एक मित्र के घर में मेहमान था। मैंने उनको बताया कि चाय में शक्कर नहीं रहेगी। उन्होंने हमारे पास बैठे-बैठे अपनी पत्नी को फोन मिलाया। हमने पूछा चाय कहां बन रही है। उन्होंने कहा पीछे कमरे में। मैंने कहा आप जाकर भी बता सकते थे। उन्होंने कहा फोन है, तो क्यों जाएं? सोशल मीडिया से प्रसारित झूठी सूचनाएं समाज को क्षति पहुंचती हैं। दंगे-फसाद भी हो जाते हैं। सोशल मीडिया से पुलिस और प्रशासन को सुविधा हो रही है। वहीं अपराधी भी इसी के दुरुपयोग से बड़ी घटनाएं करके निकल जाते हैं। सोशल मीडिया में अराजकता है। कोई अपना नंगा चित्र पोस्ट करता है। कोई अश्लील चैट करता है। कोई देवी-देवताओं पर अपनी भड़ास निकालता है। सुप्रीम कोर्ट ने इस अराजकता के विरुद्ध केन्द्र से कहा है कि कोई नियामक संस्था बनाई जाए। सुप्रीम कोर्ट ने सरकार को चार सप्ताह का समय दिया है। इस सूचना से लोगों को राहत मिली है। लेकिन यह आसान नहीं है। भारतीय संस्कृति के पक्षधर तो सोशल मीडिया के नियमन की खबर से खुश हैं, लेकिन वामपंथी ऐसे किसी संस्था या नियामक आयोग जैसी संस्था का विरोध करेंगे। हम ऑस्ट्रेलिया से सीख सकते हैं। ऑस्ट्रेलिया की संसद ने 16 साल से कम उम्र के बच्चों को सोशल मीडिया से दूर रखने वाले कानून पर 1 साल पहले सम्यक विचार किया था। अधिनियम पारित किया था। अगले महीने से कानून प्रभावी होने जा रहा है। भारत में अधिकांश परिवारों के बच्चे पूरी रात मोबाइल से चिपके रहते हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने उचित समय पर अपना निर्देश दिया है। सोशल मीडिया के विनियमितिकरण पर ठोस विचार समय की मांग है। भारतीय संविधान में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता महत्वपूर्ण है। संविधान निमार्ताओं ने आदर्श लोकतंत्र के लिए अभिव्यक्ति की आजादी को मौलिक अधिकार बनाया है, लेकिन यह अधिकार असीम नहीं है। संविधान के अनुच्छेद 19 में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता है, लेकिन इसी अनुच्छेद के खण्ड 2 में इस अधिकार की मयार्दा भी बताई गई है। इसमें कहा गया है कि भारत की संप्रभुता, अखण्डता, सुरक्षा, दुनिया के अन्य देशों के साथ मैत्रीपूर्ण सम्बंध, लोक व्यवस्था, शिष्टाचार या सदाचार के हितों में अथवा न्यायालय अवमान के सम्बंध में विद्यमान किसी भी विधि के प्रवर्तन पर फर्क नहीं पड़ेगा। यह सुविदित है कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का दुरुपयोग हो रहा है। भारत प्राचीन राष्ट्र है। भारत के लोगों के परिश्रम से राष्ट्र का सतत विकास हो रहा है। नरेन्द्र मोदी की सरकार ने साल 2047 तक भारत को आत्मनिर्भर बनाने की घोषणा की है।

नशे का बढ़ता प्रचलन एवं घातक कारोबार - एक गंभीर अलार्म

ललित गर्ग

भारत में नशीले पदार्थों का बढ़ता प्रचलन एवं बढ़ता घातक कारोबार आज एक भयावह राष्ट्रीय संकट बन चुका है। आये दिन विभिन्न राज्यों में नशीले पदार्थों की बड़ी-बड़ी खेप बरामद होना इस संकट की भयावह तस्वीर उकेरता है। यह समस्या किसी एक राज्य या किसी सीमित क्षेत्र की नहीं रही, बल्कि हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, उत्तराखंड, हिमाचल, दिल्ली, महाराष्ट्र सहित पूरे देश में यह अपने विकराल रूप में फैल चुकी है। विशेष रूप से किशोर और युवा पीढ़ी जिस तेजी से नशे की गिरफ्त में जा रही है, वह एक खतरनाक भविष्य की चेतावनी है। नशा आज केवल व्यक्तिगत बीमारी नहीं, बल्कि सामाजिक विनाश की प्रस्तावना बन चुका है। अंधेरी गलियों में भटकते युवा, परिवारों का टूटता संतुलन, अपराधों में वृद्धि और जीवन मूल्यों का क्षरण-ये सब नशे की महामारी के दुष्परिणाम हैं। अब वयस्क ही नहीं, किशोर भी नशे की चपेट में आ रहे हैं। फिर वे अपने नशे के लिए पैसा जुटाने के लिये अपराध की गलियों गुम होते जा रहे है, तरह-तरह के अपराध कर रहे हैं। हाल ही के कुछ गंभीर अपराधों का खुलासा होने पर किशोरों ने स्वीकार किया कि वे नशे हेतु पैसा जुटाने के लिए अपराध करने निकले थे। कमोबेश, ऐसा ही संकट नकली दवाइयों की आपूर्ति का भी है। पिछले दिनों देश के कई राज्यों में घातक कफ सिरप पीने से कई बच्चे अपनी जान गंवा बैठे। इस आसन्न संकट को महसूस करते हुए नकली दवाइयों और मादक पदार्थों पर अंकुश लगाने के लिए सात राज्यों के ड्रग्स कंट्रोलरों, पुलिस और सीआईडी अधिकारियों का एक महत्वपूर्ण सम्मेलन चंडीगढ़ में आयोजित किया गया, जिसका मकसद इन अधिकारियों को एक मंच पर लाकर कार्रवाई को अधिक कारगर बनाना था। यह स्वागत योग्य है कि देश में पहली बार सात राज्यों ने इस संकट को महसूस करते हुए इस दिशा में साझी पहल की। निश्चित ही यह सम्मेलन इस घातक एवं गंभीर होती समस्या के समाधान में रोशनी बनेगा।

नशीले पदार्थों व नकली दवाइयों का कारोबार मात्र एक राज्य की समस्या नहीं है, बल्कि इससे कई राष्ट्रीय मुद्दे भी जुड़े हैं। पंजाब व देश के समुद्री सीमा से जुड़े राज्यों में नशीले पदार्थों की जो बड़ी खेपें बरामद हुई हैं, उसने पूरे देश की चिंता बढ़ाई है। सवाल यह भी उठा है कि यदि नशीले पदार्थों की इतनी बड़ी मात्रा बरामद हुई है तो चोरी-छिपे कितनी बड़ी मात्रा में नशीला पदार्थ देश में पहुंच रहा होगा। पंजाब के सीमावर्ती जिलों में सीमा पार से ड्रोन के जरिये लगातार नशीले पदार्थ व हथियार भेजने के मामले प्रकाश में आए हैं। हाल के वर्षों में सामने आए आंकड़े बताते हैं कि ड्रग व्यापार अब किसी सीमित भौगोलिक दायरे तक सीमित नहीं रहा। पंजाब, जिसकी आबादी देश की कुल आबादी का मात्र ढाई प्रतिशत है, वहां से देश में बरामद होने वाली हेरोइन का लगभग आधा हिस्सा पकड़ा गया है। यह अकेला तथ्य बताने के लिए पर्याप्त है कि नशीले पदार्थों का नेटवर्क कितना गहरा, विस्तृत और संगठित हो चुका है। हरियाणा की सीमावर्ती जिलों में पिछले पाँच वर्षों के दौरान राज्य के कुल ड्रग मामलों का लगभग नब्बे प्रतिशत भाग सामने आया है, जो स्पष्ट संकेत देता है कि तस्करी का रास्ता राज्यों की सीमाओं से गुजर कर पूरे समाज में फैलता जा रहा है। इसी प्रकार राष्ट्रव्यापी सर्वेक्षण बताते हैं कि नशे की आदत अब केवल युवाओं तक सीमित नहीं, बल्कि लाखों बच्चे और किशोर और विशेषतः महिलाएं-युवतियां विभिन्न नशीली वस्तुओं के संपर्क में आ चुकी हैं। यह स्थिति सिर्फ चिंता का विषय नहीं, बल्कि राष्ट्र की अगली पीढ़ी के भविष्य को लेकर गंभीर चेतावनी है। नशे की गिरफ्त में फंसकर बच्चे और युवा मानसिक, शारीरिक, सामाजिक और शैक्षणिक जीवन में बुरी तरह पिछड़ रहे हैं। परिवार टूट रहे हैं, आर्थिक स्थिति बिगड़ रही है, और अपराधों का ग्राफ निरंतर बढ़ता जा रहा है। नशे की वजह से चोरी, लूट, हिंसा, हत्या और यौन अपराध तक बढ़ते जा रहे हैं। समस्या का यह दूसरा पहलू भी उतना ही भयावह है कि नशे का व्यापार अब सामान्य चोरी-छिपे किए जाने वाला धंधा नहीं रहा, बल्कि विशाल और संगठित तस्करी-तंत्र में बदल चुका है। ड्रोन के माध्यम से ड्रग तस्करी, अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क, नकली दवाओं का उत्पादन, कफ सिरप व अन्य औषधियों के दुरुपयोग का व्यापक कारोबार-ये सभी संकेत हैं कि नशा भारत के सामाजिक ढांचे को दीमक की तरह खोखला कर रहा है। ड्रग माफिया, अपराधी गिरोह, भ्रष्ट तंत्र एवं पडोसी देश मिलकर एक ऐसी समानांतर व्यवस्था चला रहे हैं, जो कानून, नैतिकता और मानवीय जीवन के लिए बेहद खतरनाक है। चंडीगढ़ में आयोजित महत्वपूर्ण सम्मेलन में कई ऐसे तथ्य सामने आए जिन्होंने सभी को हिला दिया। यह स्पष्ट रूप से महसूस किया गया कि अब नशे के खिलाफ लड़ाई किसी एक राज्य की जिम्मेदारी नहीं बल्कि पूरे राष्ट्र की प्राथमिकता है। राजस्थान, उत्तराखंड, हिमाचल, दिल्ली, महाराष्ट्र सहित कई राज्यों के वरिष्ठ अधिकारी इस बात पर सहमत दिखे कि यदि अब भी सख्त और संगठित कदम नहीं उठाए गए तो आने वाले वर्षों में हालात और भयावह हो सकते हैं। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं कि नशे का यह संकट भारत की सामाजिक संरचना, युवाशक्ति और राष्ट्रीय प्रगति को गहरी चोट पहुँचा रहा है।

इस अनियंत्रित होते भयावह संकट को रोकने के लिए सरकार, पुलिस, न्याय तंत्र, समाज और परिवार-सबको मिलकर सामूहिक प्रयास करने होंगे। सिर्फ कानून बनाकर और कभी-कभार छापामारी करके इस समस्या का समाधान संभव नहीं। सबसे पहले कानूनों को मजबूत करने और उनके कठोर क्रियान्वयन की आवश्यकता है। ड्रग तस्करी, नकली दवाइयों का निर्माण और अवैध वितरण के खिलाफ ऐसी दंडात्मक व्यवस्था होनी चाहिए कि अपराधी इसके परिणामों से भयभीत हों। मौजूदा समय में कई बार अपराधी मामूली सजा या जमानत पर छूट जाते हैं, जिससे उनका मनोबल बढ़ता है और अवैध कारोबार और तेजी से फैलता है। सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि कानून कठोर हों और उनका पालन बिना किसी समझौते के हो। दूसरा महत्वपूर्ण क्षेत्र है-नशामुक्ति और पुनर्वास। नशे की गिरफ्त में आए लोग सिर्फ अपराधी नहीं, बल्कि पीड़ित भी हैं। परिवार, समाज और सरकार को उन्हें समझना, सहारा देना और पुनर्वास का रास्ता उपलब्ध कराना आवश्यक है। देश में नशामुक्ति केंद्रों की संख्या बढ़ रही है, लेकिन उनकी गुणवत्ता, सुविधाओं, चिकित्सा सहायता, काउंसलिंग और पुनर्वास कार्यक्रमों को और मजबूत करने की जरूरत है। नशे से बाहर आने वाले व्यक्ति को नये जीवन की शुरूआत के लिए सामाजिक सम्मान, परिवार का सहयोग और रोजगार के अवसर मिलना आवश्यक है; वरना वे दोबारा उसी अंधेरी राह में लौट जाते हैं।

यह समय चेतावनी का समय है। यदि आज हमने नशे की इस राष्ट्रीय महामारी को गंभीरता से नहीं लिया, तो आने वाली पीढ़ियाँ हमें माफ नहीं करेंगी। नशा मानवता का शत्रु है। यह युवा शक्ति को अंधेरे में धकेलता है, परिवारों को तोड़ता है, राष्ट्र की प्रगति को रोकता है। इसलिए आज एक ही संकल्प होना चाहिए कि नशे के खिलाफ इस लड़ाई को हम केवल सरकारी प्रयासों पर न छोड़ें, बल्कि इसे अपनी सामूहिक जिम्मेदारी मानें। सरकार से यही अपेक्षा है कि वह नशीली दवाओं और मादक पदार्थों के खिलाफ अधिक कठोर, अधिक पारदर्शी और अधिक प्रभावी नीति बनाए तथा उसका निष्ठापूर्वक पालन सुनिश्चित करे। समाज से यही अपेक्षा है कि वह नशे को शर्म का नहीं, जागरूकता और उपचार का विषय बनाए। और युवाओं से यही निवेदन है कि वे समझें-नशा न शक्ति देता है, न सुख; यह केवल जीवन और भविष्य को छीन लेता है। अब समय आ गया है कि भारत नशे के इस संकट को रोकने के लिए एकजुट होकर निर्णायक कदम उठाए। यही राष्ट्रहित है, यही समाजहित है और यही मानवता के भविष्य की रक्षा है।

राज्यों के लोक सेवा आयोगों में पारदर्शिता का संकट

डॉ सत्यवान सौरभ

राज्यों के लोक सेवा आयोगों की स्थापना संविधान ने इस उद्देश्य से की थी कि राज्य प्रशासन में प्रतिभा, ईमानदारी और योग्यता को प्राथमिकता मिले। विडंबना यह है कि जिन आयोगों पर निष्पक्षता को स्थापित करने की जिम्मेदारी थी, वे स्वयं वर्षों से पारदर्शिता के संकट से जूझ रहे हैं। अनेक राज्यों में पेपर लीक, भ्रष्टाचार, प्रश्नपत्र त्रुटियाँ, अस्पष्ट आरक्षण गणना और परिणामों की देरी जैसी घटनाओं ने आयोगों के प्रति जनता और युवाओं दोनों का भरोसा डगमगा दिया है। संविधान ने इन संस्थाओं को स्वतंत्र दर्जा दिया, परंतु व्यवहार में राजनीतिक दबाव, प्रशासनिक सीमाएँ और संस्थागत कमजोरियाँ इनके कार्यों को प्रभावित कर रही हैं। यही कारण है कि आयोगों की प्रक्रियाओं और संरचनाओं की गहन समीक्षा आज की सबसे बड़ी आवश्यकता बन चुकी है।

सबसे बड़ी समस्या आयोगों की नियुक्तियों से शुरू होती है। अनेक राज्यों में अध्यक्ष और सदस्यों की नियुक्तियाँ योग्यता, अनुभव और विशेषज्ञता के बजाय राजनीतिक समीकरणों को ध्यान में रखकर की जाती हैं। सदस्य बनने के लिए आवश्यक योग्यता, आयु, अनुभव या पेशेवर पृष्ठभूमि को लेकर कोई स्पष्ट संवैधानिक मानदंड नहीं है। इसके कारण आयोगों पर पक्षपात व राजनीतिक पक्षधरता के आरोप लगते हैं। इसके विपरीत यूपीएससी नियुक्तियाँ पेशेवर, अनुभवी और विविध पृष्ठभूमि वाले वरिष्ठ अधिकारियों या शिक्षाविदों के हाथों में रहती हैं, जो उसकी विश्वसनीयता को मजबूत करती हैं। राज्यों में मानव संसाधन नियोजन भी कमजोर कड़ी है। कई बार वर्षों तक अधियाचन नहीं भेजा जाता, पद रिक्त पड़े रहते हैं, आर्थिक कारणों से भर्ती रोक दी जाती है या अधिसूचनाएँ अचानक जारी होकर फिर रद्द हो जाती हैं। यह अनियमितता पूरे चयन चक्र को बाधित कर देती है। इसके विपरीत केंद्र में 1985 में स्थापित कार्मिक मंत्रालय अधियाचन, सेवा शर्तें और भर्ती चक्र को व्यवस्थित रखता है। राज्यों में ऐसा कोई समर्पित ढाँचा न होने के कारण लोक सेवा आयोगों की कार्यक्षमता प्रभावित होती है।

अवसंरचना की कमी भी आयोगों के लिए गंभीर समस्या है। कई राज्यों में सुरक्षित प्रश्नपत्र भंडारण केंद्र, एन्क्रिप्टेड डिजिटल सिस्टम, केंद्रीयकृत परीक्षा केंद्र, आधुनिक स्कैनिंग व्यवस्था और डेटा सुरक्षा तंत्र तक उपलब्ध नहीं हैं। इस कारण पेपर लीक, ओएमआर गुम होने, मूल्यांकन संबंधी त्रुटियों और तकनीकी विफलताओं जैसी घटनाएँ सामान्य बन गई हैं। उम्मीदवारों में भय व असंतोष का माहौल इसी अव्यवस्था से पैदा होता है।

प्रश्नपत्र निर्माण और अनुवाद में त्रुटियाँ व्यापक विवादों को जन्म देती हैं। राज्य आयोग अक्सर स्थानीय शिक्षाविदों के सीमित पैनल पर निर्भर रहते हैं, जिससे प्रश्नों का स्तर, विविधता और सटीकता प्रभावित होती है। कई बार अनुवाद में तथ्यात्मक त्रुटियाँ या अस्पष्टता रहती है, जिससे प्रश्नपत्र रद्द करने तक की नौबत आ जाती है। राष्ट्रीय स्तर के विशेषज्ञों की भागीदारी न होना आयोगों की गुणवत्ता को सीमित रखता है।

मूल्यांकन प्रक्रिया में पारदर्शिता की कमी भी आयोगों की आलोचना का कारण है। कई राज्यों में उत्तर पुस्तिकाओं का डिजिटल मूल्यांकन नहीं होता। अलग-अलग मूल्यांकनकर्ताओं के बीच समरूपता नहीं रहती, मॉडरेशन असमान होता है और अंकों का निर्धारण स्थिर मानकों पर आधारित नहीं होता। इसके कारण चयन सूची और कट-ऑफ बार-बार विवादों में घिर जाती है, जिससे मामले अदालत तक पहुँचते हैं और भर्ती वर्षों तक लंबित रहती है।

आरक्षण गणना की जटिलता भी बड़ी चुनौती है। राज्यों में क्षेत्रीय कोटा, क्षैतिज व ऊर्ध्वाधर आरक्षण, विकलांग, भूतपूर्व सैनिक, महिला आरक्षण आदि कई स्तर होते हैं। मैनुअल गणना में त्रुटियों की संभावना बहुत अधिक रहती है। छोटी-सी गलती भी पूरी चयन प्रक्रिया को संदिग्ध बना देती है, और कानूनी विवादों के कारण परिणाम अटक जाते हैं।

राज्यों के आयोग परीक्षा कैलेंडर का पालन नहीं कर पाते। कुछ राज्यों में पाँच-पाँच वर्षों तक मुख्य परीक्षा आयोजित नहीं होती। तिथियों का बार-बार बदलना, परिणामों में अत्यधिक देरी और साक्षात्कार प्रक्रिया का अनिश्चित होना न केवल उम्मीदवारों के करियर को प्रभावित करता है, बल्कि आयु सीमा बढ़ने और मानसिक तनाव जैसी समस्याएँ भी पैदा करता है। इस तरह की अविश्वसनीयता आयोगों की साख पर गहरा प्रश्नचिह्न लगाती है।

इन समस्याओं के समाधान के लिए व्यापक और दूरगामी सुधारों की आवश्यकता है। सबसे पहले आयोगों के सदस्यों की नियुक्ति में योग्यता-आधारित मानक अनिवार्य किए जाने चाहिए। न्यूनतम आयु, अधिकतम आयु, शैक्षणिक योग्यता, प्रशासनिक अनुभव और पेशेवर पृष्ठभूमि स्पष्ट रूप से निर्धारित हों। यह परिवर्तन संवैधानिक संशोधन के माध्यम से लागू किया जा सकता है।

दूसरे, राज्यों में एक पृथक कार्मिक मंत्रालय की स्थापना की जानी चाहिए, जो मानव संसाधन योजना, अधियाचन प्रबंधन और भर्ती कैलेंडर को नियंत्रित कर सके। इससे आयोगों को नियमित परीक्षा कार्यक्रम बनाए रखने में मदद मिलेगी। यह व्यवस्था UPSC की तरह स्थिरता और विश्वसनीयता पैदा करेगी।

तीसरे, आयोगों की परीक्षा प्रक्रिया का संपूर्ण डिजिटलीकरण आवश्यक है। प्रश्नपत्र निर्माण, भंडारण, एन्क्रिप्शन, सीलिंग, डिजिटल मूल्यांकन, ओएमआर स्कैनिंग और परिणाम निर्माण– all तकनीक द्वारा सुरक्षित किया जाना चाहिए। इससे पेपर लीक की संभावना कम होगी और मानव त्रुटियाँ भी नियंत्रित होंगी।

चौथे, पाठ्यक्रम का नियमित आधुनिकीकरण किया जाए। हर तीन वर्ष में विशेषज्ञ समिति द्वारा पाठ्यक्रम की समीक्षा अनिवार्य हो। आधुनिक प्रशासन, विज्ञान-तकनीक, समसामयिक चुनौतियाँ और नई नीतियाँ पाठ्यक्रम का हिस्सा बनें, ताकि चयनित अधिकारी वर्तमान युग के अनुरूप दक्ष हों।

पाँचवें, प्रश्नपत्र निर्माण में राष्ट्रीय स्तर के विशेषज्ञों को शामिल किया जाए। अन्य राज्यों के विशेषज्ञ, केंद्रीय विश्वविद्यालयों के प्रोफेसर और विषय विशेषज्ञों की भागीदारी से प्रश्नपत्रों की गुणवत्ता, संतुलन और विश्वसनीयता बढ़ेगी। अनुवाद में भी प्रमाणित विशेषज्ञों का उपयोग किया जाए ताकि त्रुटियाँ न्यूनतम हों।

छठे, मूल्यांकन प्रक्रिया को पारदर्शी और वैज्ञानिक बनाना होगा। डिजिटल मूल्यांकन, दो-स्तरीय मॉडरेशन, यूनिफॉर्म स्कोरिंग गाइडलाइन और असंगत अंकों पर स्वतः समीक्षा जैसे उपाय निष्पक्षता को सुनिश्चित करेंगे। मूल्यांकनकताओं को नियमित प्रशिक्षण भी दिया जाना चाहिए।

सातवें, आरक्षण गणना के लिए स्वचालित डिजिटल सॉफ़्टवेयर बनाए जाएँ जिनमें निर्धारित एल्गोरिथ्म त्रुटिरहित गणना करें। इससे विवादों में भारी कमी आएगी।

आठवें, राज्य भर में भर्ती कैलेंडर अधिनियम लागू होना चाहिए जिसमें प्रारम्भिक परीक्षा, मुख्य परीक्षा, साक्षात्कार और परिणाम की अधिकतम समयसीमा निर्धारित हो। आयोग को वार्षिक रिपोर्ट भी प्रकाशित करनी चाहिए ताकि जनता को जवाबदेही स्पष्ट हो।

नौवें, आयोग के सचिव का पद ऐसे वरिष्ठ अधिकारी को दिया जाए जिनके पास शैक्षणिक प्रशासन या परीक्षा प्रबंधन का गहन अनुभव हो। इससे परीक्षा लॉजिस्टिक्स, गोपनीयता, सुरक्षा और मूल्यांकन व्यवस्था अधिक पेशेवर होगी।

अंत में, उम्मीदवारों की शिकायतों के समाधान के लिए स्वतंत्र डिजिटल ग्रेविएंस पोर्टल बनाया जाए, जिससे उम्मीदवार पारदर्शी तरीके से अपनी समस्या दर्ज कर सकें, स्थिति देख सकें और समयसीमा में समाधान प्राप्त कर सकें।

समापन में कहा जा सकता है कि राज्य लोक सेवा आयोगों की मजबूती भारत की प्रशासनिक गुणवत्ता का आधार है। यदि आयोग पारदर्शी, तकनीक-समर्थ, राजनीतिक हस्तक्षेप से मुक्त और योग्यता-आधारित ढाँचे पर काम करें तो न केवल युवाओं का विश्वास लौटेगा बल्कि राज्य प्रशासन में दक्ष, ईमानदार और संवेदनशील अधिकारी भी मिलेंगे। सुधारों के बिना

सूडोकु नवताल- 7629

✱✱✱✱☆ मध्यम

4	6		3		8	9		7
	1		9		6		5	4
						8		
	4		5				8	
2		5		4		6		1
	3				1		7	
		3						
5	9		7		2		6	
7		6	4		3		9	2

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7628 का हल

5	7	2	3	8	4	1	9	6
8	6	1	9	2	5	7	3	4
3	9	4	1	6	7	5	8	2
2	5	7	4	1	3	8	6	9
4	8	6	5	9	2	3	7	1
1	3	9	6	7	8	4	2	5
6	2	3	7	4	1	9	5	8
9	4	5	8	3	6	2	1	7
7	1	8	2	5	9	6	4	3

बदलती विश्व-व्यवस्था और जी-20 की चुनौती : बहुध्रुवीयता के बीच भारत की उभरती वैश्विक भूमिका

डॉ प्रियंका सौरभ

विश्व-राजनीति वर्तमान समय में गहरे परिवर्तनों से गुजर रही है। महाशक्तियों के बीच अविश्वास, क्षेत्रीय युद्ध, आर्थिक संकट, तकनीकी वर्चस्व की होड़, जलवायु परिवर्तन के बढ़ते खतरे और वैश्विक संस्थाओं में घटती प्रभावशीलता ने विश्व-व्यवस्था को अस्थिर बना दिया है। ऐसे दौर में जी-20, जो विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के बीच समन्वय स्थापित करने का सबसे महत्त्वपूर्ण मंच है, स्वयं को अभूतपूर्व चुनौतियों के बीच पाता है। समूह की प्रभावशीलता पर बढ़ते संदेह मात्र इसके कार्य-तंत्र से उत्पन्न नहीं हुए, बल्कि यह बदलती विश्व-स्थिति और बहुध्रुवीयता के असंतुलन का प्रत्यक्ष परिणाम है।

जी-20 की सबसे गंभीर चुनौती गहराता हुआ भू-राजनीतिक विभाजन है। यूक्रेन क्षेत्र में चल रहा युद्ध, पश्चिम एशिया की अस्थिरता, प्रशांत क्षेत्र में टकराव, बड़े देशों के बीच तकनीकी एवं आर्थिक प्रतिस्पर्धा, तथा बढ़ते प्रतिबंधों ने समूह की सहमति-निर्माण क्षमता को कमजोर बनाया है। कई बार ऐसी परिस्थितियाँ उत्पन्न हो जाती हैं कि साझा घोषणा-पत्र निकालना भी कठिन हो जाता है। उदाहरणस्वरूप, जोहान्सबर्ग बैठक में केवल अत्यंत सामान्य रूप से 'स्थायी एवं न्यायपूर्ण शांति' की अपील की गई, क्योंकि सदस्य देशों के दृष्टिकोण आपस में टकराते रहे। यह स्थिति दिखाती है कि वैश्विक मुद्दों पर सामूहिक स्वर तैयार करना कितना कठिन हो चुका है।

महाशक्तियों के व्यक्तिगत हित कई बार समूह के सामूहिक हितों पर भारी पड़ जाते हैं। इससे 'उबंटू'– अर्थात 'मैं हूँ क्योंकि हम हैं'–जैसी साझी जिम्मेदारी की मूल भावना क्षीण होती जा रही है। कुछ प्रमुख देशों द्वारा सम्मेलन से दूरी बनाना, या महत्वपूर्ण विमर्शों में भागीदारी में अनिच्छा दिखाना, समूह की विश्वसनीयता को कमजोर करता है। इससे जी-20 उस भूमिका को नहीं निभा पाता जिसके लिए यह बनाया गया था–यानी वैश्विक समस्याओं के समाधान हेतु सामूहिक एवं समन्वित प्रयास।

इसके साथ ही आर्थिक असमानता जी-20 के सामने एक और महत्वपूर्ण चुनौती है। विकसित और विकासशील देशों के बीच आय, तकनीक, स्वास्थ्य-सुविधाएं, कौशल, ऊर्जा स्त्रोतों और जलवायु वित्त में बढ़ती खाई ने समूह के भीतर संतुलन को प्रभावित किया है। वैश्विक ऋण संकट, विकासशील देशों पर बढ़ता आर्थिक दबाव, मंदी का खतरा, और असमान व्यापार-संरचना मिलकर ऐसे परिदृश्य का निर्माण करते हैं जिसमें साझा नीति बनाना कठिन हो जाता है। ऐसे समय में समूह को जिस सशक्त नेतृत्व और सहयोग की आवश्यकता है, वह कई बार अनुपस्थित दिखाई देता है।

इन जटिल परिस्थितियों के बीच भारत ने जी-20 में अत्यंत सकारात्मक, समावेशी और संतुलनकारी भूमिका निभाई है। भारत ने न केवल वैश्विक दक्षिण की चिंता और अपेक्षाओं को केंद्र में रखा, बल्कि ऐसे ठोस कदम भी उठाए जिनका दीर्घकालिक प्रभाव दिखाई देता है। भारत की सबसे बड़ी उपलब्धि अफ्रीकी संघ को जी-20 की स्थायी सदस्यता दिलाना रही। यह निर्णय न केवल ऐतिहासिक था, बल्कि उन विकासशील देशों की पुरानी मांग को भी पूरा करता था जिन्हें वैश्विक निर्णय-प्रक्रिया में बराबरी का स्थान नहीं मिलता रहा। इससे यह भी स्पष्ट होता है कि भारत वैश्विक व्यवस्था को अधिक न्यायपूर्ण और समावेशी बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

भारत ने विकासशील देशों की वास्तविक आवश्यकताओं पर आधारित कई व्यावहारिक एवं मापनीय पहलों को आगे बढ़ाया। डिजिटल सार्वजनिक संरचना का मॉडल, स्वास्थ्य-सुरक्षा व्यवस्था, कौशल विकास, ग्रामीण एवं कृषि नवाचार, मत्स्य प्रबंधन, पारंपरिक ज्ञान का संरक्षण, आपदा प्रबंधन में सहयोग, और उपग्रह आंकड़ों का साझा उपयोग–ये सभी पहलें विकासशील देशों की आवश्यकताओं से सीधे जुड़ी हैं। विशेषकर 'अफ्रीका कौशल वृद्धि योजना' जैसी पहलें लाखों युवाओं के लिए अवसरों का मार्ग खोलती हैं।

भारत ने वैश्विक सुरक्षा से जुड़े महत्त्वपूर्ण मुद्दों को भी प्रमुखता से उठाया, विशेषकर आतंकवाद और नशीली दवाओं के गठजोड़ को। यह विषय लंबे समय से वैश्विक विमर्श में अपेक्षित महत्व नहीं पाता रहा था। भारत ने इसके विरुद्ध कठोर और समन्वित कार्रवाई की आवश्यकता पर बल दिया। इसके साथ ही न्यायपूर्ण ऊर्जा परिवर्तन, जलवायु वित्त, सतत विकास, तकनीक की समान उपलब्धता और खाद्य-सुरक्षा जैसे विषयों पर भी भारत ने विकासशील देशों की सामूहिक आवाज को मजबूत किया।

हालाँकि भारत की भूमिका अत्यंत प्रभावशाली रही है, फिर भी इसकी कुछ सीमाएं स्पष्ट रूप से सामने आती हैं। महाशक्तियों के बीच चल रहे तीव्र संघर्षों के बीच भारत सभी पक्षों को एकजुट नहीं कर सका। प्रमुख देशों की अनुपस्थिति को भारत रोक नहीं पाया, न ही यह सुनिश्चित कर सका कि सभी देश साझा घोषणा-पत्र में कठोर रुख अपनाएँ। आतंकवाद पर अपेक्षित कठोर निंदा का शामिल न हो पाना भारत के लिए निराशाजनक था। इसी प्रकार भारत की कई विकास सम्बन्धी पहलें सभी देशों की समान रुचि और समर्थन प्राप्त नहीं कर पाईं, क्योंकि प्रत्येक देश की प्राथमिकताएं भिन्न होती हैं।

वैश्विक दक्षिण के भीतर भी कई बार मतभेद देखने को मिलते हैं, जिससे समग्र एजेंडा कमजोर पड़ता है। भारत की कूटनीति संतुलनकारी अवश्य है, परन्तु महाशक्तियों के कठोर और प्रतिस्पर्धी रुख के बीच इसकी प्रभाव सीमा सीमित हो जाती है। फिर भी यह निर्विवाद है कि आज वैश्विक दक्षिण का ऐसा कोई और देश नहीं है जो भारत जैसी व्यापक, संतुलित, विश्वासयोग्य और दूरदर्शी भूमिका निभा सके। भारत ने जी-20 के मंच को नई ऊर्जा दी है, वैश्विक दक्षिण के हितों को उचित सम्मान दिलाया है, और वैश्विक शासन में समावेशिता की नई परिभाषा प्रस्तुत की है।

दैनिक पंचांग

30 नवम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

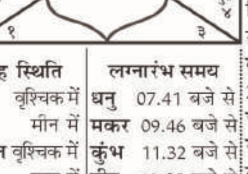

ग्रह स्थिति

ग्रह	राशि
सूर्य	वृश्चिक में
चंद्र	मीन में
मंगल	वृश्चिक में
बुध	तुला में
गुरु	कर्क में
शुक्र	वृश्चिक में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 4.30 से 6.00 बजे तक

लग्नारंभ समय

लग्न	समय
धनु	07.41 बजे से
मकर	09.46 बजे से
कुंभ	11.32 बजे से
मीन	13.05 बजे से
मेष	14.35 बजे से
वृष	16.16 बजे से
मिथुन	18.14 बजे से
कर्क	20.27 बजे से
सिंह	22.43 बजे से
कन्या	00.55 बजे से
तुला	03.06 बजे से
वृश्चिक	05.21 ब.से

रविवार 2025 वर्ष का 334 वा दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** हेमन्त। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** मृगशीर्ष **पक्ष** शुक्ल **तिथि** दशमी 21.30 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** उत्तराभाद्रपदा 01.11 बजे रात्र को समाप्त। **योग** वज्र 07.12 बजे तदनन्तर सिद्धि(असृक) 04.22 बजे रात्र को समाप्त। **करण** तैतिल 10.28 बजे तदनन्तर गर 21.30 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 9.7 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 21° 39' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872544 **जूलियन दिन** 2461009.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** जमादि उस्सानी **तारीख** 08

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
उद्वेग	05.56 से 07.23 बजे तक	शुभ	05.36 से 07.09 बजे तक
चर	07.23 से 08.51 बजे तक	अमृत	07.09 से 08.41 बजे तक
लाभ	08.51 से 10.18 बजे तक	चर	08.41 से 10.14 बजे तक
अमृत	10.18 से 11.46 बजे तक	रोग	10.14 से 11.46 बजे तक
काल	11.46 से 01.14 बजे तक	काल	11.46 से 01.19 बजे तक
शुभ	01.14 से 02.41 बजे तक	लाभ	01.19 से 02.51 बजे तक
रोग	02.41 से 04.09 बजे तक	उद्वेग	02.51 से 04.24 बजे तक
उद्वेग	04.09 से 05.36 बजे तक	शुभ	04.24 से 05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

इस गर्मी में नहीं मिलेगा फेज 2 पेयजलापूर्ति परियोजना से पानी, सितंबर 2026 तक पूर्ण होने की संभावना

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पलामू : मेदिनीनगर नगर निगम क्षेत्र वासियों को इस गर्मी में फेज टू जलापूर्ति परियोजना से पानी नहीं मिल पाएगा। सितंबर 2026 तक पूर्ण होने की संभावना है। पलामू के सांसद विष्णु दयाल राम के निरीक्षण के बाद यह स्थिति सामने आई है। विदित हो कि सांसद के प्रयास से वर्ष 2023-2024 में एशियन डेवलपमेंट बैक के सहयोग से लगभग 161 करोड़ रुपए की लागत से इस परियोजना को स्वीकृत करायी गयी थी। यह पेयजलापूर्ति परियोजना का कार्यन्वयन जुड़को प्रा.लि.की ओर से कराया जा रहा है। 12 मार्च 2025 तक कार्य पूर्ण किया जाना है, परन्तु विभिन्न स्थानों पर संबंधित विभागों के जरिए एनओसी प्राप्त नहीं हो पाने के कारण कार्य के समय में विस्तार कर सितम्बर 2026 तक कार्य पूर्ण करने का समय निश्चित किया गया है। इस परियोजना के पूर्ण होने पर लगभग 1 लाख 23 हजार की आबादी लाभान्वित होगी एवं 24,711 घरों में निःशुल्क वाटर कनेक्शन देना है। मेदिनीनगर नगर निगम क्षेत्र के अतर्गत कुल 35 वार्ड को 9 जोन में विभाजित कर कार्य को किया जा रहा है। फिलहाल 16 वार्ड 4, 5, 6, 7, 8 ,11, 12, 14, 17, 18, 19, 21, 22, 25, 33 एवं 35 में पाईप बिछाई जा रही है। शनिवार को सांसद के निरीक्षण में कार्य संतोषजनक नहीं पाए जाने पर तेजी लाने का निदेश कम्पनी के पदाधिकारियों को दिया। फरवरी 2026 में पुनः साइट का निरीक्षण करने को कहा गया। मौके पर जुड़को के प्रोजेक्ट मैनेजर संजय पासवान, उप प्रोजेक्ट मैनेजर श्रीमती सुषमा कुमारी, सहायक प्रोजेक्ट मैनेजर राजेश कुमार, मेदिनीनगर नगर निगम के सहायक आयुक्त प्रमोद उरांव, साइट इंजीनियर रंजीत कुमार, जिला सांसद प्रतिनिधि विजय ओझा, वरिष्ठ नेता इश्वरी पाण्डेय सांसद के निजी सचिव अलख दुबे एवं जुड़को कम्पनी एवं नगर निगम के पदाधिकारी उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि मेदिनीनगर निगम क्षेत्र के कई इलाके ड्राई जोन के रूप में चर्चित हैं। गर्मी के दिनों में वाटर लेवल काफी नीचे चला जाता है। नगर निगम टैंकर के माध्यम से जलापूर्ति कराता है। पेयजल के लिए हाहाकार मचा रहता है। ऐसे में घर-घर नल से पानी देने के लिए फेज टू जलापूर्ति योजना की आधारशिला रखी गई लेकिन इसमें भी विलंब होने के कारण एक बार फिर गर्मी के दिनों में पेयजल संकट से लोगों को जूझना पड़ेगा।

सीसीएल करमा परियोजना में श्रम कानूनों पर जागरूकता अभियान का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : सीसीएल करमा परियोजना में केंद्र सरकार के श्रम कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अगुवाई उपनिदेशक खान सुरक्षा विद्युत रांची शेख मिन्हाजउद्दीन ने किया। मौके पर करमा परियोजना खान प्रबंधक संजय कुमार सिंह ने उपनिदेशक का बुके देकर स्वागत किया। कार्यक्रम में परियोजना के सभी कर्मी व प्राइवेट कर्मी शामिल हुए। बताया गया कि श्रम कानूनों समझ को का सुदृढ़ व श्रम संहिताओं को प्रभावी बनाना और कार्यस्थल पर सही अनुपालन कराना ही अभियान का मुख्य उद्देश्य है। इस दौरान श्रमिक अधिकार, नियोक्ता की जिम्मेवारियों, व्यावसायिक सुरक्षा मानकों तथा कल्याणकारी प्रावधानों से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। कार्यक्रम में परियोजना के कार्मिक प्रबंधक अविनाश कुमार श्रीवास्तव, प्रोजेक्ट इंजीनियर विद्युत अर्णव पॉल, सुरक्षा अधिकारी सुभाष सिन्हा, ब्लास्टिंग ऑफिसर आशीष तिर्की, देवेंद्र शर्मा, जे के जॉन, रवि प्रसाद, राजकुमार महतो, रामरतन सिंह, सुदेश उरांव, संजय पासवान, ममता देवी समेत अन्य कई प्रमुख लोग मौजूद रहे।

अतिक्रमण से प्रभावित हो रहा यातायात, हटेगा अवैध ठेला व गुमटी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : रामगढ़ शहर के मेन रोड और बरकाकाना रोड में सड़क के अतिक्रमण से यातायात प्रभावित हो रहा है। सड़क के दोनों किनारों पर अवैध तरीके से ठेले, गुमटी और खोमचे वालों ने अपना ठिकाना बना लिया है। सड़क पर गाड़ियों के परिवहन के लिए जगह काफी संकीर्ण हो गई है। सुभाष चौक के आसपास ऐसे हालात हैं कि दुकान के आगे ठेले वाले और उसके आगे टोकरियों में सामान लेकर लोग बैठ जाते हैं। इसके बाद ग्राहकों की भीड़ से आधी सड़क का अतिक्रमण हो जाता है। इसके अलावा टेकर स्टैंड, फल विक्रेताओं के पास भी ऐसे ही कई ठेले और खोमचे वाले लोग अतिक्रमण कर बैठे हैं। एमईएस के गेट के पास भी कई ठेले और गुमटियां लगने लगी है। जिससे वाहन यातायात प्रभावित हो रहा है। रही सही कसर टेंपो और टोटो वाले पूरी कर दे रहे हैं। रामगढ़ पुलिस की सहायता से छावनी परिषद के मुख्य अधिशासी अधिकारी ने शनिवार को एक बार फिर अतिक्रमण हटाने का फैसला किया है। शहर में छावनी परिषद की गाड़ियां निकली जिससे अतिक्रमण हटाने की बात अनाउंस की गई। सड़क के किनारे अवैध तरीके से लगने वाले ठेले, गुमटी आदि को हटाने का आदेश दिया गया है। अगर 24 घंटे के अंदर लोग अपने ठेले और गुमटियां नहीं हटते हैं तो सोमवार को बड़े पैमाने पर अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया जाएगा। रामगढ़ थाना प्रभारी नवीन प्रकाश पांडे ने बताया कि अवैध तरीके से लगने वाली गुमटी और ठेले को जप्त कर थाने लाया जाएगा। अगर समय रहते सड़क को खाली नहीं किया गया तो छावनी परिषद की तरफ से उन्हें जुर्माना भी लगाया जाएगा।

आज 51 जोड़ों के सामूहिक विवाह के गवाह बनेंगे रामगढ़वासी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : भारत विकास परिषद रामगढ़ ने 30 नवंबर को सामूहिक विवाह कार्यक्रम का आयोजन किया है। रामगढ़ केसरी गुरु नानक पब्लिक स्कूल के ऑडिटोरियम में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया है। सांसद मनीष जायसवाल सामूहिक विवाह समारोह का उद्घाटन करेंगे। वही बतौर मुख्य अतिथि झारखंड के प्रसिद्ध उद्योगपति सह समाजसेवी हरि कृष्ण बुधिया होंगे। अतिथि के रूप में बड़कागांव के विधायक रोशन चौधरी होंगे। कार्यक्रम के मुख्य संयोजक गोविंद मेवाड़ विशेष रूप से रहेंगे उपस्थित। उक्त जानकारी देते हुए भारत विकास परिषद के पूर्व अध्यक्ष सा सामूहिक विवाह समारोह के सह संयोजक अमित साहू ने बताया कि श्री गुरु नानक ऑडिटोरियम को दुल्हन की तरह सजाया जा रहा है। पूरे जिले को बैनर एवं पोस्टर से पाटा गया है। अध्यक्ष अनमोल सिंह ने बताया कि सामूहिक विवाह समारोह में पूरे राज्य से हजारों की संख्या में लोग शामिल होंगे। और यह ऐतिहासिक पल का पूरे रामगढ़ वासी गवाह बनेंगे। सचिन मनमोहन सिंह लांबा ने बताया कि पूरे देश से भारत विकास परिषद के केंद्रीय पदाधिकारीयों का रांची आना शुरू हो गया है। और वैसे सारे पदाधिकारी इस सामूहिक विवाह का साक्षी बनने के लिए पूरी तरह से तैयार है। सामूहिक विवाह समारोह के रजिस्ट्रेशन के प्रभारी आलोक अग्रवाल ने कहा कि 51 जोड़ों का प्रारूप तैयार हो गया है।

झालसा के निर्देश पर जिला न्यायाधीश पहुंचे वृद्धाश्रम

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : उम्र के आखिरी पड़ाव में बेटा-बेटी और परिजनों की ओर से बेघर किए गए बुजुर्गों का हाल जानने और उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ देने के लिए झारखंड विधिक सेवा प्राधिकार के निर्देश पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश वीरेंद्र कुमार तिवारी, अवर न्यायाधीश मयंक तुषार टोपनो, रजिस्ट्रार सिविल कोर्ट आई जेड खान लीगल एड डिफेंस काउंसिल सिस्टम की टीम के साथ शनिवार को सहयोगी नगर सेक्टर तीन स्थित लालमणि वृद्धा सेवाआश्रम पहुंचे। जहां वृद्ध जनों के बीच न्यायाधीश ने कंबल, भोजन का वितरण किया। इस मौके पर न्यायाधीश तिवारी ने कहा कि वृद्धजनों की जरूरतों को पूरा करने और वृद्धजनों की भावात्मक जरूरतों के प्रति संवेदनशील सामाजिक वातावरण बनाए जाने की आवश्यकता है। माता-पिता और बुजुर्गों को बोझ न मानकर सम्मान और सुरक्षा देना न केवल हमारा नैतिक कर्तव्य है, बल्कि कानून की ओर से भी संरक्षित है। उन्होंने कहा कि वृद्धजन समाज की धरोहर हैं और उनका सम्मान तथा देखभाल करना हम सबकी जिम्मेदारी है। माता-पिता एवं वरिष्ठ नागरिक भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम, 2007 इसी उद्देश्य से बनाया गया है। इस मौके पर डीएसडब्ल्यू स्नेह कश्यप, एलएडीसीएस के चीफ कुमार विमलेन्दु, डिप्टी चीफ अजय कुमार भट्ट, असिस्टेंट कन्हैयालाल ठाकुर पैरालीगल वॉलंटियर चंदन कुमार, हेमराज चौहान, मानस रंजन पाल, सराय ढेला थाना प्रभारी सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

विधिक सेवा सशक्तिकरण शिविर में दी गई ग्रामीणों को कानून की जानकारी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

लोहरदगा : जिला विधिक सेवा प्राधिकार के मार्गदर्शन में विधिक सर्व सशक्तिकरण सह विकास मेला शिविर का आयोजन किया गया। वही अपर जिला और सत्र न्यायाधीश कृष्ण कांत मिश्रा, अंचलाधिकारी पंकज कुमार भगत एवं अन्य पदाधिकारियों की ओर से दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। वही सीजीएम कृष्ण कांत मिश्रा की ओर से विधिक सेवा सशक्तिकरण सह विकास मेला शिविर में विस्तृतरूप से कानून की जानकारी दी गई। परिसंपत्तियों का वितरण किया गया। आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में बुजुर्ग महिला पुरुष और ग्रामीणों ने कार्यक्रम में भाग लिया। जिसे सीजीएम की ओर से सभी लोगो को विधिक सेवा सशक्तिकरण सह विकास मेला शिविर में आने के लिये बधाई दी गई। सीजीएम कृष्ण कांत मिश्रा ने सम्बोधित करते हुए कहा कि सभी लोगों को कानून और अपने अधिकारों की जानकारी रखनी चाहिये जिसे सरकार की ओर से संचालित विकास योजनाओं का लाभ और कानूनी सहायता लेने में दिक्कत नही होगी। साथ ही कहा कि शिक्षा की कमी होने के कारण लोग अंधविश्वास से हट नही पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षित हो कर अंधविश्वास जैसे कुप्रथा से बाहर निकला जा सकता है। ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी बाल विवाह, भ्रूण हत्या, डायन बिसाही, बाल श्रम, नशाखोरी ये सब कुप्रथाएं प्रचलित है। इसके लिये समाज के सभी वर्गों को शिक्षित हो कर जागरूकता फैलाने की आवश्यकता है। साथ ही कहा कि महिलाओं को जागरूक होना अति आवश्यक है। महिलाएं समाजिक कार्यों में आज सभी जगह अग्रणी भूमिका निभा रहीं हैं। महिलाएं आज परिवार को एक नई दिशा दे रही है। उन्होंने कहा कि विधिक सेवा प्राधिकार के माध्यम से नाबालिग बच्चे बच्चियों और गरीब असहाय लोगों को निशुल्क अधिवक्ता, निशुल्क कोर्ट फीस, गवाहों को आने जाने का खर्च तथा मुआवजा की राशि प्रदान की जाती है। लोक अदालतों का आयोजन कर मुकदमों का सुलभ निपटारा किया जाता है। वही ग्रामीण लाभुक किसानों के बीच जॉब कार्ड,मकई,धोती साड़ी,पम्प सेट अन्य चीजों का वितरण किया गया। मौके पर बडी संख्या में लोग मौजूद थे।

एक नजर

मासिक लोक अदालत में 36 मामलों का हुआ निष्पादन

खूंटी : नालसा और झालसा, रांची के निर्देशन में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह डालसा अध्यक्ष रसिकेश कुमार की अध्यक्षता में शनिवार को न्यायालय परिसर में मासिक लोक अदालत का आयोजन किया गया। साथ ही बिजली संबंधित मामलों के निवारण के लिए स्पेशल लोक अदालत भी आयोजित की गई। मासिक लोक अदालत में न्यायालय में लंबित तथा प्री-लिटिगेशन से जुड़े सुलहनीय प्रकृति के विभिन्न प्रकार के मामलों के निस्तारण के लिए कुल तीन बेंचों का गठन किया गया। इनमें दीवानी और फौजदारी न्यायालय के सुलहनीय मामले, एनआई एक्ट के मामले एवं बिजली विवाद से जुड़े मामलों को प्रस्तुत किया गया। मौके पर डालसा सचिव राजश्री अपर्णा कुजूर ने बताया कि लोक अदालत में गठित पांच बेंचों के माध्यम से कुल 36 लंबित मामलों का निष्पादन किया गया। साथ ही इस दौरान 7 लाख 5 पांच हजार 876 रुपये की राशि का सेटलमेंट किया गया। इस अवसर पर प्रथम बैंच में जिला जज प्रथम राकेश कुमार मिश्रा, जिला जज तृतीय प्राची मिश्रा एवं पैनल अधिवक्ता ममता सिंह उपस्थित रहीं। वहीं दूसरे बैंच में मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी अर्जुन साव, पैनल अधिवक्ता मुकुल कुमार पाठक और मदन मोहन राम शामिल रहे। तीसरे बेंच में अस्थायी लोक अदालत के अध्यक्ष केके सिंह, सदस्य मधु चंदा कुमारी रजक एवं रूबी कुमारी उपस्थित रहीं।

एमएमसीएच में सीबीसी जांच में अभ्यर्थियों से वसूले जा रहे 3-3 सौ रुपए

पलामू : मेदिनी राय मेडिकल कॉलेज अस्पताल (एमएमसीएच) में इन दिनों मेडिकल सर्टिफिकेट बनाने के लिए लोगों की भारी भीड़ उमड़ रही है। इसका फायदा उठाकर स्वास्थ्य कर्मियों की ओर से नाजायज राशि की वसूली शुरू कर दी गई है। शनिवार देर शाम सात बजे तक सीबीसी जांच में प्रत्येक अभ्यर्थी से तीन-तीन सौ रूपए वसूले जाने का मामला सामने आया। कई अभ्यर्थियों ने बताया कि उनसे 300 रूपए लेने के बाद ही सीबीसी जांच की गई। समाचार लिखे जाने तक अभ्यर्थियों की सीबीसी जांच हो रही थी। कुछ अभ्यर्थियों ने इसे गंभीरता से लेते हुए हंगामा किया। मामले को किसी तरह शांत कराया गया। इस मामले में एमएमसीएच के सुपरिटेंडेंट डॉ अजय कुमार ने कहा कि अगर नाजायज राशि ली जा रही है तो इस संबंध में प्राथमिकी दर्ज की जाए, तब कार्रवाई की जाएगी। वीडियो में लगाए गए आरोप के आधार पर कार्रवाई नहीं हो सकती।

झरिया में पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 12 से अधिक लोग हिरासत में

धनबाद : झरिया में गुप्त सूचना के आधार पर झरिया थाना प्रभारी शशि रंजन के नेतृत्व में कई थानों की संयुक्त पुलिस टीम की ओर से शनिवार को संगठित अपराध के खिलाफ व्यापक छापेमारी अभियान चलाया गया। कार्रवाई के तहत झरिया थाना क्षेत्र अंतर्गत चौथाई कुलहि स्थित बंधन लॉज समेत विभिन्न क्षेत्रों से एक दर्जन से अधिक लोगों को हिरासत में लिया गया है। पुलिस हिरासत में लिए गए सभी लोगों से पूछताछ कर रही है। छापेमारी के दौरान पुलिस ने लॉज से कई महत्वपूर्ण दस्तावेज भी जब्त किए हैं। फिलहाल पुलिस की छापेमारी और जांच की प्रक्रिया जारी है। वहीं, मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस अभी किसी भी प्रकार की जानकारी साझा करने से बच रही है।

संक्षिप्त खबरें

गोला में आजसू नेताओं का हुआ भव्य स्वागत

गोला : गोला के डीबीसी चौक में आज आजसू पार्टी के सुप्रीमो सुदेश कुमार महतो तथा मांडू विधानसभा क्षेत्र के विधायक तिवारी महतो उर्फनिर्मल महतो का गर्मजोशी से स्वागत किया गया। आजसू सुप्रीमो एवं मांडू विधायक ने भी उपस्थित जनता और कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आने वाले समय में वे जन-आकांक्षाओं पर खरा उतरने के लिए निरंतर प्रयास करते रहेंगे। मौके पर जिला परिषद सदस्य जलेश्वर महतो जिला कार्यकारी अध्यक्ष दिनेश महतो केंद्रीय सदस्य अशोक कुमार महतो प्रखंड अध्यक्ष अंगद महतो सचिव नित्यानंद महतो युवा आजसू प्रखंड संयोजक विशु रजवार छात्र संघ अध्यक्ष राहुल कुशवाहा ओबीसी मोर्चा अध्यक्ष संतोष महतो मुकेश महतो अंतेश पोद्दार प्रकाश दांगी निरज नायक दिपक महतो भानू रजवार कुंदन प्रजापति सूरज नायक गणेश रजवार डेविड रजवार आदि मौजूद थे।

श्री कृष्ण विद्या मंदिर में विज्ञान एवं कला प्रदर्शनी का हुआ आयोजन

रामगढ़ : शनिवार को श्री कृष्ण विद्या मंदिर में विद्यालय के बच्चों द्वारा निर्मित विभिन्न आकर्षक मॉडलों से सुसज्जित विज्ञान एवं कला की अद्भुतप्रदर्शनी लगाई गयी। मुख्य अतिथि विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष आनंद अग्रवाल (अधिवक्ता) ने दीप प्रज्वलित कर एवं फीता काटकर प्रदर्शनी का शुभारंभ किया। कार्यक्रम की शुरूआत में बाल वाटिका के नन्हे मुन्ने बच्चों द्वारा मुख्य अतिथि एवं उपस्थित विद्यालय सचिव विमल किशोर जाजू, श्री कृष्ण विकास संस्थान के अध्यक्ष महेश अग्रवाल, रामप्रताप रानीलिया कृष्णा पब्लिक स्कूल के अध्यक्ष महावीर बौदिया एवं रामप्रसाद चंद्रभान सरस्वती विद्या मंदिर तथा ओंकार मिशन हाई स्कूल से आए जज के रूप में विज्ञान शिक्षक सुनील कुमार, सौरभकुमार, सोनू कुमार, देव कुमार तथा मुकेश कुमार को पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया गया। विद्यालय के बच्चों द्वारा प्रस्तुत स्वागत गान के पश्चात एक सामूहिक नृत्य का प्रस्तुतीकरण किया गया। आज के प्रदर्शनी में रामगढ़ एवं आसपास के क्षेत्र से आए सैकड़ो अभिभावक मौजूद थे। मुख्य अतिथि विद्यालय अध्यक्ष आनंद अग्रवाल (अधिवक्ता) ने उपस्थित सभी को संबोधित करते हुए कहा कि बच्चों का यह प्रयास उनके भविष्य को प्रतिबिंबित करता है। विद्यालय के बच्चों ने जिस उत्साह, लगन एवं कुशलता के साथ विभिन्न मॉडलों का निर्माण कर प्रदर्शनी प्रस्तुत किया है वह अत्यंत ही सराहनीय है। उन्होंने संबंधित अभिभावकों को और अधिक संख्या में उपस्थित होने का आग्रह करते हुए उनके सहयोग की प्रशंसा की। विद्यालय के शिक्षक विक्रम सिंह एवं उनकी टीम के द्वारा प्रस्तुत फाइटर जेट एवं अन्य जीवंत मॉडलों ने सभी को काफी प्रभावित किया। बच्चों के द्वारा प्रस्तुत विभिन्न मॉडलों एवं बच्चों केद्वारा ही उन मॉडलों की सुंदर एवं विस्तृत व्याख्या ने सभी का मनमोह लिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में शिक्षिका रंजू कुमारी, नंदनी कुमारी, उषा सिंह, रंजन बोस, अभिषेक वर्मा, मनोरंजन कुमार, विजय तिवारी, दीपायन मुखर्जी, प्रांतिक रॉय, अर्चना कुमारी, गुरप्रीत कौर, शारीक आलम, अमित कुमार सिंह आदि के साथ-साथ गैरशिक्षण कर्मचारियों का सराहनीय योगदान रहा। मंच का संचालन शाहीन नाज के द्वारा किया गया। आज के प्रदर्शनी में उपस्थित सभी अभिभावकों ने बच्चों द्वारा प्रस्तुत प्रदर्शनी (विज्ञान एवं कला) की भूरि भूरि प्रशंसा की। कार्यक्रम का समापन विज्ञान शिक्षिका रंजू कुमारी के द्वारा किए गए धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

धनबाद में प्रतिबंधित प्लास्टिक पर नगर निगम की बड़ी कार्रवाई

धनबाद : प्रतिबंधित प्लास्टिक कैरी बैग के खिलाफ धनबाद नगर निगम एक बार फिर सख्त मोड में नजर आ रहा है। शनिवार को निगम की टीम ने हीरापुर पार्क मार्केट स्थित हटिया क्षेत्र में व्यापक छापामारी अभियान चलाया। इस दौरान दर्जनों दुकानों से 120 माइक्रोन से कम मोटाई वाले प्लास्टिक कैरी बैगों की भारी मात्रा जब्त की गई। नियमों का उल्लंघन करने वाले कई दुकानदारों पर मौके पर ही जुर्माना भी लगाया गया। सरकार के दिशा-निर्देश के अनुसार 120 माइक्रोन से कम मोटाई वाले प्लास्टिक कैरी बैग के निर्माण, आयात, भंडारण, वितरण, बिक्री और उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध है। यह कदम एकल-उपयोग प्लास्टिक को कम करने और शहर में बढ़ते प्लास्टिक कचरे पर नियंत्रण के उद्देश्य से उठाया गया है। छापेमारी टीम का नेतृत्व कर रहे धनबाद अंचल प्रबंधक विशाल कुमार ने बताया कि अभियान के दौरान कई दुकानों में 40 माइक्रोन और 50 माइक्रोन तक के पतले प्लास्टिक कैरी बैग पाए गए, जो साफ तौर पर नियमों का उल्लंघन है। उन्होंने कहा कि ऐसे दुकानदारों के खिलाफ जुमार्ना लगाया गया है और उन्हें सख्त चेतावनी दी गई है। अंचल प्रबंधक ने स्पष्ट किया कि प्लास्टिक बेन का पालन हर हाल में सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने कहा, 120 माइक्रोन से कम मोटाई वाले प्लास्टिक कैरी बैग पूरी तरह प्रतिबंधित हैं। अभियान अभी सिर्फ शुरूआत है, आगे भी ऐसे औचक निरीक्षण लगातार जारी रहेंगे। नियम तोड़ने वालों पर कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। छापेमारी के दौरान दुकानदारों में हलचल देखी गई। कई दुकानदारों ने तुरंत अपनी दुकानों से पतले कैरी बैग हटाए, जबकि कुछ ने नियमों की जानकारी होने के बावजूद उनका उपयोग जारी रखा था। नगर निगम की यह कार्रवाई शहर में बढ़ते प्लास्टिक प्रदूषण को रोकने और स्वच्छता अभियान को गति देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। निगम ने आम लोगों से भी अपील की है कि वे खरीदारी के दौरान कपड़े या जूट के थैले का उपयोग करें और प्रतिबंधित प्लास्टिक का इस्तेमाल करने वाले दुकानदारों की सूचना नगर निगम को दें।

एक नजर

पुनर्वास की मांग को लेकर लोगों ने किया प्रदर्शन

पूर्वी सिंहभूम: सीतारामडेरा थाना क्षेत्र के भुईयांडीह में अतिक्रमण हटाने के नाम पर टूटे घरों के विरोध में शनिवार को स्थानीय बस्तीवासियों का गुस्सा सड़कों पर फूट पड़ा। हाल ही में सड़क चौड़ीकरण अभियान के दौरान बिना पूर्व नोटिस दर्जनों घरों को ढहाए जाने से क्षुब्ध प्रभावित लोगों ने भुईयांडीह पूजा मैदान से जिला मुख्यालय तक जोरदार विरोध रैली निकाली। रैली का नेतृत्व पूर्व मंत्री दुलाल भुईयां ने किया, जिनकी इन बस्तियों को बसाने में महत्वपूर्ण भूमिका रही है। बड़ी संख्या में महिलाएं और बच्चे भी प्रदर्शन में शामिल हुए। प्रदर्शनकारी हाथों में तख्तियां लिए हुए थे और प्रशासन की कार्रवाई को अमानवीय बताते हुए पुनर्वास की मांग कर रहे थे।
लोगों का कहना है कि संविधान दिवस जैसे दिन प्रशासन ने घर तोड़कर गरीबों को सड़क पर ला खड़ा किया। न तो कोई नोटिस दिया गया और न ही उनके लिए ठंड के मौसम में वैकल्पिक व्यवस्था की गई। बस्तीवासियों ने जिला प्रशासन के साथ–साथ राज्य सरकार से भी इस मुद्दे पर संवेदनशील होने की अपील की है। प्रदर्शनकारियों ने स्पष्ट चेतावनी दी कि जब तक सभी विस्थापित परिवारों को रहने की उचित व्यवस्था और पुनर्वास उपलब्ध नहीं कराया जाता, तब तक उनका चरणबद्ध आंदोलन जारी रहेगा।

10 वीं एवं 12 वीं बोर्ड परीक्षा की तैयारी को लेकर उपायुक्त ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से की बैठक

पाकुड़ : ज़िले के उपायुक्त मनीष कुमार ने जिले के सभी विद्यालय प्रधानाध्यापकों व छात्रों एवं शिक्षा विभाग के पदाधिकारियों के साथ बोर्ड परीक्षा 2026 की तैयारी को लेकर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक की। बैठक में छात्रों की उपस्थिति, अध्ययन की प्रगति एवं परीक्षा पूर्व तैयारियों पर विस्तृत चर्चा की गई। वहीं उपायुक्त ने निर्देश दिया कि अनुपस्थित विद्यार्थियों को हर हाल में स्कूल में उपस्थित कराया जाए। विद्यार्थी नियमित रूप से पढ़ाई करें और किसी भी अन्य कार्य के कारण कक्षा से अनुपस्थित न रहें। प्री–बोर्ड परीक्षा का आयोजन दिसंबर में किया जाएगा। प्री–बोर्ड की कॉपी जाँच के बाद अनिवार्य रूप से पेपर डिस्कशन कराया जाए, ताकि विद्यार्थियों को अपनी कमजोरियों का पता चल सके। उपायुक्त ने कहा कि सभी स्कूल मॉडल प्रैक्टिस सेट का उपयोग सुनिश्चित करें, ताकि छात्रों को परीक्षा पैटर्न का बेहतर अभ्यास मिल सके। जनवरी के प्रथम सप्ताह से लगातार टेस्ट का आयोजन किया जाएगा, जिसके माध्यम से बोर्ड परीक्षा से पहले विद्यार्थियों की तैयारी को मजबूत किया जाएगा।उपायुक्त ने सभी शिक्षकों से अपेक्षा जताई कि वे विद्यार्थियों को प्रेरित करें, नियमित उपस्थिति सुनिश्चित कराएं और गुणवत्तापूर्ण तैयारी हेतु स्कूल स्तर पर आवश्यक व्यवस्थाएँ समय पर पूरी करें।

रेलवे स्टेशन यार्ड में आपदा प्रबंधन को लेकर मॉक ड्रिल का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : मालदा मंडल रेल अंतर्गत आपदा प्रबंधन क्षमताओं को और मजबूत करने की दिशा में मालदा मंडल द्वारा 29 नवंबर 2025 को साहिबगंज रेलवे स्टेशन यार्ड में एक पूर्ण मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। यह अभ्यास मंडल रेल प्रबंधक मनीष कुमार गुप्ता के दिशा-निर्देशन और वरिष्ठ मंडल सुरक्षा अधिकारी ताराचंद के पर्यवेक्षण में सुरक्षा विभाग द्वारा आयोजित किया गया। इस ड्रिल में एनडीआरएफ की 9वीं बटालियन ने भी सहयोग किया। अभ्यास के दौरान एक काल्पनिक दुर्घटना की स्थिति बनाई गई, जिसमें प्लेटफॉर्म संख्या 03 के लाइन संख्या 04 से 11:35 बजे ट्रेन के प्रस्थान के समय दुर्घटना का परिदृश्य घोषित किया गया। तत्परता का आकलन करने हेतु सूचना तुरंत मालदा रेलवे रेस्क्यू टीम तक पहुंचाई गई। साहिबगंज यार्ड में पूछताछ केंद्र और सहायता डेस्क स्थापित कर वास्तविक परिस्थिति का अनुभव कराया गया। लगभग दो घंटे बाद पूर्ण पुनर्स्थापन के साथ ड्रिल समाप्त हुई। एडीआरएम/मालदा, शिव कुमार प्रसाद भी मौके पर मौजूद थे। उनके साथ अन्य शाखा अधिकारी, स्काउट एवं गाइड टीम तथा एनडीआरएफ टीम भी सम्मिलित रही। दुर्घटना राहत ट्रेन/साहिबगंज तुरंत दुर्घटना स्थल पर पहुंची। सुरक्षा, चिकित्सा, आरपीएफ, यांत्रिक, अभियंत्रण, परिचालन, विद्युत, दूरसंचार, वाणिज्य एवं सुरक्षा सहित रेलवे के सभी महत्वपूर्ण विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। पूरे अभ्यास की निगरानी मंडल रेल प्रबंधक मनीष कुमार गुप्ता द्वारा की गई। इस मॉक ड्रिल का मुख्य उद्देश्य प्रतिक्रिया समय, निर्णय लेने की क्षमता, निर्धारित प्रक्रियाओं के पालन तथा बचाव कार्यों में आने वाली बाधाओं की पहचान कर उन्हें दूर करना था। एनडीआरएफ के साथ इस प्रकार के संयुक्त अभ्यास रेलवे के ब्रेकडाउन स्टाफ की तैयारियों को परखने, उनके बचाव कौशल को बढ़ाने तथा आधुनिक उपकरणों एवं तकनीकों के उपयोग में प्रशिक्षण देने में अत्यंत महत्वपूर्ण होते हैं। ऐसे अभ्यास यह सुनिश्चित करते हैं कि दुर्घटना के बाद "गोल्डन आवर"– अर्थात एक घंटे के भीतर–फंसे यात्रियों को निकालकर प्राथमिक उपचार दिया जाए और उन्हें अस्पताल पहुंचाया जाए। यह ड्रिल न केवल रेलवे कर्मचारियों की बचाव क्षमता को बढ़ाने में सहायक रही बल्कि एनडीआरएफ टीम को भारतीय रेलवे की कोच संरचना की बेहतर समझ भी प्रदान की। ड्रिल के दौरान उपस्थित वरिष्ठ अधिकारियों में रत्नेश कुमार, अमरेन्द्र कुमार मौर्य , नीरज कुमार वर्मा, कार्तिक सिंह सहित मालदा मंडल के अन्य शाखा अधिकारी शामिल थे।

गंगटी क्षेत्र में एक दिवसीय नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : शनिवार को गोड्डा के मिश्रा गंगटी क्षेत्र में पोड्डार होमियो क्लिनिक की ओर से एक दिवसीय निःशुल्क होमियोपैथिक चिकित्सा शिविर का सफल आयोजन किया गया। इस शिविर में डॉ. एस.एन. प्रसाद एवं डॉ. उमा कुमारी द्वारा रोगियों की जाँच कर उन्हें निःशुल्क होमियोपैथिक उपचार एवं मेडिसिन प्रदान की गई। शिविर में कुल 250 रोगियों की जाँच की गई, जिनमें मुख्य रूप से जोड़ों का दर्द, गठिया, गैस एवं एसिडिटी संबंधी समस्याएँ, तथा स्त्री रोग संबंधी समस्याओं वाले मरीज अधिक संख्या में रहे। शिविर में सहयोगी के रूप में डॉ. परशुराम गुप्ता, हर्षराज, बित्तू कुमार एवं अन्य सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। इस निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन सेवानिवृत्त शिक्षक खागेश झा के सौजन्य से किया गया, जिन्होंने सामाजिक सरोकार को ध्यान में रखते हुए यह सराहनीय पहल की।

यूसीआईएल ने सीएसआर फंड से उपलब्ध कराया तीन एंबुलेंस

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम : पूर्वी सिंहभूम जिला प्रशासन के प्रयासों से जिले की तीनों जेलों - घाघीडीह मंडल कारा, साकची जेल और घाटशिला जेल को अब आपात स्वास्थ्य सेवाओं के लिए एंबुलेंस सुविधाएं उपलब्ध हो गई हैं। यूरेनियम कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड ने अपनी कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व गतिविधि के तहत तीन आधुनिक एंबुलेंस जिला प्रशासन को प्रदान की हैं। शनिवार को जिला जनसंपर्क कार्यालय परिसर में आयोजित समारोह में उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी ने इन एंबुलेंसों की चाबियां संबंधित कारा अधिकारियों को सौंपीं और हरी झंडी दिखाकर इन्हें रवाना किया। उपायुक्त ने कहा कि कैदियों के स्वास्थ्य अधिकारों की सुरक्षा जिला प्रशासन की प्राथमिकता है। जेलों में किसी भी कैदी के स्वास्थ्य में अचानक गिरावट आने पर त्वरित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना अत्यावश्यक होता है। इन वाहनों के उपलब्ध होने से गंभीर मरीजों को एमजीएम अस्पताल या आवश्यकतानुसार रांची रेफर करने में अब देरी नहीं होगी। उपायुक्त ने यूसीआईएल प्रबंधन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सहयोग न केवल काराप्रशासन की क्षमता को मजबूत करेगा बल्कि मानवीय संवेदनाओं से जुड़े प्रशासनिक प्रयासों को भी नयी गति देगा। उन्होंने जेल अधिकारियों को निर्देश दिया कि एंबुलेंस का संचालन पूरी जिम्मेदारी और तत्परता के साथ सुनिश्चित किया जाए, ताकि जरूरतमंद कैदियों को समय पर इलाज मिल सके। एंबुलेंस सुविधा शुरू होने से जेलों की स्वास्थ्य प्रतिक्रिया तंत्र में जहां महत्वपूर्ण सुधार होगा, वहीं किसी भी आकस्मिक परिस्थिति में त्वरित कदम उठाने में भी आसानी होगी।

"डिजिटल हिंसा के साथ जेंडर आधारित हिंसा के जुड़ाव को समझना" कार्यक्रम का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़/आमडापाड़ा : ज़िले के आमडापाड़ा स्तिथ प्रखण्ड सभागार में शनिवार को इब्तिदा नेटवर्क द्वारा सहयोगी संस्था झारखण्ड विकास परिषद द्वारा संचालित "16 दिवसीय कार्यक्रम" के अंतर्गत प्रखण्ड स्तरीय कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। उपरोक्त कार्यशाला का विषय डिजिटल हिंसा के साथ जेंडर आधारित हिंसा के जुड़ाव को समझना था। कार्यक्रम का संचालन फुलमूनी सोरेन के द्वारा किया गया। कार्यशाला में प्रखण्ड विकास पदाधिकारी प्रमोद कुमार गुप्ता ने डिजिटल युग में बढ़ती ऑनलाईन उत्पीडन,साईबर बुलिंग,फर्जी आई0डी, फोटो वीडियों का दुरुपयोग, ब्लैकमेलिंग जैसे खतरों पर विस्तार से जानकारी दी। वहीं बाल विकास परियोजना कार्यालय की मोनिका कुमारी के द्वारा इंटरनेट आधारित दुर्व्यवहार तथा इनके जेंडर आधारित हिंसा से गहरे संबंधों के बारे में विस्तार पुर्वक बताया गया। अंत में सहायक थाना प्रभारी पप्पु कुमार द्वारा प्रतिभागियों को इन विषयों पर जागरूक करते हुए रोकथाम, रिपोर्टिंग तथा कानूनी अधिकारों के बारे में भी जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय महिलाओं, किशोरियों, पंचायत प्रतिनिधियों, आशा एवं आंगनवाड़ी कार्यकताओं तथा समुदाय के सदस्यों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। इस कार्यशाला में कुल 65 लोगो ने भाग लिया एवं साइबर स्टॉकिंग मोबाइल व इंटरनेट आधारित दुर्व्यवहार के बारें में जानकारी हासिल किया एवं सजग रहने की बात की। कार्यक्रम के सफल संचालन में संस्था के मनोरंजन सिंह, समन्वयक, अजय, जसिंता मिंज, कैलाश कुमार, सुहागनी, मार्टिन, प्रेम, साईमान, किरानी दामु और संस्था के अन्य कार्यकर्ता अहम योगदान दिया।

अंडर-16 जिला क्रिकेट लीग में नवोदय विद्यालय की टीम ने 8 विकेट से दर्ज की जीत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिला क्रिकेट संघ के तत्वधान में सिदो-कान्हू स्टेडियम में चल रहे अंडर-16 जिला क्रिकेट लीग टूनामेंट के तहत शनिवार को संत जेवियर स्कूल बी बनाम नवोदय विद्यालय के बीच मैच खेला गया। संत जेवियर स्कूल ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 6 विकेट पर 171 रन बनाए। अमित राज ने 77, आदित्य ज्ञान ने 40 रन की पारी खेली। नवोदय विद्यालय के गेंदबाज साहिल राज ने 3 विकेट लिए। जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी नवोदय विद्यालय की टीम 17.3 ओवर में 2 विकेट के नुकसान पर 175 रन बना कर 8 विकेट से मैच जीत लिया। मोनू ने 14, सोनू ने 71 व धीरज ने नाबाद 53 रन की पारी खेली। संत जेवियर के गेंदबाज अभिज्ञान व आदित्य ने एक-एक विकेट लिया। नवोदय विद्यालय के खिलाड़ी सोनू कुमार को मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया। मुख्य अतिथि जवाहर नवोदय विद्यालय के पीटी शिक्षक उत्तम कुमार ने सोनू कुमार को मैन ऑफ द मैच की ट्रॉफी से पुरस्कृत किया। मैच में अंपायरिंग चंदन यादव व श्याम रंजन तिवारी एवं स्कोरिंग मो अनाउल्लाह अंसारी ने किया।

जिला विधिक सेवा प्राधिकार द्वारा वरिष्ठ नागरिकों हेतु विशेष सेवा एवं कल्याण कार्यक्रम आयोजित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : झारखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार के माननीय कार्यकारी अध्यक्ष, न्यायमूर्ति सुजीत नारायण प्रसाद, न्यायाधीश, झारखण्ड हाई कोर्ट ने आज ऑनलाइन माध्यम से "मदर टेरेसा क्लिनिक" सहित वरिष्ठ नागरिकों के लिए विभिन्न कल्याणकारी गतिविधियों का विधिवत उद्घाटन किया। उद्घाटन के अवसर पर माननीय न्यायमूर्ति सुजीत नारायण प्रसाद ने राज्य के सभी जिला विधिक सेवा प्राधिकारों को निर्देशित किया कि वे जिला प्रशासन के सहयोग से झारखण्ड के प्रत्येक वृद्धाश्रम में वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण हेतु फिजियोथेरेपी बेड, कुर्सी तथा चिकित्सकों/फिजियोथेरेपिस्ट की नियमित उपलब्धता सुनिश्चित करें, ताकि वरिष्ठजनों को निरंतर, सुलभ और गुणवत्तापूर्ण उपचार मिल सके। इसी क्रम में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, साहेबगंज, अखिल कुमार के मार्गदर्शन में वृद्धा आश्रम, साहेबगंज में विशेष कल्याण एवं सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान वृद्धाश्रम में निवासरत वरिष्ठ नागरिकों की स्वास्थ्य जाँच की गई तथा आवश्यक दवाओं और चिकित्सकीय परामर्श की सुविधा उपलब्ध कराई गई। साथ ही प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, साहेबगंज, अखिल कुमार के द्वारा वरिष्ठजनों के बीच फल वितरण, कंबल वितरण एवं अन्य आवश्यक सामग्रियों का वितरण भी किया गया, जिससे उन्हें मौसमी सुरक्षा और दैनिक उपयोग की सुविधाएँ सुनिश्चित हो सकें। इसके अतिरिक्त, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, साहेबगंज द्वारा कानूनी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर वरिष्ठ नागरिकों को उनके विधिक अधिकारों, कल्याणकारी सरकारी योजनाओं तथा उपलब्ध सामाजिक सुरक्षा प्रावधानों की जानकारी प्रदान की गई। जिला प्रशासन के सहयोग से आश्रम के निवासियों को विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभ भी उपलब्ध कराए गए। कार्यक्रम में जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव विश्वनाथ भगत, अनुमंडल न्यायिक दंडाधिकारी तुषार आनंद, मुख्य लीगल एड डिफेंस काउंसिल-न्याय रक्षक, पराविधिक स्वयंसेवक न्याय मित्र सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति एवं अधिकारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

तेज रफ्तार मोटरसाइकिल से अनियंत्रित होकर गिरा चालक जख्मी, रेफर

साहिबगंज: जिला के राजमहल प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत नया बाजार के पास शनिवार को अनियंत्रित होकर तेज रफ्तार मोटरसाइकिल से गिरकर एक युवक घायल हो गया। मिली जानकारी के अनुसार नया बाजार निवासी अमित रजक (27) सुबह अपने घर के बच्चों को लेकर नया बाजार स्कूल छोड़ने के लिए जा रहा था। तभी नया बाजार स्कूल के कुछ दूरी पर अचानक मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर बीच सड़क पर गिर गया और बुरी तरह घायल हो गया। जिसे परिजनों की मदद से आनन–फानन में इलाज के लिए अनुमंडल अस्पताल लाया गया। जहां ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक के द्वारा प्राथमिक इलाज किया गया। प्राथमिक इलाज करने के उपरांत चिकित्सक ने गंभीर स्थिति को देखते हुए घायल युवक को हायर सेंटर रेफर कर दिया।

सरकार के महत्वकांक्षी योजनाओं को उचित लाभुक तक पहुंचाएं, कार्यकर्ता

साहिबगंज: जिला के राजमहल प्रखंड के निरीक्षण भवन में झामुमो नगर कमेटी का बैठक नगर अध्यक्ष मो आजाद की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में संगठन से मजबूती एवं विस्तार से संबंधित चर्चा के साथ–साथ सरकार के महत्वकांक्षी योजनाओं को उचित लाभुक तक पहुंचाने की चर्चा की गई। बैठक में मुख्य रूप से झामुमो युवा मोर्चा जिला सचिव मो मारूफ उर्फ गुड्डू मौजूद थे। उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यकर्ता संगठन की रीढ़ है। सरकार के महत्वाकांक्षी योजनाओं को पार्टी कार्यकर्ता उचित लोगों तक पहुंचाएं। संगठन के कार्यकर्ता मजबूती तरीके से कार्य करें और अपने जनप्रतिनिधि से समन्वय स्थापित कर क्षेत्र में योजनाओं का क्रियान्वयन कराएं। मौके पर नगर सचिव स्मित चौरसिया, अब्दुल कादिर, मो बबलू शेख, मो इस्लाम शेख सहित अन्य मौजूद थे।

भाजपा जिला कार्यालय में जिला अध्यक्ष की अध्यक्षता में हुई बैठक

साहिबगंज: भाजपा जिला कार्यालय में भाजपा जिला अध्यक्ष उज्ज्वल मंडल के अध्यक्षता में एक बैठक हुई। बैठक में प्रदेश द्वारा दिए गए आगामी कार्यक्रम 30 नवम्बर 2025 प्रधानमंत्री की मन की बात, आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान वंदे मातरम 150वीं वर्ष एवं आगामी 6 दिसंबर 2025 को देवघर में राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा की आगमन होने जा रहा है, उस विषय की तैयारी को लेकर कार्यकताओं के साथ चर्चा की गई। जिला अध्यक्ष उज्ज्वल मंडल ने बताया 30 नवम्बर 2025 को प्रत्येक बूथ में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मन की बात, वंदे मातरम गीत के 150 वर्ष पूर्ण होने पर हर बूथ में वंदे मातरम कार्यक्रम एवं आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान के तहत चलने वाले कार्यक्रम में संकल्प पत्र हर बूथ में भरवाना एवं घर–घर संपर्क कर पत्रक और स्टीकर लगाने का काम भाजपा कार्यकर्ता करेंगे। मंच संचालन जिला महामंत्री गौतम यादव ने किया। इस बैठक में प्रदेश कार्य समिति सदस्य गणेश प्रसाद तिवारी, पूर्व जिला अध्यक्ष रणधीर सिंह, जिला उपाध्यक्ष सलखु सोरेन, जिला उपाध्यक्ष राजेश मंडल, जिला उपाध्यक्ष चंद्रभान शर्मा, जिला मंत्री चांदनी देवी, जिला कोषाध्यक्ष किशोर जैन, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष गरिमा साहा, अनुसूचित जनजाति मोर्चा जिला अध्यक्ष चौकीदार हांसदा, अनुसूचित जाति मोर्चा जिला अध्यक्ष विक्रम सरकार, युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष धर्मेंद्र मंडल, अल्पसंख्यक मोर्चा जिला अध्यक्ष शाहजहां काजू, सागर मंडल, प्रताप राय, कुणाल मंडल, वापी निर्मल साहा, बेचन मंडल, कैलाश साहा, मंटू राय, संजय पटेल, सनी मरांडी, रामप्रताप चौधरी, भुवनेश्वर तुरी,अनिल मुर्मू, अनुराग राहुल, सूरज चौधरी विष्णु जायसवाल, विभीषण ठाकुर, गौतम पंडित, मनोज ठाकुर उपस्थित थे।

डीसी के द्वारा मंडल कारा साहेबगंज, आकांक्षा हाट एवं कृषि विज्ञान केंद्र का किया गया निरीक्षण

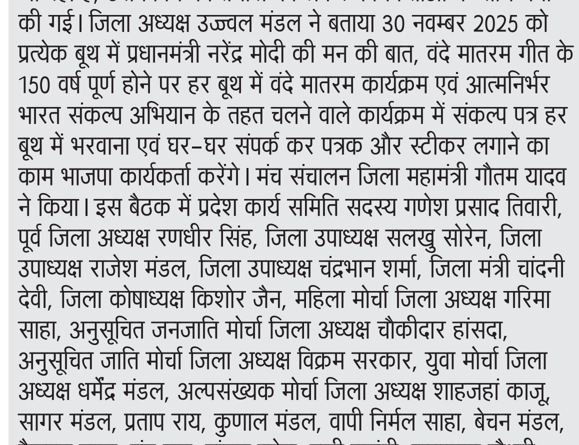

साहिबगंज: डीसी हेमंत सती के द्वारा शनिवार को मंडल कारा साहेबगंज, आकांक्षा हाट एवं कृषि विज्ञान केंद्र का निरीक्षण किया गया। मंडल कारा के निरीक्षण के दौरान डीसी ने मुलाकाती रजिस्टर, सीसीटीवी फुटेज, कैदियों को दिए जा रहे भोजन की गुणवत्ता तथा बैरकों की स्वच्छता एवं सुरक्षा व्यवस्था की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने कारा प्रशासन को आवश्यक सुधारात्मक दिशा–निर्देश देते हुए व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाने पर जोर दिया। इसके बाद आकांक्षा हाट में विभिन्न स्वयं सहायता समूहों द्वारा बनाए जा रहे उत्पादों की क्रय–विक्रय प्रक्रिया की जानकारी ली। डीसी ने उत्पादों की गुणवत्ता, विपणन और बिक्री बढ़ाने हेतु जरूरी निर्देश दिए, ताकि समूहों की आय में वृद्धि हो सके। डीसी ने कृषि विज्ञान केंद्र का भी दौरा किया, जहाँ उन्होंने आधुनिक कृषि तकनीकों, प्रशिक्षण व्यवस्था और उपलब्ध संसाधनों की जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के दौरान पाई गई कमियों पर उन्होंने तत्काल समाधान का भरोसा दिलाया तथा किसानों के हित में केंद्र की गतिविधियों को और सुदृढ़ करने पर बल दिया।

भाजपा नेता को सीने, बांह-हथेली में मारी गोली

पटना। खगड़िया में बीजेपी नेता को अपराधियों ने गोली मारी है। बेगूसराय के कल्पना नर्सिंग होम में उनका इलाज चल रहा है। डॉक्टर की माने तो स्थिति गंभीर बनी हुई है। दिलीप सिंह के सीने, बांह और दाएं हथेली में बुलेट लगी हुई है। दिलीप भाजपा के जिला कार्यसमिति सदस्य हैं। जमीन कारोबार से भी जुड़े थे। शुक्रवार को वो अपना खेत देखकर घर लौट रहे थे। 5 किलोमीटर पहले बदमाशों ने उन्हें घेर लिया। घटना की सूचना मिलते ही ठऊअ कार्यकर्ता अस्पताल पहुंचे। खगड़िया के लोजपा (रा.) जिलाध्यक्ष मनीष कुमार सहित बड़ी संख्या में एनडीए के कार्यकताओं बेगूसराय का अस्पताल में उनसे मुलाकात की। तेघड़ा के विधायक रजनीश कुमार ने भी दिलीप सिंह और उनके परिजनों से मिलकर घटना की जानकारी ली है। साल 2011 से 2016 तक लावगांव पंचायत से पंचायत समिति के सदस्य रहे दिलीप सिंह भाजपा के पुराने कार्यकर्ता हैं। वर्तमान में वे जिला कार्यसमिति समिति के सदस्य हैं। 9 साल पहले लड़ा था जिला परिषद का चुनाव 2016 में दिलीप कुमार ने जिला परिषद सदस्य का चुनाव लड़ा था, लेकिन हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद गांव में ही रहकर राजनीति में सक्रिय रहने के साथ-साथ खेती किसानी करते थे। चर्चा है कि वह जमीन कारोबार से भी जुड़े हुए थे। शुक्रवार को दोपहर में खगड़िया गए थे, वहां से लौटने के दौरान खेत देखते हुए घर आने से पहले करीब 5 किलोमीटर दूर बिशनपुर मोड़ त्रिभुवन टोल पुलिया के नजदीक

पहुंचे थे। तभी एक बाइक पर सवार दो बदमाशों ने रोका और ताबड़तोड़ गोली चला दी। जिसमें एक गोली बाएं साइड छाती में लगी तो वहीं दूसरी गोली बांए कंधे पर लगी। इस दौरान उन्होंने बचने की कोशिश की तो बांह में लगने वाली गोली दाईं हथेली में भी लग गई। गोली लगते ही दिलीप सिंह वहीं गिरे और गोली की आवाज सुनकर आसपास के लोग दौड़े। इस दौरान बदमाशों ने तीसरी गोली चलाने का भी कोशिश की, लेकिन फायर नहीं हो सका। दिलीप सिंह ने अपनी पत्नी वीणा देवी को फोन करके कहा कि मुझे गोली मार दी गई है, बचा लो। वीणा देवी उस समय बाजार से ही लौट रही थीं, उन्होंने तुरंत पड़ोस के रहने वाले ग्रामीण को फोन करके सूचना दी। स्थानीय लोगों ने पहुंचाया

हॉस्पिटल सूचना मिलते ही मौके पर बड़ी संख्या में लोग जुटे और गंगौर सहायक थाना को सूचना देते हुए घायल हालत में दिलीप सिंह को लेकर खगड़िया पहुंचे। जहां स्थिति की गंभीरता को देखते हुए उन्हें बेगूसराय रेफर कर दिया गया। फिलहाल बेगूसराय में उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। दिलीप सिंह के बेटा सौरभ और ऋषभ सहित आसपास बड़ी संख्या में लोग जुटे हुए हैं। सांसद ने दिए कार्रवाई के आदेश खगड़िया के सांसद राजेश वर्मा ने घटना पर संज्ञान लिया है। सांसद ने अधिकारियों को तुरंत कार्रवाई का निर्देश दिया है। सांसद ने ही हम लोगों को स्थिति देखने भेजा है। गृह मंत्री सम्राट चौधरी ने कहा है कि अपराधी को या तो धरती के अंदर जाना होगा या बिहार छोड़ना होगा। अपराधी चिह्नित हो चुका है और जल्द है वह सलाखों के अंदर जाएगा। डॉक्टर बोले- हालत गंभीर बनी हुई है इलाज कर रहे डॉ. आदित्य अशोक ने बताया कि दिलीप सिंह को दो गोली लगी हुई है। छाती और बांह में बड़ा सा छेद है, लग रहा है कि बचाव में भी गोली लगी है। छाती में ट्यूब डाला गया है, स्थिति अभी काफी गंभीर बनी हुई है। अगले 72 घंटा काफी क्रिटिकल है। गोली अंदर फंसी हुई है या निकल गई, इसका पता सुबह चलेगा। मेडिकल पॉइंट ऑफ व्यू से सभी पहलुओं पर जांच चल रही है, आंतरिक डैमेज है।

संक्षिप्त डायरी

पटना में 13 दिसंबर को लगेगी राष्ट्रीय लोक अदालत

पटना। में 13 दिसंबर 2025 को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन होने जा रहा है। जिला विधिक सेवा प्राधिकार, पटना की ओर से यह लोक अदालत सुबह 10.30 बजे से सिविल कोर्ट, पटना सदर के साथ-साथ जिले के सभी अनुमंडल स्तर के कोर्ट में लगाई जाएगी। पटना सिटी, दानापुर, बाढ़, मसौढ़ी और पालीगंज के हजारों लंबित मामलों का एक ही दिन में समाधान होगा। लोक अदालत के फायदे क्या हैं? कोई कोर्ट फीस नहीं लगती है। अगर पहले कोर्ट फीस जमा की गई है तो वापस कर दी जाएगी। विवादों का तेज और आसानी से निपटारा होता है। लोक अदालत का निर्णय अंतिम होता है और इसके खिलाफ अपील नहीं की जा सकती। यह आयोजन जिले के सभी महत्वपूर्ण अदालत परिसरों में किया जाएगा, जिससे लोगों के लिए पहुंच आसान रहेगी। किस तरह के मामलों का निपटारा होगा? इस राष्ट्रीय लोक अदालत में कई तरह के मामलों का आपसी समझौते के आधार पर समाधान किया जाएगा। इनमें शामिल हैं- मामला कैसे लगाना है? यदि कोई व्यक्ति अपना केस लोक अदालत में निपटाना चाहते हैं तो जिला विधिक सेवा प्राधिकार, पटना में आवेदन दे सकते हैं। जो केस पहले से कोर्ट में लंबित हैं, उनके लिए 12 दिसंबर तक किसी भी कार्य दिवस में संबंधित न्यायालय जाकर अपने मामले को लोक अदालत में भेजने का अनुरोध कर सकते हैं। 13 दिसंबर को दोनों पक्षों की सहमति होने पर उसी दिन समझौते के आधार पर फैसला कर दिया जाएगा। राष्ट्रीय लोक अदालत के प्रचार के आदेश जिलाधिकारी-सह-उपाध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, पटना डॉ. त्यागराजन एस.एम. ने जिला प्रशासन के सभी अधिकारियों को निर्देश दिया है कि लोक अदालत की जानकारी पूरे जिले में व्यापक स्तर पर पहुंचाई जाए। गांवों, कस्बों, बाजारों और शहरी इलाकों में लोगों को इसकी जानकारी दी जाएगी, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग इससे लाभ उठा सकें। इसके साथ ही, उन्होंने आम जनता से अपील किया है कि सभी इस अवसर का लाभ उठाते हुए अपने मुकदमों का निपटारा आपसी सहमति से करवाएं।

बिहार विधानमंडल का सत्र एक दिसंबर से

पटना। विधान परिषद के सभापति अवधेश नारायण सिंह ने 1 दिसंबर से शुरू हो रहे विधानमंडल सत्र के संबंध में कहा कि विभागों के अधिकारी विधानसभा सचिवालय के साथ सामंजस्य स्थापित कर सभी कार्यों को समय पर पूरा कराएं। सीसीटीवी कैमरों, सुरक्षा, ट्रैफिक व्यवस्था, चिकित्सा, सफाई, पार्किंग सहित सभी व्यवस्था चाक-चौबंद करें। वीरचंद पटेल पथ स्थित नवनिर्मित विधायक आवासों में सफाई, जलापूर्ति, बिजली आपूर्ति तथा स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था सुनिश्चित करें। शुक्रवार को उच्चस्तरीय बैठक में संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी ने आश्वस्त किया कि सरकार विधानमंडल के प्रति अपनी जिम्मेवारी के निर्वहन के प्रति मुस्तैद है। 18वीं विधानसभा का यह पहला सत्र है, इसलिए नवनिर्वाचित सदस्यों को कठिनाई न हो, इसका अधिकारी ध्यान रखें। विधानसभा में एक दिसंबर को नवनिर्वाचित सदस्यों का शपथ ग्रहण होगा। दो को विधानसभा अध्यक्ष का निर्वाचन होगा। 3 दिसंबर को दोनों सदनों की बैठक में राज्यपाल का अभिभाषण होगा। 4 दिसंबर को अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर सरकार का उत्तर होगा। 5 को द्वितीय अनुपूरक व्यय विवरणी पर वाद-विवाद होगा।

बेगूसराय में बादल छाए, 10 जिलों में कोहरा

पटना। पछुआ हवाओं ने बिहार के कई जिलों में ठंड बढ़ा दी है। शनिवार सुबह-सुबह पटना, बेतिया, गोपालगंज समेत 10 से ज्यादा जिलों में सुबह-सुबह घना कोहरा देखने को मिला। बेगूसराय में बादल छाए दिखे। 24 घंटे में औरंगाबाद सबसे ठंडा जिला रहा। यहां का तापमान 11 डिग्री तक पहुंच गया। मौसम विभाग की माने तो बिहार में दिसंबर से ठंड बढ़ना शुरू हो जाएगी। 6 शहरों में शीतलहर भी पड़ सकती है। शुक्रवार की सुबह पटना, बेतिया, गोपालगंज और बेगूसराय समेत 8 जिलों में घना कोहरा छाया रहा। वहीं 11.1 डिग्री न्यूनतम तापमान के साथ औरंगाबाद सबसे ठंडा जिला रहा। तापमान में हल्की गिरावट दर्ज की जाएगी प्रदेश के ज्यादातर जिलों में अधिकतम तापमान 26 से 30

डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। मौसम सामान्य रहने के बावजूद रात के तापमान में धीरे-धीरे गिरावट दर्ज की जा रही है। दक्षिण-पूर्वी और उत्तर-पूर्वी जिलों में न्यूनतम तापमान 10 से 12 डिग्री सेल्सियस तक दर्ज किया जा सकता है। वहीं राज्य के अन्य हिस्सों में रात का पारा 12 से 15 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। दिसंबर के शुरूआती हफ्तों में ठंड बढ़ेगी दिसंबर के शुरूआती हफ्तों में ठंड काफी बढ़ेगी। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से हवा की दिशा में बदलाव आएगा, जिससे रात के तापमान में तेज गिरावट दर्ज की जाएगी। यह प्रभाव 1 दिसंबर से अधिक स्पष्ट होगा। इन जिलों में सबसे ज्यादा गिरेगा तापमान मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक, पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, शिवहर, सीतामढ़ी, गोपालगंज और सीवान में 1 दिसंबर 2025 से तापमान में तेज गिरावट देखने को मिलेगी। इन जिलों में सुबह-शाम ठंड काफी बढ़ जाएगी और रात के समय शीतलहर जैसी स्थिति भी बन सकती है। इसके अलावा राज्य के अन्य जिलों में भी ठंड सामान्य से अधिक महसूस होगी। पटना में आसमान साफ रहेगा और दिन में हल्की गर्माहट बनी रहेगी। शाम होते ही तापमान में गिरावट दर्ज की जाएगी। कोहरे का हल्का प्रभाव भी देखने को मिल सकता है। रात का तापमान 13 से 14 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है।

कांग्रेस युवा चेहरे को बनाएगी विधायक दल का नेता

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव में हुए हार की समीक्षा के बाद कांग्रेस पार्टी ने कुछ लॉन्ग टर्म और शॉर्ट टर्म गोल तय किया है। बिहार में फिलहाल कोई नेतृत्व परिवर्तन नहीं होगा। यानी प्रदेश अध्यक्ष और प्रभारी अपने पद पर बने रहेंगे। सूत्रों के मुताबिक, बिहार में कांग्रेस विधायक दल का नेता एक युवा चेहरे को बनाया जाएगा, जो पहली बार विधानसभा चुनाव जीतकर आया है। हारे हुए प्रत्याशियों में ज्यादातर नए फ्रेश ब्लड को समूह बनाकर जिम्मेदारी दी जाएगी। समय-समय पर कांग्रेस आलाकमान उन लोगों से मुलाकात करेगा। बिहार में पार्टी जल्द करेगी कांग्रेस कमेटी की घोषणा कांग्रेस संगठन को मजबूत करने के लिए बहुत जल्द बिहार में कांग्रेस कमेटी की घोषणा की जाएगी। संगठन को जिला, ब्लॉक और बूथ लेवल तक मजबूत करने के लिए समयबद्ध रणनीति के तहत आगे बढ़ा जाएगा। कांग्रेस के ज्यादातर प्रत्याशी और नेताओं की यह राय है कि कांग्रेस को अब बिहार में एकला चलो की रणनीति से आगे बढ़ना चाहिए, जिस पर कांग्रेस नेतृत्व समय आने पर फैसला करेगा। सीमांचल में AIMIM के इलाके का करेंगे दौरा बिहार चुनाव में असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी AIMIM ने कांग्रेस से बेहतर प्रदर्शन किया था। AIMIM ने 25 सीटों पर चुनाव लड़ा और उनमें से पांच सीटें अपने नाम की। वहीं, कांग्रेस 61 सीटों पर चुनाव लड़ने के बावजूद सिर्फ 6 सीट पर ही जीत दर्ज कर सकी। सूत्रों के मुताबिक, सीमांचल में AIMIM के सांप्रदायिक राजनीति को काउंटर करने के लिए कांग्रेस के सभी अल्पसंख्यक नेता सामूहिक रूप से उस इलाके का दौरा करेंगे। कांग्रेस के समीक्षा बैठक में हुआ था हंगामा गुरुवार को दिल्ली स्थित कांग्रेस मुख्यालय इंदिरा भवन में हुए बिहार चुनाव की समीक्षा बैठक में हंगामा हो गया था। सूत्रों के मुताबिक, वैशाली से प्रत्याशी इंजीनियर संजीव ने गोली मारने की धमकी दी थी। इंजीनियर संजीव और पप्पू यादव के करीबी पूर्णिया के प्रत्याशी जितेंद्र कुमार के बीच जमकर कहा सुनी और गाली गलौज हुआ। इंजीनियर संजीव ने कहा था कि पार्टी में बाहर से प्रत्याशियों को लाकर टिकट दिया गया। इस पर जब पूर्णिया के प्रत्याशी ने विरोध किया तो इंजीनियर संजीव ने मुंह में गोली मारने की धमकी दी। इसके बाद जबरदस्त हंगामा हो गया था। ये सब मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी के बैठक में आने से पहले हुआ था। इसकी जानकारी जैसे ही दोनों नेताओं को हुई तो दोनों ही नेताओं ने सख्त लहजे में इंजीनियर संजीव और उनका साथ देने वालों से कहा कि पार्टी में लोग आते जाते रहते हैं, लेकिन इस तरह का अनुशासनहीनता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

राजद के किन नेताओं ने किया विश्वासघात

पटना। कांग्रेस आलाकमान बताएगा कि कितनी सीटों पर राजद के कारण उनके उम्मीदवारों की दुर्गति हुई है। राजद नेताओं ने कहां-कहां विश्वासघात किया है। इसकी पूरी रिपोर्ट कांग्रेस नेता राजद नेतृत्व के साथ साझा करेंगे। उम्मीदवारों से हार के कारणों की रिपोर्ट लेने के बाद

आलाकमान ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष और बिहार के पार्टी सांसदों के साथ बैठक में यह रणनीति बनाई। ऐसी ही रिपोर्ट वीआईपी और वामदलों के साथ भी साझा की जाएगी। यह रिपोर्ट सौंपने के बाद कांग्रेस बिहार में गठबंधन को मजबूती देने के लिए आगे की रणनीति पर बात करेगी। राजद समर्थकों की आक्रामकता बनी आफत राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे के साथ बैठक में उम्मीदवारों ने कहा कि कई सीटों पर चुनाव में शर्मनाक हार जैसी दुर्गति राजद समर्थकों के आक्रामक रुख के कारण भी हुई है। इस कारण कई विधानसभा सीटों पर राजग की ओर से जंगलराज की वापसी का डर दिखाने का असर पड़ा और महागठबंधन समर्थकों ने भी राजग के पक्ष में मतदान कर दिया। कई उम्मीदवारों ने दूसरी पार्टी से आए लोगों को भी टिकट देने को हार का बड़ा कारण बताया। क्योंकि, स्थानीय कार्यकताओं में ऐसे उम्मीदवारों की स्वीकार्यता नहीं बन पाई। दिल्ली की रैली में भीड़ जुटाने का टास्क विधानसभा चुनाव में करारी हार से अभी कांग्रेस उबरी नहीं है। इसी बीच दिल्ली में 14 दिसंबर को वोट चोर गद्दी छोड़ रैली आयोजित की गई है। इस रैली में बिहार कांग्रेस को भी संख्या जुटाने का टास्क मिला है। हाल के चुनाव के कारण कांग्रेस में हर जगह घमासान मचा हुआ है। ऐसी स्थिति में पार्टी नेताओं को दिल्ली में संख्या बल के प्रदर्शन के लिए तैयार करना मुश्किल हो गया है।

'संगठित आपराधिक गिरोह से रीतलाल ने बनाई करोड़ों की संपत्ति'

पटना। दानापुर के पूर्व विधायक राजद नेता रीतलाल यादव अपने इलाके में संगठित आपराधिक गिरोह चलाते हैं। इससे उन्होंने करोड़ों की संपत्ति अर्जित की है। यह दावा पटना पुलिस ने अपनी जांच रिपोर्ट में किया। पुलिस ने रिपोर्ट ईडी को सौंप दी है। अब ईडी पूर्व विधायक पर केस दर्ज करेगी। पुलिस ने रीतलाल और उनके गिरोह के अन्य आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट भी दायर कर दी है। पुलिस ने जांच में पाया कि पूर्व विधायक ने सरकारी जमीन पर भी कब्जा किया है और उस पर अवैध रूप से निर्माण तक करा दिया। इसका खुलासा उस समय हुआ, जब रीतलाल पर संगठित गिरोह चलाने का केस खगौल थाना में दर्ज हुआ। रीतलाल पर सरकारी जमीन कब्जाने का आरोप खगौल थाने की पुलिस और एसआईटी ने जब रीतलाल यादव और उनके परिजनों की संपत्ति को खंगालना शुरू किया तब यह खुलासा हुआ। जांच टीम ने इसके लिए अंचलाधिकारी कार्यालय से कागजात निकाले। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि रीतलाल के गिरोह ने सरकारी जमीन पर कब्जा किया है। दानापुर इलाके में

कई महंगी जमीन और फ्लैट इनके और इनके रिश्तेदारों के नाम पर है। इनके गिरोह के सदस्यों के खिलाफ पूर्व से भी मामले दर्ज हैं। रिपोर्ट में यह भी लिखा है कि अवैध रूप से अर्जित धन का दुरुपयोग कर नवयुवकों को गुमराह कर उनसे अपराध कराया जा रहा है। 3 एकड़ सरकारी जमीन पर किया कब्जा जांच में यह बात आई कि रीतलाल यादव के गुर्गों ने जबरदस्ती कोथवां मौजा में तीन एकड़ गैर-मजरुआ सरकारी जमीन पर कब्जा कर लिया है। उसे लगभग 4000 वर्गफीट की चहारदीवारी से घेर लिया है। इससे स्थानीय जमीन मालिक काफी परेशान हैं, लेकिन रीतलाल के खौफ की वजह से कोई शिकायत दर्ज नहीं करवा रहे हैं। रीतलाल ने अपने गांव कोथवां में अपने स्वर्गीय पिता के नाम पर रामाशीष चौक बनाया है। पुलिस की रिपोर्ट के अनुसार यह भी गैर-मजरुआ आम सरकारी भूमि पर कब्जा कर बनाया गया है। सिंडिकेट का काम- दानापुर में जमीन कब्जा, रंगदारी वसूलना पुलिस ने रिपोर्ट में लिखा कि रीतलाल यादव संगठित आपराधिक सिंडिकेट का संचालन कर रहे हैं। अपने सहयोगियों के जरिए रीतलाल दानापुर निर्वाचन क्षेत्र के जमीन मालिकों, निर्माण कर रहे बिल्डरों से रंगदारी, हिंसा की धमकी देकर अपने सहयोगियों जैसे टिंकू, विनोद, श्रवण, चिकू, मंटू, सुनील, सन्नी और अन्य अज्ञात सदस्यों के जरिए वसूली करते हैं। बिल्डर से रंगदारी मांगने के केस में जेल गए, फिर दर्ज हुआ केस बिल्डर कुमार गौरव से 50 लाख की रंगदारी मांगने और नहीं देने पर जान मारने की धमकी देने के मामले में रीतलाल, भाई पिंकू सहित कई आरोपी जेल में बंद हैं। बिल्डर ने खगौल थाने में 10 अप्रैल 2025 को केस दर्ज कराया था। जांच के दौरान यह बात सामने आई कि तत्कालीन विधायक संगठित गिरोह चलाते हैं। फिर पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर खगौल थाने में एक और केस दर्ज किया गया। 76 डिसमिल जमीन पर कब्जा, 16 दुकानें बनाई जांच रिपोर्ट में लिखा है कि सूर्य विहार अपार्टमेंट और देवलोक मंदिर के बीच मुस्तफापुर मौजा के 76 डिसमिल जमीन पर रीतलाल ने दबंगई से सहयोगियों के जरिए 16 दुकानों का निर्माण कराया है।

इन दुकानों को भाड़े पर लगा दिया गया। प्रति माह इनके गिरोह के सिंटू और सन्नी उर्फ रोहित किराया भी वसूल रहे हैं। पुलिस ने जिला प्रशासन को बताया और संबंधित अंचलाधिकारी ने 15 मई 2025 को उक्त भूमि को कब्जामुक्त कराया।

2 करोड़ की लूट, मुजफ्फरपुर से मास्टरमाइंड गिरफ्तार

इनमें एक मजदूर, बोला- खालिद ने कहा था- बड़ा काम है लाइफ सेट हो जाएगी

पटना। मध्यप्रदेश के मंडला में आयुषी ज्वेलर्स से 2 करोड़ से ज्यादा की लूट के मामले में बिहार से मास्टरमाइंड की गिरफ्तारी हुई है। गुरुवार देर रात मध्यप्रदेश पुलिस ने मुजफ्फरपुर पुलिस के साथ संयुक्त छापेमारी कर सदर, बरूराज और पारू थाना क्षेत्र से मास्टरमाइंड सहित तीन शातिरों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में बरूराज थाना क्षेत्र रामपुरवा अखाड़ा निवासी मास्टरमाइंड मो. खालिद, सदर थाना क्षेत्र के अतरदह वार्ड 31 का शशि कुमार और पारू थाना के ग्यासपुर का कृष्णा कुमार सिंह है। पुलिस ने घटना में इस्तेमाल खालिद की कार भी जब्त की। शुक्रवार को कोतवाली मंडला थाना के आईओ सह उपनिरीक्षक शफीक खान ने तीनों आरोपियों को 48 घंटे की ट्रांजिट रिमांड पर लेने के लिए कोर्ट में आवेदन दिया। पुलिस ने तीनों के मोबाइल भी जब्त किए हैं। लूटे गए सोना-चांदी के आभूषणों की बरामदगी के लिए पुलिस लगातार दबिश दे रही है। सीसीटीवी फुटेज से मिला सुराग घटना के बाद पुलिस ने अपराधियों की दो कारों को चिह्नित किया। मोबाइल टावर डंप करने के साथ अपराधियों के भागने की दिशा में कई टोल प्लाजा से सीसीटीवी फुटेज खंगाले। इसमें दोनों कार चिह्नित हुईं। कारों मालिकों का पता लगाया गया, जिससे पुलिस सीधे मास्टरमाइंड खालिद तक पहुंची। उसकी गिरफ्तारी के बाद शशि और कृष्णा के बारे में पुलिस को जानकारी मिली। 55 वर्षीय खालिद ने ही पूरी

साजिश रची थी। उसने न केवल बिहार बल्कि मध्यप्रदेश के कई अपराधियों को शामिल किया था। पूछताछ में उसने कई साथियों के नाम और पते बताए, जिन पर गठित पांच विशेष टीम लगातार दबिश बनाए हुए है। रउद्धड पश्चिमी 1 सुचित्रा कुमारी ने बताया कि मध्यप्रदेश पुलिस ने छापेमारी में तीन को गिरफ्तार किया है। जेवरात बरामद नहीं किए गए हैं। मास्टरमाइंड खालिद का आपराधिक इतिहास पता किया जा रहा है। पारू के ग्यासपुर के कृष्णा ने चलाई थी गोली गिरफ्तार तीनों अपराधियों से मध्यप्रदेश पुलिस ने पूछताछ कर उनका बयान दर्ज किया है। कृष्णा कुमार सिंह ने बताया कि वह ग्यासपुर (पारू) का रहने वाला और मजदूरी करता है। उसकी मुलाकात खालिद से हुई, जिसने उसे बताया कि मंडला में एक ज्वेलर्स दुकान में दो से ढाई किलो सोना रहता है, जिसे लूटना है। बड़ा काम है लाइफ सेट हो जाएगी 17 नवंबर को खालिद अपनी कार से शशि और कृष्णा के साथ कटनी होते हुए जबलपुर और इंदौर की ओर गया और फिर मंडला पहुंचा। वहां पर स्थानीय शातिरों पंकज ठाकुर, लवकुश, शनि, अजहर आदि से संपर्क हुआ। कृष्णा ने स्वीकार किया कि वारदात के दौरान जब आयुष ने विरोध किया, तो गोली उसने चलाई थी। 20 नवंबर को हुई थी वारदात, विरोध पर व्यवसायी को मारी थी गोली। घटना 20 नवंबर की शाम करीब 7.15 से 7.30 बजे के बीच की है। स्टाफ के सिर पर पिस्टल रखकर कहा- बैग छोड़ दो कटरा मंडला स्थित हनुमान मंदिर के सामने आयुषी ज्वेलर्स में अक्षांश सोनी और उनके भाई आयुष सोनी व्यवसाय करते हैं। दुकान में बॉबी यादव कर्मचारी के रूप में काम करता है। रोज की तरह दुकान बंद करने के लिए सोना-चांदी के आभूषण दो बैग में रखकर बॉबी दुकान के सामने खड़ी कार में रखने जा रहा था। उसी समय मंडला की ओर से एक कार तेजी से आकर रुकी। कार से तीन हथियारबंद अपराधी उतरे, जबकि चालक कार में ही बैठा रहा। अपराधियों में से एक ने बॉबी के सिर पर पिस्टल सटाकर बैग वहां रखने के लिए कहा। डर से बॉबी ने बैग छोड़ दिया। इसके बाद एक अपराधी दुकान में घुसा और आयुष से दुकान में रखा पूरा सोना-चांदी निकालने के लिए कहा।

अथमलगोला आवासीय विद्यालय में शॉर्ट सर्किट से आग

पटना। के बाढ़ अनुमंडल के अथमलगोला थाना अंतर्गत राजकीय अन्य पिछड़ा वर्ग कन्या आवासीय +2 उच्च विद्यालय में शनिवार सुबह शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। धुएं की घुटन के कारण आठ छात्राएं बेहोश हो गईं। उन्हें प्राथमिक उपचार के लिए

सीएचसी अथमलगोला लाया गया, जिसके बाद अनुमंडलीय अस्पताल बाढ़ रेफर कर दिया गया। शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका बताया गया कि शॉर्ट सर्किट से आग लगने के बाद कुछ छात्राएं अंदर फंस गईं। सूचना मिलने पर अग्निशमन दल मौके पर पहुंचा और आग पर काबू पाया। अग्निशमन कर्मियों ने अंदर फंसी छात्राओं को सुरक्षित बाहर निकाला। एक शिक्षिका ने बताया कि स्कूल के पीछे के क्वार्टर में शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगी थी। आग लगने से छात्राएं डर गईं और धुएं के कारण बेहोश हो गईं। छात्राओं की स्थिति स्थिर- प्रिंसिपल स्कूल की प्रिंसिपल विभा कुमारी ने घटना की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि शॉर्ट सर्किट से आग लगने के बाद छात्राएं बेहोश हो गईं, जिन्हें तुरंत सीएचसी में भर्ती कराया गया। प्रिंसिपल के अनुसार, छात्राओं की स्थिति स्थिर है, हालांकि बेहोश होने वाली छात्राओं की सटीक संख्या अभी स्पष्ट नहीं है।

कुछ ऐसी चीजें जो हमारे जीवन में इस तरह से घुल-मिल गई हैं कि पता ही नहीं चलता कि उसका नाता भारत से नही है। कुछ ऐसी चीजें जो हमारे जीवन में इस तरह से घुल-मिल गई हैं कि पता ही नहीं चलता कि उसका नाता भारत से नहीं है। क्या तुम्हें पता है कि समोसे जैसी फेमस चीज जो तुम अक्सर खाया करते हो उसका ऑरिजिन भारत नहीं है। ऐसी ही कुछ और चीजें जो देश में कहीं और से आईं लेकिन इस देश का हिस्सा बन गईं।

भारत ऑरिजिन की नहीं है, देश का हिस्सा बनी ये चीजें

समोसा

यह ट्रायंगल तो सारे बच्चों का प्यारा है या यूं कहें कि बड़ों के मुंह में भी इसको देखकर पानी आ जाता है। क्या तुम्हें पता है कि समोसा भारत की उपज नहीं है। प्राचीन काल में सेंट्रल एशिया के जिन रास्तों से व्यापार हुआ करता था वहां से होता हुआ यह भारत पहुंचा। दरअसल इस ट्रायंगल स्नैक्स को बनाना सबसे आसान होता है और रात को मुसाफिर जब रास्तों में हॉल्ट करते हुए आते थे तो समोसों को कैंपफायर के आस-पास भी तैयार कर लिया करते थे।

आलू

सब्जियों का राजा माना जाने वाला आलू सब्जियों में बच्चों की पहली पसंद है। इसके बिना तो सब्जी या किसी स्नैक की कल्पना करना ही थोड़ा मुश्किल लगता है! लेकिन क्या तुम्हें पता है कि आलू मात्र चार सौ साल पहले ही हमारे देश में आया और यहां तक कि टमाटर का इस्तेमाल भी देश में पहली बार 19वीं शताब्दी में किया गया था।

क्रिकेट

इंग्लैंड में जन्मा यह खेल आज भारत में गली-गली का खेला जाता है। यहां तक

कि आईसीसी की इनकम में भारत की कमाई की भागीदारी 70 से 80 प्रतिशत तक है। देश में क्रिकेट सबसे पॉपुलर खेलों में से एक है।

राजमा

पंजाबी डिशेज की लिस्ट राजमा के बिना अधूरी मानी जाती है। बड़े चाव से राजमा, चावल खाने वालों को यह जानकर आश्चर्य होगा कि यह अपने देश में नहीं बल्कि कोलोनियल अमेरिका में पैदा हुआ है। किडनी बीन्स यानी राजमा को 8000 साल पहले एकेडियन किसानों ने लुसियाना में उपजाया था।

हैंड नीटिंग

सर्दियों के मौसम में अपने घरों में भी तुमने मम्मी या दादी, नानी को हाथों से बुनाई करते हुए देखा होगा। जो कई तरह के स्वेटर तुम्हारे लिए तैयार करती होंगी।

तुम्हें लगता होगा कि यह परंपरा पीढ़ी दर पीढ़ी देश में आगे बढ़ी होगी लेकिन ऐसा नहीं है, क्योंकि हाथों से बुनाई का काम अपने देश की कला नहीं बल्कि इजिप्ट से यहां आया था।

सिल्क

तुम्हारी मम्मी के पास भी सिल्क की साड़ियां जरूर होंगी? क्या तुम्हें पता है कि यह सिल्क हमारे देश की नहीं है, बल्कि कई सदियों पहले चीन के व्यापारी इसे यहां लाए थे। हमारे यहां मिलने वाले सिल्क वॉर्म वही पहले चाइनीज पेयर थे जिनसे सिल्कवॉर्म की संख्या बढ़ाई गई।

पतंग

दो हजार साल पहले पतंगों को चीन में तैयार किया गया था। अब तो भारत में गांव के बच्चों के खेल का यह हिस्सा बन गया है तो शहरों में व्रत-त्योहार के मौके पर लोग रंग-बिरंगी पतंगें उड़ाकर अपनी खुशी का इजहार करते हैं।

चाय

सुबह की शुरुआत तुम्हारे घर में भी चाय की चुस्कियों के साथ होती होगी। लेकिन देश का मुख्य पेय चाय भी चीन से यहां पहुंचा है।

कागज पर उतारो पत्तियां

आजकल वॉटर कलर डेकोरेशन और डिजाइन में इस्तेमाल हो रहा है लेकिन हम इस वॉटरकलर को पत्तियां बनाने के लिए प्रयोग करेंगे। इससे तैयार पत्तियां एक बेहतरीन आर्ट वर्क की तरह नजर आती हैं।

किन चीजों की होगी जरूरत

- वॉटरकलर सेट
- विभिन्न प्रकार के वॉटर कलर ब्रशेस
- गार्डन से तोड़ी हुई अलग-अलग प्रकार की पत्तियां

बनाओ कलर पैलेट

सबसे पहले तो अपना एक कलर पैलेट तैयार करो और उसकी टेस्टिंग पेपर के अलग-अलग टुकड़ों पर करो। जब तक तुमको अपना पसंदीदा शेड ना मिल जाए तब तक पैलेट तैयार करते रहो ताकि जब तुम पत्तियों को उससे ड्रॉ करो तो वो बिल्कुल असली नजर आएं।

कौन-कौन से कलर

परमानेंट सैप ग्रीन, ग्रीन ब्लू शेड, रॉ एंबर, ब्लू ग्रीन, बरन्ट सिएना। बाकी शेड अन्य कलर्स के मिक्सचर से तैयार किए जा सकते हैं।

डूडलिंग करना तो हर किसी को भाता है लेकिन क्या कभी सीरियस पेंटिंग के बारे सोचा है। अरे तुम्हें पेंटर बनाने की बात नहीं कर रहे, यदि तुम्हें भी रंगों से प्यार है और कुछ न कुछ बनाते रहना तुम्हारी हॉबी है तो क्यों ना कुछ क्रिएटिव किया जाए। आओ मिलकर वॉटर कलर के जरिए लीविंग लीव्स को कागज पर उतारें, सोच में पड़ गए! चलो इसे करके देखते हैं।

इस तरह दो अपनी पत्तियों को आकार

- सबसे पहले लाइट स्केच तैयार करो और फिर इसे भीगे ब्रश से अंदर की ओर भरो। इससे तुम्हें कलर के फरस्ट लेयर को फैलाने में मदद मिलेगी।
- तुमने ग्रीन का जो शेड तैयार किया है उसका सबसे हल्का शेड प्रयोग करो।
- पहली लेयर के सूख जाने के बाद दूसरी लेयर बनाओ जो सबसे हल्के शेड की हो। अब डार्क शेड की दूसरी लेयर लगाओ और उसे फिर सूखने दो।
- पेपर को थोड़ा तिरछा कर दो और पेंट को पेंट की हुई पत्ती के टिप तक पहुंचने दो। इसके सूख जाने के बाद ग्रीन की एक और लेयर इस पर लगाओ।
- वॉटर कलर में यह चीज स्पष्ट नजर आती है इसमें जितने लेयर्स में कलर लगाए जाते हैं इमेज उतनी ही क्लियर नजर आने लगती है।
- अपने ब्रश को पानी में डुबाकर उसे पत्ती के ऊपर फिराओ। जब यह हल्का गीला रहे तो उसके ऊपर रॉ एंबर कलर का हल्का शेड पत्ती के लाइट साइड पर लगाओ।
- कलर जब हल्के गीले हों तो अपने ब्रश पर बरन्ट सिएना कलर को पत्ती के ऊपर टपकाओ। तुम देखोगे कि कलर्स एक-दूसरे पर चढ़े हुए नजर आएंगे।
- अब पत्ती के अलग-अलग हिस्से पर कलर टपकाओ।
- भीगे हुए पतले ब्रश से पत्ती पर वेन्स बनाओ और साथ ही पत्तियों की डिटेल उस पर ड्रॉ करो।
- ऐसा तुम कई पत्तियों के साथ कर सकते हो।

कैसे बनते हैं स्नोफ्लैक्स?

उन जगहों पर जहां चारों ओर बर्फ की चादर बिछी हो और हर तरफ सिर्फ एक ही रंग नजर आता हो..सफेद। इन्हें कहते हैं स्नोफ्लेक्स।

उन जगहों पर जहां चारों ओर बर्फ की चादर बिछी हो और हर तरफ सिर्फ एक ही रंग नजर आता हो.सफेद। इस बीच कहीं-कहीं कुदरत की ऐसी कलाकारी नजर आती है कि उसे कैमरे में कैद किए बिना नहीं रहा जा सकता। ये हैं स्नोफ्लेक्स या बर्फ की पपड़ी। स्नोफ्लैक्स की सबसे अनोखी बात ये है कि इनमें से किसी का भी आकार एक-दूसरे से मेल नहीं खाता है। हरेक आकृति यूनिक होती है। इनको देखकर ऐसा जान पड़ता है कि किसी ने क्रिस्टल के जरिए सुंदर आकृति तैयार की है लेकिन ये तो प्रकृति की कारीगरी है। इनके यूनीक शेप के कारण ही दुनियाभर के फोटोग्राफर्स बेस्ट स्नोफ्लैक्स की तस्वीरें लेने की तैयारी में रहते हैं।

कुदरत की कारीगरी

स्नोफ्लैक्स बनने की शुरुआत छोटे-छोटे डस्ट पार्टिकल्स या पॉलेन पार्टिकल्स के वॉटर वेपर के संपर्क में आने से होती है। ये वॉटर वेपर इन पार्टिकल्स के ऊपर इकठ्ठी हो जाती हैं और जब ठंडे वातावरण में ये जमती हैं तो छोटे-छोटे आइस क्रिस्टल जैसे नजर आने लगते हैं। ये छोटे-छोटे क्रिस्टल सीड्स की तरह होते हैं जिनसे स्नोफ्लैक्स का जन्म होता है। तुम्हें यह जानकर आश्चर्य होगा कि ये छोटे आइस क्रिस्टल नेचुरली अरेंज होकर हेक्सागोनल यानी सिक्स साइडेड स्ट्रक्चर बना लेते हैं। इस तरह के सिक्स साइडेड आइस क्रिस्टल ही 'स्नोफ्लैक्स'' कहलाते हैं। चूंकि स्नोफ्लैक्स के आस-पास की हवा से ये अधिक वजनदार होते हैं इसलिए कुछ समय में अपने-आप गिरना भी शुरू हो जाते हैं।

हर स्नोफ्लै है डिफरेंट

यूं सारे स्नोफ्लैक्स हेक्सागॉनल होते हैं लेकिन इनकी जियोमैट्री अलग-अलग होती है। डिफरेंट टेम्परेचर और ह्यूमिड कंडीशन से होकर जब स्नोफ्लैक्स नीचे गिरते हैं तो उनके शेप भी डिफरेंट हो जाते हैं। किसी में नुकीले आरम्स निकले रहते हैं तो किसी में बहुत ही चौड़े। स्नोफ्लैक्स का निर्माण पृथ्वी पर काफी ऊंचाई पर होता है इसलिए जमीन पर इसका स्नो के रूप में नीचे गिरना हर बार हो ऐसा नहीं है। यह तभी हो सकता है जब हवा का टेम्परेचर फ्रीजिंग से कम हो।

केक की टॉपिंग पर स्नोफ्लैक्स

स्नोफ्लैक्स के अलग-अलग मजेदार शेप्स के कारण कई पार्टीज का इसे हिस्सा बनाया जा रहा है, वो भी केक को सजाने के लिए। अब तो स्नोफ्लैक्स के शेप को आर्टिफिशियल रूप से तैयार किया जाने लगा है। लोग अपनी पसंद के अनुसार डिफरेंट शेप वाले स्नोफ्लैक्स से भरी बोटल खरीदते हैं और केक को और भी मजेदार ढंग से प्रेजेंट करते हैं।

तीन सेर चावल

पुराने जमाने की बात है। किसी गांव में मोहन नाम का एक लड़का रहता था। वह बहुत शैतान था। हर दिन उसकी शिकायतें उसके माता-पिता को सुनने को मिलतीं।

पिता ने मोहन को विद्यालय भेज दिया, लेकिन उसकी शरारतों से शिक्षक भी बहुत दुखी हो गए। उस पर अपने शिक्षक की बातों का भी कोई असर नहीं होता था।

मोहन कई बार बच्चों की सीट के नीचे चींटियां छोड़ देता, जिससे वे ठीक से पढ़ न पाते। बच्चे उसके डर से उसकी शरारतों के बारे में अपने शिक्षकों से भी शिकायत न करते। एक दिन तंग आकर मास्टरजी ने उसे विद्यालय से निकाल दिया।

उस जमाने में जंगल अधिक थे। चारों ओर पेड़-पौधों की भरमार थी। अब मोहन जंगल में जाकर पेड़-पौधों का ध्यान करता, पानी देकर सींचता। घर में उसका मन नहीं लगता था। उसकी चिंता में मां परेशान रहतीं।

मोहन के गांव में एक बूढ़ा आदमी भीख मांगने आता था। वह उसे भी बहुत तंग करता। कभी उसका थैला छीनकर उसमें रखी रोटी निकालकर जानवरों को खिला देता, तो कभी बूढ़े पर पानी डाल देता। लेकिन बूढ़ा उसके गांव में जरूर आता। लोग उससे पूछते कि इतना तंग होने के बाद भी वह इस गांव में भीख मांगने क्यों आता है? वह सबको एक ही उत्तर देता, मोहन बच्चा है। बच्चे शरारत नहीं करेंगे, तो क्या हम बड़े लोग करेंगे? उसकी बात सुनकर लोग चुप हो जाते।

इस प्रकार कई महीने बीत गए। एक दिन मोहन किसी गांव से आ रहा था। उसे घर पहुंचने की जल्दी थी। किसी किसान ने अपनी फसल की रक्षा के लिए नागफनी की बाड़ लगा रखी थी। रास्ते में नागफनी के कांटे गिरे हुए थे। उसकी नजर उन कांटों पर पड़ी। उसने सोचा कि वह एक-दो नागफनियों को लेकर रास्ते पर डाल दे, तो बड़ा मजा आएगा। उसने दो नागफनियों को उठा लिया और उन्हें घास के नीचे छिपा दिया। फिर घर चला आया।

दो-तीन दिन बीत गए। आज वह स्वयं उसी रास्ते से जा रहा था। उसी रास्ते से बूढ़ा भिखारी भी आ रहा था। मोहन को शरारत सूझी। उसने कहा, जरा थैला दिखाना। भिखारी ने उसे थैला दे दिया। उसमें एक फटी धोती थी। दो रोटियां भी थीं। वह थैले को लेकर उछालने लगा कि अब वह थैला नहीं देगा। भिखारी उसके करीब आता, तो वह दौड़कर थोड़ी दूर भाग जाता।

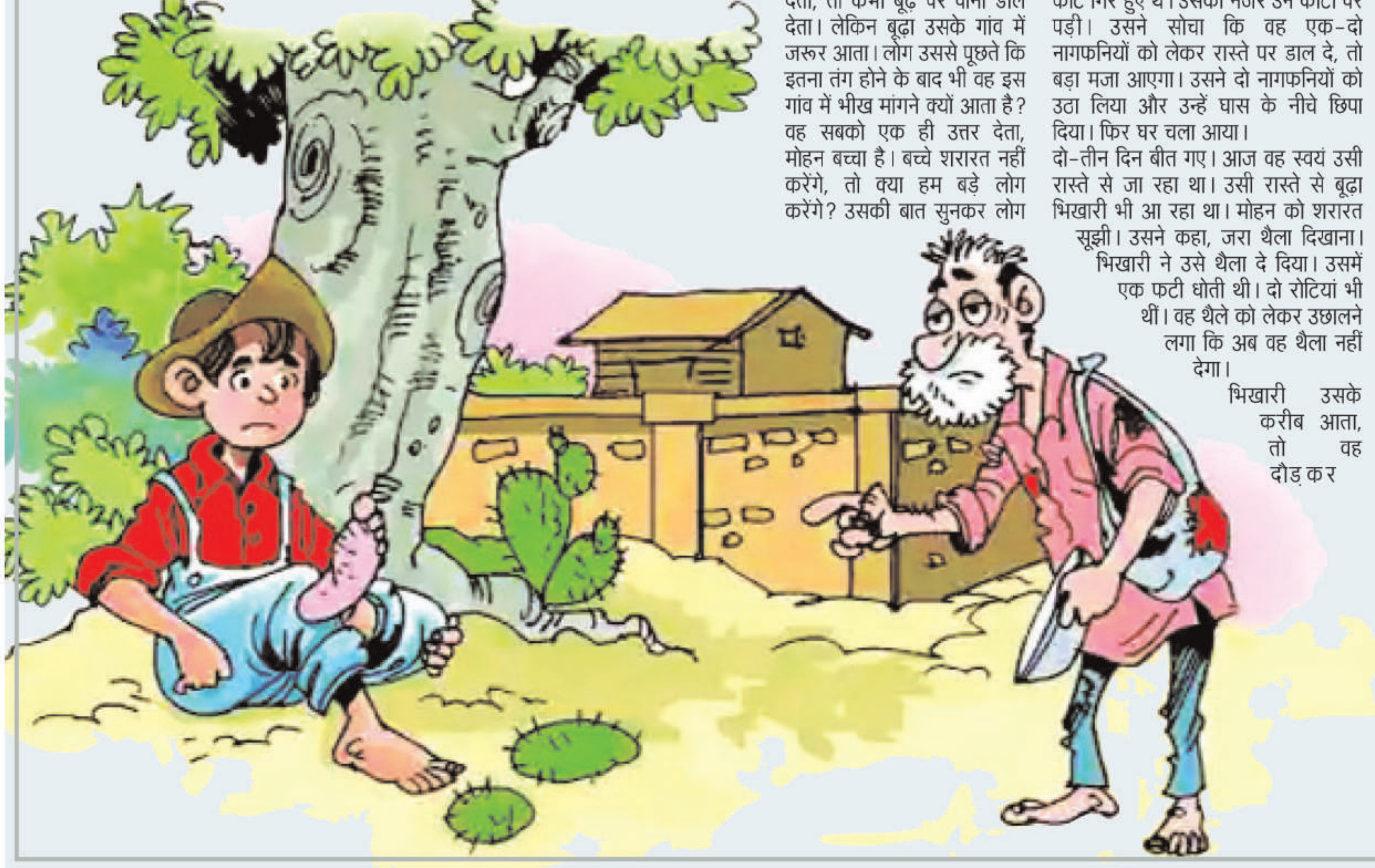

इसी भाग-दौड़ में अचानक सूखी नागफनी पर मोहन का पांव पड़ गया। उसके पूरे तलवे में कांटे चुभ गए। वह अचानक एक ओर लुढ़क गया। थैला उसके हाथ से छूट गया। भिखारी मोहन के पास आया। वहां उसने अपनी लाठी से घास हटाई, तो उसे एक और नागफनी नजर आई। उसने उसे भी डंडे से दूर हटा दिया और मोहन के पास बैठकर पांव से कांटे निकालने लगा।

भिखारी ने मोहन के पांव से काफी कांटे निकाल दिए। फिर भी कुछ कांटे उसके पांव में चुभे ही रह गए। भिखारी ने उसे सहारा देकर खड़ा किया। मोहन ने कहा, मैं घर नहीं जाऊंगा। छाया में बैठकर तलवे के सारे कांटे निकालूंगा, तब घर लौटूंगा।

भिखारी ने कहा, यदि तुम मेरी झोंपड़ी तक चलो, तो मैं तलवे के सारे कांटे निकाल दूंगा। ऐसा लेप लगा दूंगा कि तुम्हारा पांव जल्दी ठीक हो जाएगा। मोहन तैयार हो गया। भिखारी उसे अपने कंधे का सहारा देकर, झोंपड़ी तक ले आया। फर्श पर एक फटी-पुरानी दरी और कंबल का टुकड़ा बिछा हुआ था। उसी पर उसने मोहन को लिटाया। पानी गरम कर उसका पांव धोया। फिर कांटे निकालकर पैर पर जड़ी-बूटी का लेप कर दिया। मोहन को लेप से बहुत राहत मिली और वह सो गया।

भिखारी ने अपने थैले से भीख में मिले चावल निकाले और खिचड़ी बनाई। फिर गांव जाकर दूध ले आया। उसने मोहन को खिचड़ी खिलाकर पीने के लिए दूध गरम करके दिया। मोहन को अब उस भिखारी को बुड्ढा कहने में शर्म आई। उसने भिखारी को 'दादा' कहकर पुकारा। दादा शब्द सुनकर भिखारी की आंखों से आंसू झरने लगे। मोहन ने चकित होकर पूछा, तुम रो क्यों रहे हो?

नहीं बेटा, कोई बात नहीं है। मैं तीस वर्षों से यहां अकेला पड़ा हूं। तुमने मुझे दादा कहा, तो मेरा दिल भर आया। भिखारी बोला।

नहीं दादा, अब तुम्हें भीख मांगने की जरूरत नहीं होगी। मैं तुम्हें खिलाऊंगा। मोहन बोला।

भिखारी हंसकर चुप हो गया। शाम होने जा रही थी। भिखारी ने उसके पांव का लेप गरम पानी से धो दिया। अब उसके पांव में एक भी कांटा नहीं था। इसके बाद भिखारी उसे गांव तक छोड़ने आया। मोहन दौड़कर घर गया और रोटी तथा सब्जी लेकर आया। कहा, दादा, इसे रात में खाना। मैं कल सुबह आऊंगा।

भिखारी घर लौट आया। वह सोच रहा था कि मोहन कितना अच्छा लड़का है।

मोहन दूसरे दिन उठा और एक किसान से बोला, यदि आपको मजदूर की जरूरत हो, तो मैं काम करने के लिए तैयार हूं। किसान को एक मजदूर की जरूरत तो थी, मगर वह मोहन को एक शरारती बच्चे के रूप में जानता था। वह मोहन से बोला, तुम्हें शरारत से फुरसत मिलेगी, तभी तो काम करोगे।

मुझसे आज काम लेकर देखो चाचा, तब पता चलेगा।

ठीक है, चलो काम करो। किसान बोला।

मोहन ने दिन भर मेहनत से काम किया। बदले हुए मोहन को देखकर किसान बहुत चकित था। उसने मोहन को तीन सेर चावल मजदूरी में दिए।

मोहन चावल लेकर भिखारी की झोंपड़ी में जा पहुंचा। भिखारी खाना बनाने की तैयारी कर रहा था। उसने जब चावल देखे, तो बोला, मोहन बेटा! ये ले जाकर अपनी मां को दो। मेरा गुजारा तो भगवान चला ही रहा है।

नहीं दादा! ये चावल तुम रखो। ये मैंने दिन भर मजदूरी करके कमाए हैं। तुम नहीं रखोगे, तो मैं कल से मजदूरी नहीं करूंगा और शरारतें करने लगूंगा।

उस दिन से मोहन बहुत बदल गया। अब वह हर एक की मदद करने की कोशिश करता। गांव के सब लोग उसकी खूब तारीफ करते।

टीम इंडिया बनाम साउथ अफ्रीका वनडे सीरीज का आगाज आज से

- फैंस उत्साहित एक बार फिर मैदान पर दिखेगी रोहित और विराट की जोड़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम और साउथ अफ्रीका के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज 30 नवंबर से शुरू होने जा रही है। इस सीरीज का पहला मुकाबला रांची के जेएससीए इंटरनेशनल स्टेडियम में खेला जाएगा। इससे पहले टेस्ट सीरीज में साउथ अफ्रीका ने भारत को 0-2 से क्लीन स्वीप किया था, ऐसे में भारतीय टीम की नजरें अब वनडे सीरीज में वापसी और बेहतर प्रदर्शन करने पर टिकी हैं।

भारतीय टीम इस सीरीज में नियमित कप्तान शुभमन गिल के चोटिल होने के कारण केएल राहुल के नेतृत्व में मैदान पर उतरेगी। वहीं, फैंस रोहित शर्मा और विराट कोहली की जोड़ी को एक बार फिर मैदान पर देखने को लेकर उत्साहित हैं। इस जोड़ी की वापसी से टीम इंडिया के बल्लेबाजी क्रम में अनुभव और मजबूती आने की उम्मीद जताई जा रही है, जो इस सीरीज में बड़े मैचों में निर्णायक साबित हो सकती है।

पहला मैच भारतीय समयानुसार दोपहर 1:30 बजे से शुरू होगा, जबकि टॉस के लिए दोनों कप्तान 1 बजे मैदान पर उतरेंगे। रांची का यह मुकाबला भारतीय क्रिकेट प्रेमियों के लिए रोमांचक होने वाला है, क्योंकि टीम इंडिया यहां अपनी वनडे ताकत का प्रदर्शन करते हुए साउथ अफ्रीका के खिलाफ जीत दर्ज करने का प्रयास करेगी।

भारत को इस सीरीज में संतुलित बैटिंग और गेंदबाजी प्रदर्शन दिखाना होगा। वहीं, साउथ अफ्रीका भी टेस्ट सीरीज की हार के बाद सुधार और जीत की कोशिश करेगी, जिससे मुकाबले में रोमांच और बढ़ जाएगा। यह सीरीज क्रिकेट प्रेमियों के लिए खिलाड़ियों की फार्म और रणनीति को परखने का शानदार अवसर होगी। तीन मैचों की इस वनडे सीरीज में रांची के पहले मैच से ही हाई-टेंशन क्रिकेट देखने को मिलेगा। टीम इंडिया की रणनीति, खिलाड़ियों की फार्म और मैच के दौरान होने वाले रोमांचक पल इस सीरीज को विशेष बनाएंगे। वनडे सीरीज में प्रदर्शन के आधार पर भारत और साउथ अफ्रीका की आगामी दौड़ और रणनीतियों का भी अंदाजा लगाया जा सकेगा।

टीमें इस प्रकार हैं

भारत = रोहित शर्मा, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, तिलक वर्मा, केएल राहुल (कप्तान, विकेट कीपर), ऋषभ पंत (विकेट कीपर), वाशिंगटन सुंदर, रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव, नीतीश कुमार रेड्डी, हर्षित राणा, रुतुराज गायकवाड़, प्रसिद्ध कृष्णा, अर्शदीप सिंह, ध्रुव जुरेल

साउथ अफ्रीका = टेम्बा बावुमा (कप्तान), ओटनील बार्टमैन, कॉर्बिन बॉश, मैथ्यू ब्रीट्ज़के, डेवाल्ड ब्रेविस, नंद्रे बर्गर, क्विंटन डी कॉक, टोनी डी ज़ोरज़ी, रुबिन हरमन, केशव महाराज, मार्को जेनसेन, एडेन मार्करम, लुंगी एनगिडी, रयान रिकेल्टन, प्रेनेलन सुब्रयान

डब्ल्यूपीएल 2026: एमआई और आरसीबी से शुरू होगा नया सीजन, फाइनल वडोदरा में

नई दिल्ली (एजेंसी)। विमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2026 का आगाज़ 9 जनवरी को नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में दो बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस (एमआई) और 2024 की विजेता रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बीच मैच से होगा। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने शनिवार को इस सीजन का शेड्यूल जारी किया। उन्होंने बताया कि नवी मुंबई में दो डबल-हेडर मुकाबले होंगे, जबकि फाइनल मुकाबला 5 फरवरी को वडोदरा के कोटांबी स्टेडियम में खेला जाएगा।

डब्ल्यूपीएल 2026 के पहले चरण में 9 से 17 जनवरी तक नवी मुंबई में कुल 11 मुकाबले होंगे। इसके बाद शेष 11 मैच वडोदरा में खेले जाएंगे, जिनमें प्लेऑफ भी शामिल हैं। वडोदरा लेग का आगाज़ गुजरात जायंट्स और आरसीबी के बीच मुकाबले से होगा। इसके बाद दिल्ली कैपिटल्स और मुंबई इंडियंस के बीच 2025 के फाइनल का री-मैच भी होगा। मुंबई इंडियंस इस सीजन डिफेंडिंग चैंपियन के रूप में उतर रही है, जबकि आरसीबी खिताब जीतने वाली दूसरी टीम है। लीग स्टेज 1 फरवरी को समाप्त होगी। इसके बाद दूसरे और तीसरे नंबर पर रहने वाली टीमें एलिमिनेटर में हिस्सा लेंगी, जबकि टेबल टॉपर सीधे 5 फरवरी को फाइनल में पहुंचेगी। डब्ल्यूपीएल 2026 का यह नया सीजन खिलाड़ियों और फैंस दोनों के लिए रोमांचक रहने वाला है, जिसमें नवी मुंबई और वडोदरा दोनों ही स्थानों पर हाई-टेंशन मुकाबले देखने को मिलेंगे।

नवी मुंबई लेग

- 9 जनवरी: मुंबई इंडियंस बनाम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु
- 10 जनवरी: यूपी वॉरियर्स बनाम गुजरात जायंट्स
- 10 जनवरी: मुंबई इंडियंस बनाम दिल्ली कैपिटल्स
- 11 जनवरी: दिल्ली कैपिटल्स बनाम गुजरात जायंट्स
- 12 जनवरी: रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु बनाम यूपी वॉरियर्स
- 13 जनवरी: मुंबई इंडियंस बनाम गुजरात जायंट्स
- 14 जनवरी: यूपी वॉरियर्स बनाम दिल्ली कैपिटल्स
- 15 जनवरी: मुंबई इंडियंस बनाम यूपी वॉरियर्स
- 16 जनवरी: रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु बनाम गुजरात जायंट्स
- 17 जनवरी: यूपी वॉरियर्स बनाम मुंबई इंडियंस
- 17 जनवरी: दिल्ली कैपिटल्स बनाम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु

वडोदरा लेग

- 19 जनवरी: गुजरात जायंट्स बनाम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु
- 20 जनवरी: दिल्ली कैपिटल्स बनाम मुंबई इंडियंस
- 22 जनवरी: गुजरात जायंट्स बनाम यूपी वॉरियर्स
- 24 जनवरी: रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु बनाम दिल्ली कैपिटल्स
- 26 जनवरी: रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु बनाम मुंबई इंडियंस
- 27 जनवरी: गुजरात जायंट्स बनाम दिल्ली कैपिटल्स
- 29 जनवरी: यूपी वॉरियर्स बनाम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु
- 30 जनवरी: गुजरात जायंट्स बनाम मुंबई इंडियंस
- 1 फरवरी: दिल्ली कैपिटल्स बनाम यूपी वॉरियर्स
- 3 फरवरी: एलिमिनेटर
- 5 फरवरी: फाइनल

आईपीएल नीलामी से पहले पृथ्वी शॉ का धमाका

-सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में तूफानी फिफ्टी के साथ किया कमबैक का ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टीम से बाहर चल रहे युवा सलामी बल्लेबाज पृथ्वी शॉ ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि उनका बल्ला अभी भी आग उगलने के लिए तैयार है। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2025 में शॉ ने महाराष्ट्र की ओर से खेलते हुए हैदराबाद के खिलाफ सिर्फ 23 गेंदों में तूफानी अर्धशतक जड़कर सबको चौंका दिया। इस विस्फोटक पारी की बदौलत महाराष्ट्र को आसान जीत मिली, वहीं शॉ ने आईपीएल नीलामी से पहले फ्रेंचाइजियों का ध्यान एक बार फिर अपनी ओर खींच लिया।

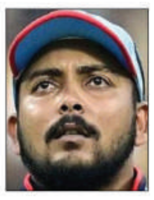

हैदराबाद द्वारा दिए गए 192 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए पृथ्वी शॉ ने क्रीज पर आते ही आक्रामक रुख दिखाया। उन्होंने अपनी 36 गेंदों की पारी में 9 चौके और 3 छक्के जड़ते हुए कुल 66 रन बनाए। शॉ ने अर्शिन कुलकर्णी के साथ मिलकर पहले विकेट के लिए 117 रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी की और टीम को जीत की मजबूत नींव दी। यह उनके करियर का महाराष्ट्र के लिए पहला टी20 अर्धशतक रहा। ऋतुराज गायकवाड़ की गैरमौजूदगी में टीम की कप्तानी कर रहे शॉ पर दबाव था, लेकिन उन्होंने शानदार अंदाज में खुद को साबित किया। पिछले आईपीएल ऑक्शन में अनसोल्ड रहने के बाद पृथ्वी शॉ ने घरेलू क्रिकेट में जोरदार वापसी की है। मुंबई की टीम से हटने के बाद उन्होंने महाराष्ट्र की ओर से खेलना शुरू किया है और रणजी ट्रॉफी में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। उनकी यह पारी बताती है कि वह एक बार फिर बड़े मंच पर वापसी को तैयार हैं।

एक समय भारतीय क्रिकेट का भविष्य माना जा रहे पृथ्वी शॉ को पिछले साल किसी भी आईपीएल टीम ने नहीं खरीदा था। लेकिन अब सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में उनका शानदार प्रदर्शन आईपीएल फ्रेंचाइजियों के लिए मजबूत संदेश है। आगामी आईपीएल 2026 ऑक्शन 16 दिसंबर को अबू धाबी में आयोजित किया जाएगा, और शॉ अपने प्रदर्शन से टीमों की नजरों में जगह बनाना चाहते हैं। लगातार तीसरे वर्ष विदेश में होने वाला यह ऑक्शन रोचक होगा, और पृथ्वी शॉ के लिए यह स्वयं को साबित करने का बड़ा मौका है।

विराट कोहली के निशाने पर सचिन तेंदुलकर के दो वर्ल्ड रिकॉर्ड

-सिर्फ एक शतक से बना देंगे नया इतिहास

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज रविवार, 30 नवंबर से शुरू होने जा रही है और पहला मुकाबला रांची में खेला जाएगा। इस हाई-वोल्टेज सीरीज में टीम इंडिया के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली एक बार फिर सुर्खियों में होंगे, क्योंकि उनके सामने दो बड़े वर्ल्ड रिकॉर्ड्स को तोड़ने का सुनहरा मौका होगा। ये दोनों रिकॉर्ड महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के नाम दर्ज हैं, जिन्हें कोहली सिर्फ एक शतक लगाकर पीछे छोड़ सकते हैं। फैंस की निगाहें अब इस बात पर टिकी हैं कि क्या किंग कोहली रांची में इतिहास रचते हुए मास्टर ब्लास्टर का रिकॉर्ड तोड़ पाएंगे।

पहला रिकॉर्ड किसी भी एक फॉर्मेट में सबसे ज्यादा शतक लगाने का है। इस समय विराट कोहली वनडे क्रिकेट में 51 शतक जड़ चुके हैं, जो सचिन तेंदुलकर के रिकॉर्ड की बराबरी है। सचिन ने अपने करियर में टेस्ट क्रिकेट में 51 शतक लगाए, जबकि कोहली के ये 51 वनडे में हैं। जैसे ही कोहली एक और सेंचुरी बनाएंगे, वह दुनिया के पहले ऐसे क्रिकेटर बन जाएंगे जिन्होंने किसी भी एक फॉर्मेट में 52 अंतरराष्ट्रीय शतक लगाए हों। यह उपलब्धि उन्हें न केवल क्रिकेट इतिहास के सबसे बड़े बल्लेबाजों में और आगे स्थापित करेगी, बल्कि वनडे फॉर्मेट में उनकी बादशाहत भी और मजबूत करेगी।

दूसरा रिकॉर्ड दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सबसे ज्यादा शतक लगाने का है। इस सूची में अभी तीन खिलाड़ी संयुक्त रूप से पहले स्थान पर हैं सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली और ऑस्ट्रेलिया के डेविड वॉर्नर, जिनके नाम 5-5 शतक दर्ज हैं। हालांकि सचिन और वॉर्नर अब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं, ऐसे में कोहली के सामने इस मामले में अकेले रिकॉर्ड होल्डर बनने का शानदार अवसर है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एक और सेंचुरी कोहली को इस टीम के खिलाफ सबसे ज्यादा 6 शतक लगाने वाला अद्वितीय बल्लेबाज बना देगी।

आईसीसी वर्ल्ड कप 2025 में भारत को शानदार सफलता दिलाने के बाद कोहली की फॉर्म पहले से ज्यादा मजबूत नजर आ रही है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उनके आंकड़े भी बेहद प्रभावशाली रहे हैं, और ऐसे में उम्मीद है कि रांची की पिच पर वह एक बार फिर अपने अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए नए इतिहास की इबारत लिखेंगे। भारतीय फैंस उत्सुकता से इंतजार कर रहे हैं कि क्या रविवार का मुकाबला क्रिकेट की किताब में विराट अध्याय जोड़ पाएगा।

रोहित-विराट की वापसी से मैदान में बनेगी खास ऊर्जा: साउथ अफ्रीका के कप्तान टेंबा बावुमा

रांची। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच रविवार को तीन वनडे मैचों की सीरीज की शुरुआत होने जा रही है। पहला मुकाबला रांची में खेला जाएगा। सीरीज से पहले दक्षिण अफ्रीकी कप्तान टेंबा बावुमा ने रोहित शर्मा और विराट कोहली की मैदान पर वापसी को लेकर बड़ा बयान दिया है। कप्तान बावुमा का मानना है कि इन दोनों दिग्गज खिलाड़ियों के आने से मैच का रोमांच कई गुना बढ़ जाएगा और स्टेडियम में ऊर्जा का अलग ही होगी। एक वीडियो में बावुमा ने कहा, 'मुझे लगता है कि यह बेहद रोमांचक है, खासकर भारतीय फैंस के लिए होगा। दो दिग्गज खिलाड़ी वापस आ रहे हैं। वे लंबे समय बाद भारत की धरती पर खेल रहे हैं। जब ये दोनों खिलाड़ी मैदान पर मौजूद होते हैं, तब उस ऊर्जा का हिस्सा बनना हमारे लिए भी खास होता है। हम इस पल का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।' बावुमा ने बताया कि उनकी टीम रोहित और विराट की मौजूदगी से दबाव महसूस नहीं कर रही, बल्कि तैयारियों में और फोकस जोड़ रही है। हम जानते हैं कि मैदान पर माहौल अलग होगा, लेकिन यह अनुभव उतना ही रोमांचक रहेगा। कप्तान के तौर पर मेरी भूमिका वही रहेगी बल्ले से योगदान देना और टीम को रणनीति के अनुसार लीड करना।' बता दें कि रोहित और कोहली ने आखिरी बार अक्टूबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज खेली थी। इसके बाद कयास लगाए जा रहे थे कि यह जोड़ी आगामी वनडे वर्ल्ड कप में नहीं खेलेगी, हालांकि प्रशंसकों का विश्वास है कि 'रो-को' फिर भारत की चुनौती को मजबूत करेगी।

सुल्तान अजलान शाह कप: भारत ने कनाडा को 14-3 से हराकर फाइनल में बनाई जगह

इपो (एजेंसी)। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने कनाडा को 14-3 से रौंदते हुए पूल की शीर्ष स्थिति हासिल की और सुल्तान अजलान शाह कप के फाइनल में प्रवेश किया। जुगराज सिंह ने चार गोल किए और शानदार प्रदर्शन से टीम को जीत दिलाई।

इससे पहले भारत को टूर्नामेंट में केवल बेल्जियम से एक गोल से हार मिली थी, लेकिन न्यूजीलैंड के खिलाफ 3-2 की रोमांचक जीत ने टीम का मनोबल बढ़ा दिया। भारत रविवार को फाइनल में बेल्जियम से भिड़ेगा।

मैच की शुरुआत चौथे मिनट में नीलकंता शर्मा के गोल से हुई, उसके बाद 10वें मिनट में राजिंदर सिंह ने गोल कर भारत को बढ़त दिलाई। कनाडा ने जल्दी गोल के जवाब में पेनल्टी कॉर्नर बनाकर 11वें मिनट में ब्रेंडन गुरालियुक के गोल से स्कोर 1-2 किया। इसके बाद 12वें और 15वें मिनट में जुगराज सिंह और अमित रोहिदास ने गोल कर भारत को 4-1 की बढ़त दिलाई। दूसरे क्वार्टर में भारतीय युवा खिलाड़ी दबाव में भी मजबूत रहे और कनाडाई डिफेंस को रोका। इस दौरान राजिंदर (24वें मिनट), दिलप्रीत सिंह (25वें मिनट) और जुगराज (26वें मिनट) ने गोल कर बढ़त 7-1 कर दी।

तीसरे क्वार्टर में कनाडा ने आक्रमण में बदलाव किया और 35वें मिनट में पेनल्टी स्ट्रोक से स्कोर 7-2 किया। जुगराज ने 39वें मिनट में हैट्रिक पूरी की और सेल्वम कार्थी ने 43वें मिनट में गोल कर भारत को 9-2 की शानदार बढ़त दिलाई।

अंतिम क्वार्टर केवल औपचारिकता थी, लेकिन इस दौरान सबसे ज्यादा गोल हुए। रोहिदास ने 46वें मिनट में PC गोल किया, जुगराज ने 50वें मिनट में पेनल्टी स्ट्रोक से स्कोर बढ़ाया। कनाडा ने भी 3-11 तक वापसी की, जबकि संजय (56वें मिनट) और अभिषेक (57वें और 59वें मिनट) ने गोल कर भारत को 14-3 से जीत दिलाई।

आईपीएल 2026: रवि बिश्नोई की अगली टीम पर अटकलें तेज, चहल की लाइव चैट ने बढ़ाई चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2026 की नीलामी नजदीक आते ही युवा लेग स्पिनर रवि बिश्नोई की नई टीम को लेकर अटकलें तेजी से बढ़ गई हैं। लखनऊ सुपर जायंट्स द्वारा रिलीज़ किए जाने के बाद अब यह चर्चा गर्म है कि आखिर आगामी सीजन में वह किस फ्रेंचाइजी के साथ मैदान पर उतरेंगे। अब तक के आईपीएल करियर में बिश्नोई ने 72 से अधिक विकेट हासिल किए हैं और बीच के ओवरों में रन रोकने तथा लगातार विकेट निकालने की क्षमता ने उन्हें टूर्नामेंट के सबसे अहम भारतीय गेंदबाजों में शामिल किया है। यही कारण है कि कई टीमें उन पर बड़ा दांव लगाने के लिए तैयार दिखाई दे रही हैं। इस बीच, टीम इंडिया और आईपीएल स्टार स्पिनर युजवेंद्र चहल ने सोशल मीडिया पर एक इंस्टाग्राम लाइव के दौरान उनकी भविष्य की फ्रेंचाइजी को लेकर हल्के-फुल्के अंदाज़ में टिप्पणी की, जिसने चर्चा को और हवा दे दी। बातचीत में चहल ने मुस्कुराते हुए कहा 'बिश्नोई, मुझे फीलिंग आ रही है कि तू राजस्थान रॉयल्स जाएगा आईपीएल में।' जवाब में बिश्नोई ने भी मज़ेदार अंदाज़ में कहा 'तो बस आपकी फीलिंग के खिलाफ थोड़ी न जाएंगे।' इस संवाद के बाद सोशल मीडिया पर बिश्नोई को राजस्थान रॉयल्स जॉइन करने की संभावना को लेकर कयासों की बाढ़ आ गई है। चहल ने मज़ाक जारी रखते हुए बिश्नोई को चेतावनी भी दे डाली 'जा भाई, वरना मेरी तरह डोमेस्टिक ही खेलता रह जाएगा।' इस हल्की-फुल्की नोकझोंक ने फैंस का खूब मनोरंजन किया और कमेंट सेक्शन में लोगों ने अनुमान लगाना शुरू कर दिया कि चहल की बातें कहीं वास्तविक संकेत तो नहीं?

हालांकि पिछले सीजन में बिश्नोई का प्रदर्शन उम्मीदों के अनुसार नहीं रहा था, लेकिन बिश्नोई की स्ट्राइक-रेट, तेज़ी से बॉल को टर्न कराने की क्षमता और डेथ ओवर्स तक गेंदबाजी करने का आत्मविश्वास उन्हें हर टीम की प्राथमिकता बना सकता है। आईपीएल में भारतीय गुणवत्ता वाले स्पिनर्स की कमी को देखते हुए वह इस नीलामी के सबसे महंगे और चर्चित खिलाड़ियों में शामिल हो सकते हैं। सूत्रों के मुताबिक, राजस्थान रॉयल्स, मुंबई इंडियंस, पंजाब किंग्स और सनराइजर्स हैदराबाद जैसे फ्रेंचाइजी बिश्नोई पर बड़ा दांव लगा सकती हैं। अब देखना होगा कि नीलामी की तारीख आते-आते बिश्नोई किस टीम का हिस्सा बनते हैं और उनकी अगली फ्रेंचाइजी कौन सी होती है।

श्रीलंका के खिलाफ उतरेगी विश्व चैंपियन भारतीय महिला टीम

- भारत दिसंबर में श्रीलंका के खिलाफ 5 टी20 इंटरनेशनल मैचों की मेजबानी करेगा

नई दिल्ली। वनडे वर्ल्ड कप जीतकर इतिहास रचने वाली भारतीय महिला क्रिकेट टीम एक बार फिर मैदान पर अपने जौहर का प्रदर्शन करने के लिए तैयार है। बीसीसीआई ने शुक्रवार को आगामी होम सीरीज का ऐलान करते हुए बताया कि भारत दिसंबर में श्रीलंका के खिलाफ 5 टी20 इंटरनेशनल मैचों की मेजबानी करेगा। यह वही भारतीय टीम है, जिसने इसी महीने पहली बार महिला वनडे वर्ल्ड कप जीतकर पूरे देश को गर्व से भर दिया था। वर्ल्ड कप जीत के बाद यह भारतीय टीम की पहली अंतरराष्ट्रीय सीरीज होगी, जिसे लेकर क्रिकेट प्रेमियों में जबरदस्त उत्साह है। दिसंबर में पहले भारत और बांग्लादेश के बीच सीरीज प्रस्तावित थी, लेकिन दोनों देशों के बीच राजनीतिक तनाव बढ़ने के कारण उसे स्थगित कर दिया गया। इसके बाद बीसीसीआई और श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने मिलकर नई सीरीज का शेड्यूल तैयार किया और 5 मैचों की टी20 सीरीज पर सहमति बनी। यह सीरीज भारतीय टीम के लिए बेहद अहम मानी जा रही है, क्योंकि अगले साल फरवरी-मार्च में भारतीय महिला टीम ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाएगी, जहां दोनों देशों के बीच 1 टेस्ट, 2 टी20 और 3 वनडे मैच खेले जाएंगे। ऐसे में श्रीलंका के खिलाफ ये मुकाबले खिलाड़ियों को ऑस्ट्रेलियाई परिस्थितियों के लिए बेहतर तैयारी का अवसर देंगे। साथ ही यह सीरीज महिला प्रीमियर लीग 2026 (डब्ल्यूपीएल 2026) से पहले अपने प्रदर्शन को निखारने और टीम संयोजन मजबूत करने के लिए भी महत्वपूर्ण साबित होगी। भारत-श्रीलंका टी20 सीरीज विशाखापत्तनम और तिरुवनंतपुरम में आयोजित की जाएगी। पहला मैच 21 दिसंबर को विशाखापत्तनम के डॉक्टर वाईएस राजशेखर रेड्डी स्टेडियम में खेला जाएगा, जबकि दूसरा मुकाबला भी वहीं 23 दिसंबर को होगा। तीसरा टी20 26 दिसंबर को तिरुवनंतपुरम के ग्रीनफील्ड इंटरनेशनल स्टेडियम में खेला जाएगा और इसके बाद चौथा और पांचवां मैच क्रमश: 28 और 30 दिसंबर को वहीं आयोजित होंगे। वर्ल्ड कप जीत से उत्साहित हरमनप्रीत कौर की अगुआई में भारतीय टीम अपनी लय बरकरार रखने के इरादे से मैदान में उतरेगी, वहीं श्रीलंका की टीम 2026 के व्यस्त सीजन से पहले शानदार प्रदर्शन के जरिए आत्मविश्वास मजबूत करना चाहेगी। कई अहम खिलाड़ियों की वापसी और युवा प्रतिभाओं की मौजूदगी इस सीरीज को रोमांचक बना देगी।

वनडे सीरीज से पहले टीम इंडिया का 'कॉन्फिडेंस बूस्ट': केएल राहुल ने बताई कोहली-रोहित की अहमियत

नई दिल्ली (एजेंसी)। केएल राहुल ने कहा कि 30 नवंबर से रांची के जेएससीए स्टेडियम में शुरू होने वाली भारत बनाम दक्षिण अफ्रीका वनडे सीरीज़ से पहले, विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे खिलाड़ियों की टीम में वापसी से ड्रेसिंग रूम में आत्मविश्वास का संचार हुआ है। मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में, केएल राहुल, जो कप्तान शुभमन गिल की अनुपस्थिति में भारतीय टीम की कमान संभालेंगे, ने टीम में विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे वरिष्ठ खिलाड़ियों के होने के महत्व पर ज़ोर दिया। उन्होंने कहा कि उनकी मौजूदगी और अनुभव ड्रेसिंग रूम के आत्मविश्वास को बढ़ाते हैं और युवा खिलाड़ियों का समर्थन करते हैं।

राहुल ने कहा कि किसी भी समय उनका महत्व बहुत ज़्यादा होता है। टीम में वरिष्ठ खिलाड़ियों का होना निश्चित रूप से ड्रेसिंग रूम को और भी ज़्यादा आत्मविश्वास से भर देता है। उनकी मौजूदगी और अनुभव से ड्रेसिंग रूम के कई खिलाड़ियों और टीम को मदद मिलती है। इसलिए, हम वाकई खुश हैं कि वे यहाँ हैं। दाएँ हाथ के बल्लेबाज़ ने कहा कि जीत सबसे ज़रूरी चीज़ है। हम इसी पर ध्यान केंद्रित करने की कोशिश कर रहे हैं और एक हफ़्ते पहले जो हुआ उसे भूलकर कल के मैच पर ध्यान केंद्रित करने की कोशिश कर रहे हैं और देख रहे हैं कि हम कैसे सामूहिक प्रदर्शन कर सकते हैं जिससे हमें जीत हासिल करने में मदद मिले और फिर यहाँ से अगले मैदान पर जाकर देखें कि हम इसे फिर से कैसे कर सकते हैं और इस सीरीज़ को जीतने की कोशिश कर सकते हैं। इसलिए, यही सबसे महत्वपूर्ण चीज़ है और हम इसी के बारे में सोच रहे हैं। ज़ाहिर है, एक स्थिर टीम होने से मदद मिलती है और कुछ समान चेहरे होने से ड्रेसिंग रूम को भी मदद मिलती है।

राहुल ने विराट कोहली की स्ट्राइक रोटेट करने की क्षमता की प्रशंसा की और कहा कि वनडे और टेस्ट क्रिकेट में सिंगल लेना बाउंड्री लगाने जितना ही महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि कोहली इस कौशल में निपुण हैं, और युवा खिलाड़ी, जिनमें वह खुद भी शामिल हैं, अक्सर कोहली और रोहित शर्मा दोनों से स्ट्राइक रोटेशन में सुधार के बारे में सीखते हैं। उन्होंने कहा कि वनडे क्रिकेट और टेस्ट क्रिकेट में सिंगल लेना बाउंड्री लगाने जितना ही महत्वपूर्ण है, टी20 फॉर्मेट में शायद उतना नहीं। विराट ने अपने करियर में यह बहुत अच्छा किया है। हमने विराट को देखा है और उससे सीखने की कोशिश की है। ड्रेसिंग रूम में भी, हम सभी ने उनसे और रोहित से बात की कि हम बल्लेबाज़ के तौर पर कैसे बेहतर हो सकते हैं, कैसे हम स्ट्राइक रोटेट कर सकते हैं। ज़ाहिर है, वह वनडे क्रिकेट में ऐसा करने में माहिर हैं। इसलिए, हमें बहुत खुशी है कि वह ड्रेसिंग रूम में वापस आ गए हैं और वह यहाँ आकर ये मैच खेलने के लिए बहुत उत्साहित हैं।

वनडे सीरीज़ में, रांची में पहले मैच के बाद, दोनों टीमें रायपुर में भिड़ेंगी, उसके बाद विशाखापत्तनम में अंतिम मैच होगा। टेस्ट सीरीज़ में 2-0 की निराशाजनक हार के बाद भारतीय टीम वनडे में वापसी करना चाहेगी।

लियोनेल मेसी अगले महीने आएंगे भारत, GOAT टूर ऑफ इंडिया 2025 में हैदराबाद भी शामिल

अर्जेंटीना। दिग्गज फुटबॉलर और विश्व कप विजेता कप्तान लियोनेल मेसी ने भारत आने की अपनी तैयारियों को लेकर बड़ा अपडेट दिया है। मेसी ने पुष्टि की है कि उनके बहुचर्चित 'GOAT Tour of India 2025' में अब हैदराबाद को भी शामिल कर लिया गया है। यह उनका भारत दौरे का चौथा पड़ाव होगा। मेसी पहले कोलकाता पहुंचेंगे, जो उनके टूर का शुरुआती शहर है। इसके बाद वे हैदराबाद आएंगे, फिर मुंबई और अंत में दिल्ली, जहां उनके प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने की संभावना है। अपने सोशल मीडिया पोस्ट में मेसी ने लिखा, 'इंडिया, आपके प्यार के लिए धन्यवाद! GOAT Tour कुछ ही हफ्तों में शुरू हो रहा है। खुशी है कि हैदराबाद को भी मेरी यात्रा में शामिल किया गया है। इंडिया, जल्द मिलते हैं!'

अजमेर में उर्स से पहले नगर निगम ने हटाया अवैध अतिक्रमण, इलाके में मचा हड़कंप

अजमेर (एजेंसी)। ख्वाजा गरीब नवाज के 814वें उर्स से पहले नगर निगम ने शनिवार सुबह दरगाह क्षेत्र में अवैध अतिक्रमण के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। नगर निगम की टीम ने दरगाह क्षेत्र के अंदरकोट, अढ़ाई दिन का झोपड़ा, दिल्ली गेट आदि इलाकों में कार्रवाई की। इस कार्रवाई से इलाके में हड़कंप मच गया। इस दौरान पुलिस के अधिकारी, और भारी पुलिस बल भी मौजूद था। नालियों और सड़कों से अवैध अतिक्रमण हटाने के लिए यह कार्रवाई की गई। शनिवार सुबह नगर निगम के द्वारा दरगाह क्षेत्र में की गई कार्रवाई से क्षेत्र के दुकानदारों में आक्रोश था। दुकानदारों की ओर से अपनी दुकानों को बंद कर प्रदर्शन किया गया। कोर्ट से ढाई दिन का झोपड़ा के पहले से शुरू हुई यह कार्रवाई दरगाह बाजार से दिल्ली गेट तक चली। करीब दो किलोमीटर के एरिया में जेसीबी ने नालों, सड़क किनारे और दुकानों के आगे किए गए करीब 50 से ज्यादा अतिक्रमण हटाए। पुलिस ने कुछ व्यापारियों को समझाइश भी दी।

अचानक मोड़ पर बीयर से भरा ट्रक पलटा, बॉक्स लूटने सड़क पर लगी भीड़

-केबिन में फंसे ड्रायवर को निकालने के बजाय बीयर लेकर भागते रहे लोग

संभाजीनगर (एजेंसी)। महाराष्ट्र के छत्रपती संभाजीनगर के वालूज इलाके में रांजणगाव रोड पर बीयर से भरा ट्रक रास्ते में एक व्यक्ति को बचाने की कोशिश में ड्राइवर ने स्टीयरिंग मोड़ा और अनियंत्रित होकर पलट गया। इससे सड़क पर बीयर की बोतलें बिखर गईं। ट्रक के केबिन में चालक फंस गया। इसके बावजूद कुछ लोग चालक को बाहर निकालने की बजाय बीयर के बॉक्स उठाने दौड़ पड़े। सड़क पर कुछ ही मिनटों में लूट मच गई। आसपास से गुजर रहे लोग भी बोतलों को उठाने में लग गए और ट्रक के पास अफरा-तफरी का माहौल बन गया। इस घटना की सूचना कुछ लोगों ने तुरंत पुलिस को दी। जानकारी लगते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने तुरंत भीड़ को काबू किया और घायल चालक को ट्रक की केबिन से बाहर निकालने की कोशिश की। अधिकारियों ने कहा कि चालक को सुरक्षित बाहर निकालने में समय लगा क्योंकि वह बुरी तरह फंसा था। पुलिस ने कहा कि इस तरह की घटनाओं में सड़क पर अफरा-तफरी मचाने वाले लोग खुद खतरे में पड़ सकते हैं। किसी भी सड़क हादसे में प्राथमिकता हमेशा घायल की मदद करना होनी चाहिए, न कि सामान लूटने की। हादसे की वजह से रास्ते में कुछ समय के लिए यातायात बाधित रहा। घटना के बाद वालूज इलाके में अफरा-तफरी का माहौल रहा। पुलिस इस पूरे मामले को लेकर जांच-पड़ताल में जुट गई है।

नारायण साईं के सेल से मोबाइल फोन बरामद, जेल में नया मामला दर्ज

- सूरत की लाजपोर सेंट्रल जेल में मिले फोन और सिम कार्ड

सूरत (एजेंसी)। बलात्कार के मामले में आजीवन कारावास काट रहे आसाराम के बेटे नारायण साईं की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। लाजपोर सेंट्रल जेल में हाई-सिक्योरिटी बैरक नंबर-1 में उनके पास मोबाइल फोन रखने और उसका इस्तेमाल करने का मामला सामने आया है। जेल प्रशासन को गुप्त सूचना मिली कि नारायण साईं के पास मोबाइल है। सूचना मिलते ही जेल स्कॉड ने तलाशी ली और उनके अलग सेल में फोन बरामद किया। तलाशी के दौरान फोन चुंबक की मदद से लोहे के दरवाजे पर चिपकाया गया था। इसके साथ जियो का सिम कार्ड भी मिला। जांच में सामने आया कि नारायण साईं बातचीत के बाद बैटरी और सिम कार्ड अलग कर लेते थे। सिम कार्ड अपने पास रखते थे और बैटरी को सुरक्षा के लिए सेंट्री रूम में छिपा देते थे। जेल स्टाफ की सतर्कता से यह बैटरी भी बरामद कर ली गई। जेल प्रशासन की शिकायत पर सचिन पुलिस ने नारायण साईं के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता और गुजरात जेल मैनुअल के उल्लंघन के तहत मामला दर्ज किया। एसीपी नीरव गोहिल ने बताया कि मोबाइल रखना जेल में गंभीर अपराध है। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि फोन कहां से आया और किससे संपर्क किया गया।

पान मसाला विज्ञापन करे लेकर घिरे बॉलीवुड भाईजान, सुनवाई 9 दिसंबर को

-सलमान के वकील बोले-यह इलायची का विज्ञापन, शिकायत का आधार कमजोर

जयपुर (एजेंसी)। बॉलीवुड के सुपरस्टार सलमान खान पान मसाला विज्ञापन को लेकर घिर गए हैं। बीजेपी नेता और वकील इंदर मोहन सिंह हनी ने अभिनेता के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। हाल ही में इसे लेकर सुनवाई हुई और अब अगली सुनवाई 9 दिसंबर को तय की गई है। वहीं सलमान खान के वकील आशीष दुबे ने कोर्ट को बताया कि वर्तमान शिकायत की सुनवाई का अधिकार उपभोक्ता आयोग के पास नहीं है साथ ही यह भी कहा कि सलमान खान न तो पान मसाला निर्माता हैं और न ही उसके सर्विस प्रोवाइडर। ऐसे में उन्हें इस मामले में पक्षकार बनाना उचित नहीं है। वकील ने कहा कि शिकायतकर्ता ने उन्हें झूठा घसीटकर अनावश्यक उत्पीड़न का प्रयास किया है।

अभिनेता के वकील ने दावा किया कि सलमान खान ने गुटखा या पान मसाला नहीं, बल्कि सिल्वर कोटेड इलायची का विज्ञापन किया था, जिसे पान मसाले की श्रेणी में नहीं रखा जा सकता। इसलिए शिकायत का आधार ही कमजोर है। उधर, शिकायतकर्ता बीजेपी नेता हनी ने सलमान खान की ओर से दाखिल जवाब पर आपत्ति जताई है। उनका कहना है कि जवाब पर किए गए साइन सलमान खान के असली साइन नहीं लगते। उन्होंने अदालत से मांग की है कि सलमान खान को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर जवाब देने का निर्देश दिया जाए और प्रस्तुत हस्ताक्षरों की जांच कराई जाए। यह मामला उस विज्ञापन से जुड़ा है, जिसमें पान मसाला कंपनी ने केसर युक्त इलायची और केसर युक्त पान मसाला का दावा किया था। कोटा के बीजेपी नेता और वकील इंदर मोहन सिंह हनी ने उपभोक्ता फोरम में शिकायत दायर कर आरोप लगाया कि कंपनी और उसके ब्रांड एंबेसडर सलमान खान जनता को गुमराह कर रहे हैं, क्योंकि पांच रुपए के पाउच में असली केसर डालना संभव ही नहीं है। इसके अलावा परिवाद में कहा गया है कि ऐसे विज्ञापन युवाओं को पान मसाला और तंबाकू की लत की ओर धकेल रहे हैं और स्वास्थ्य पर गंभीर असर डालते हैं।

आखिर झुक गईं ममता, अब वक्फ संशोधन कानून लागू करने के दिए निर्देश

-विपक्ष के साथ बनर्जी ने कहा था इस कानून को बंगाल में लागू नहीं होने देंगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने इस साल अप्रैल में वक्फद कानून में संशोधन किया था। इसमें कई नए प्रावधान जोड़े गए हैं, जिनका विपक्षी दलों और उनके द्वारा शासित राज्यों की सरकारों ने कड़ा विरोध किया था। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने इसकी जमकर विरोध किया था। उन्होंरने कहा था कि वे इस संशोधित कानून को पश्चिम बंगाल में लागू नहीं होने देंगी। अब उनका रुख बदल गया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ममता सरकार ने वक्फ संशोधन कानून-2025 को बंगाल में लागू करने को लेकर दिशा-निर्देश जारी किए हैं। वक्फ? संपत्तियों को केंद्रीय पोर्टल पर अपलोड करने को लेकर डेडलाइन जारी कर दी है। प्रदेश के माइनॉरिटी डिपार्टमेंट की ओर से आठ बिंदुओं में प्रोग्राम भी जारी किया है। अधिकारियों के मुताबिक ममता सरकार ने सभी जिलों को निर्देश दिया है कि राज्य की करीब 82,000 वक्फ संपत्तियों का विवरण 5 दिसंबर से पहले केंद्र के पोर्टल पर अपलोड कर दिया जाए।

बता दें यह कानून इस साल अप्रैल में संसद के दोनों सदनों से पारित हुआ था। बंगाल के अल्पसंख्यक विकास विभाग के सचिव पीबी सलीम ने सभी जिला मजिस्ट्रेटों को पत्र भेजकर कहा कि हर जिले की वक्फ संपत्तियों की जानकारी तय समय में अपलोड की जाए। डेटा एंट्री दो हिस्सों में की जाएगी। पहला, व्यक्तिगत मुतवल्लियों द्वारा ओटीपी-आधारित प्रारंभिक रजिस्ट्रेशन और दूसरा, वक्फ संपत्ति से जुड़े विवरणों का पंजीकरण।

विवादित वक्फ संपत्तियों को इस चरण में रजिस्टवर्ड करने की जरुरत नहीं है।

यह भी निर्देश दिए हैं कि कार्य के लिए अधिकारियों को विशेष रूप से नियुक्त करें और दैनिक प्रगति की निगरानी करें। राज्य स्तर के दफ्तरों से वरिष्ठ अधिकारियों को अपने-अपने जिलों के दौरे पर भेजा जाए। आठ जिलों में हेल्प डेस्क बनाए जा चुके हैं और बाकी जिले भी ऐसे ही हेल्प डेस्क बना सकते हैं। राज्य वक्फ बोर्ड की ओर से हर दिन दोपहर 2 बजे से 4 बजे तक वर्चुअल मोड में प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिसमें राज्यभर के सभी दफ्तरों से लोग जुड़ सकते हैं।

ममता सरकार का यह फैसला राजनीतिक रूप से अहम माना जा रहा है। कानून के मुताबिक देश की सभी रजिस्टर्ड वक्फ संपत्तियों की जानकारी छह महीने के भीतर केंद्र के पोर्टल पर डालना अनिवार्य है। राज्य सरकार के पत्र में कहा गया है कि बंगाल में 8,000 से ज्यादा वक्फ एस्टेट हैं और उनसे संबंधित सभी विवरण संबंधित मुतवल्लियों द्वारा अपलोड किए जाने चाहिए।

8.2 प्रतिशत जीडीपी में जयराम रमेश ने कहा- आंकड़े 'सी ग्रेड' वाले, टिकाऊ नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने शुक्रवार को जुलाई-सितंबर 2025 तिमाही के जीडीपी आंकड़े जारी किए। वैश्विक मंदी और ट्रंप प्रशासन के नए टैरिफ दबाव के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था ने शानदार वापसी की है और 8.2 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि दर्ज की है। पिछले साल की इसी तिमाही में यह दर मात्र 5.6 प्रतिशत थी। इन आंकड़ों का प्रधानमंत्री मोदी सहित भाजपा नेताओं ने जोरदार स्वागत किया और इसे 'विकसित भारत' की दिशा में बड़ा कदम बताया। लेकिन कांग्रेस ने तुरंत हमला बोल दिया। वरिष्ठ कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, यह बड़ी विडंबना है कि जिस दिन तिमाही जीडीपी के आंकड़े जारी हुए, उसी दिन आईएमएफ की रिपोर्ट में भारत के राष्ट्रीय लेखा-जोखा साख्यिकी को दूसरा सबसे निचला 'सी' ग्रेड दिया गया है। उन्होंने आगे आरोप लगाया, संख्याएँ लगातार निराशाजनक हैं। सकल स्थिर पूंजी निर्माण (जीएफसीएफ) में कोई उछाल नहीं आया। निजी निवेश में कोई नई गति नहीं दिख रही। बिना निजी निवेश के इतनी ऊंची जीडीपी वृद्धि दर टिकाऊ नहीं हो सकती। सरकार मुद्रास्फीति को जानबूझकर कम करके दिखा रही है ताकि नाममात्र की जीडीपी वृद्धि ज्यादा लगे। जयराम रमेश ने आईएमएफ की ताजा डेटा क्वालिटी असेसमेंट रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि भारत के आधिकारिक सांख्यिकी की विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। इससे पहले वित्त मंत्रालय ने स्पष्ट किया था कि 8.2प्रतिशत वृद्धि में निर्माण, विनिर्माण और सेवा क्षेत्र का मजबूत योगदान है। अब जीडीपी आंकड़ों पर यह नया राजनीतिक विवाद छिड़ गया है।

विवाह पवित्र बंधन है पर, दहेज ने इसे व्यापार बना दिया: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने दहेज की सामाजिक बुराई पर तल्ख टिप्पणी करते हुए कहा कि विवाह एक पवित्र और महान संस्था है जो आपसी विश्वास और सम्मान पर टिकी होती है। लेकिन दहेज के लालच ने इसे महज एक 'व्यावसायिक लेन-देन' बना दिया है। जस्टिस बी.वी. नागरत्ना और जस्टिस आर. महादेवन की पीठ ने इसे 'समाज के खिलाफ अपराध' करार दिया। पीठ ने कहा, यह अदालत इस कड़वे सच से मुंह नहीं मोड़ सकती कि आज विवाह का पवित्र बंधन एक कारोबारी सौदा बन गया है। दहेज को अक्सर 'उपहार' या 'स्वैच्छिक भेंट' का नाम देकर छिपाया जाता है, लेकिन हकीकत में यह सिर्फ सामाजिक दिखावा और भौतिक लालच पूरा करने का जरिया बन चुका है। कोर्ट ने यह टिप्पणियां एक ऐसे मामले में कीं जिसमें शादी के सिर्फ चार महीने बाद पति पर दहेज के लिए पत्नी को जहर देकर मारने का आरोप है। हाई कोर्ट ने आरोपी को जमानत दे दी थी, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने उस आदेश को ''प्रतिकूल और अव्यावहारिक' बताते हुए तुरंत रद्द कर दिया। अदालत ने कहा कि हाई कोर्ट ने अपराध की गंभीरता, मरने से पहले महिला के पुख्ता बयान और दहेज हत्या की कानूनी धारणा (प्रिजम्प्शन) को पूरी तरह नजरअंदाज किया। पीठ ने कड़ा संदेश देते हुए कहा, ''दहेज हत्या इस कुप्रथा की सबसे घिनौनी शक्ल है। एक युवती का जीवन सिर्फ इसलिए छीन लिया जाता है क्योंकि कुछ लोग अपना लालच पूरा नहीं कर पाते। यह न केवल विवाह की पवित्रता को तहस-नहस करता है, बल्कि महिलाओं के व्यवस्थित उत्पीड़न और गुलामी को बढ़ावा देता है।' अदालत ने स्पष्ट किया कि ऐसे जघन्य अपराध मानव गरिमा पर सीधा हमला हैं और संविधान के अनुच्छेद-14 (समानता) तथा अनुच्छेद-21 (सम्मानजनक जीवन) का खुला उल्लंघन हैं। सुप्रीम कोर्ट की इस टिप्पणी को दहेज के खिलाफ चल रहे सामाजिक और कानूनी अभियान के लिए बड़ा समर्थन माना जा रहा है।

कांग्रेसी उम्मीदवारों ने आरजेडी को बताया हार का जिम्मेदार, क्या टूटेगा गठबंधन?

-पटना में तेजस्वी के घर महागठबंधन की बैठक, विधानसभा सत्र की बनेगी रणनीति

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव में हार के बाद महागठबंधन में टूट की अटकलें लगने लगी हैं। हाल ही में समीक्षा के दौरान कांग्रेस के ज्यादातर उम्मीदवारों ने राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) से गठबंधन को चुनावी हार का जिम्मेदार बताया। इनमें से कई ने तो कांग्रेस आलाकमान को आरजेडी से गठबंधन तोड़ने की वकालत भी की। इसके बाद से सियासी पारा गर्मा गया है। हालांकि पार्टी के किसी भी बड़े नेता का गठबंधन के भविष्य को लेकर कोई बयान नहीं आया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पिछले दिनों संपन्न हुए बिहार चुनाव के नतीजों में कांग्रेस, आरजेडी और अन्य विपक्षी दलों के गठबंधन को शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा। कांग्रेस 71 सीटें पर चुनाव लड़कर महज 6 सीटें जीतीं। आरजेडी ने भी 143 सीटें लड़ी और 25 पर ही जीत हासिल की। अन्य घटक दलों की स्थिति भी खराब रही। महागठबंधन कुल 243 में से महज 35 विधानसभा सीटों पर जीत हासिल कर सका। बता दें बीते गुरुवार को नई दिल्ली में कांग्रेस ने बिहार चुनाव की हार की समीक्षा बैठक बुलाई थी। इसमें सभी 61 सीटों पर चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशियों के

अलावा प्रदेश स्तर के नेता भी मौजूद थे। बैठक में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सभी उम्मीदवारों से 10-10 के समूह में बात की थी।

सूत्रों के मुताबिक अधिकतर उम्मीदवारों ने आलाकमान को बताया कि तेजस्वी यादव की पार्टी राजद से गठबंधन की वजह से कांग्रेस को बुरी हार का सामना करना पड़ा। अगर कांग्रेस इस चुनाव में अकेले चुनाव लड़ती तो परिणाम बेहतर हो सकते थे। प्रत्याशियों ने कहा कि कांग्रेस को आरजेडी से गठबंधन खत्म कर देना चाहिए। उन्होंने महागठबंधन में सीट बंटवारे में देरी होने और करीब एक दर्जन सीटों पर फ्रेंडली फाइट को भी हार की वजह माना।

हालांकि, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता इस पर कुछ नहीं बोल रहे हैं। दिल्ली में समीक्षा बैठक के बाद बिहार कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह से जब आरजेडी से गठबंधन तोड़ने के बारे में सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि इसका फैसला आलाकमान करेगा। फिलहाल महागठबंधन में शामिल घटक दल अपने-अपने स्तर पर हार की समीक्षा कर रहे हैं। आरजेडी में प्रमंडलवार प्रत्याशियों से फीडबैक लिया जा रहा है। चुनाव में विरोधियों के हित में काम करने वाले भितरघातियों की पहचान भी की जा रही है। इस बीच बिहार विधानसभा का सत्र 1 दिसंबर से होगा। इसमें नवनिर्वाचित विधायकों को शपथ दिलाई जाएगी। नीतीश सरकार अपना अनुपूरक बजट भी सदन में पेश करेगी। पटना में तेजस्वी यादव के घर पर महागठबंधन की बैठक बुलाई है। इसमें राजद, कांग्रेस और वाम दलों के विधायक शामिल होंगे। इसमें विधानसभा सत्र की रणनीति को लेकर चर्चा की जाएगी।

राहुल गांधी मानहानि केस: मुख्य सबूत वाली सीडी कोर्ट में निकली खाली, सुनवाई स्थगित

पुणे (एजेंसी)। पुणे की सांसद-विधायक विशेष अदालत में कांग्रेस नेता एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ विनायक दामोदर सावरकर को कथित तौर पर अपमानित करने के मानहानि मामले की सुनवाई गुरुवार को उस समय नाटकीय मोड़ ले लिया जब अभियोजन का सबसे अहम सबूत मानी जा रही सीडी पूरी तरह खाली निकली।

मामला 2023 में राहुल गांधी के लंदन भाषण से जुड़ा है। सावरकर के परपौत्र सत्यकी सावरकर ने शिकायत दर्ज कराई थी कि राहुल गांधी ने ब्रिटेन में आयोजित एक कार्यक्रम में स्वतंत्रता सेनानी सावरकर के बारे में आपत्तिजनक टिप्पणियां की थीं। इसी शिकायत पर अदालत ने संज्ञान लिया और राहुल गांधी को समन जारी किया था। संज्ञान लेते समय अदालत ने एक सीलबंद सीडी में मौजूद कथित वीडियो देखने का उल्लेख किया था। गुरुवार को जब वही सीलबंद सीडी अदालत कक्ष में खोलकर चलाई गई तो उसमें एक भी फाइल नहीं थी। सीडी पूरी तरह ब्लैंक थी। यह देख शिकायतकर्ता के वकील एडवोकेट संग्राम कोल्हटकर भी स्तब्ध

रह गए। उन्होंने तुरंत अदालत को याद दिलाया कि यही सीडी पहले चलाई गई थी और उसी के आधार पर समन जारी हुआ था। कोल्हटकर ने पूछा कि आखिर पहले देखी गई सामग्री अब गायब कैसे हो गई?

खाली सीडी के खुलासे के बाद कोल्हटकर ने वैकल्पिक व्यवस्था के तौर पर यूट्यूब पर उपलब्ध उसी भाषण का लिंक सीधे अदालत में चलाने की अनुमति मांगी। राहुल गांधी की ओर से पेश वकील मिलिंद दत्तात्रय पवार ने इसका पुरजोर विरोध किया। मजिस्ट्रेट अमोल शिंदे ने पवार की दलील मानते हुए कहा कि यूट्यूब यूआरएल भारतीय साक्ष्य अधिनियम की धारा 65-बी के तहत जरूरी प्रमाणीकरण प्रमाणपत्र के बिना सबूत के रूप में स्वीकार्य नहीं है। कोल्हटकर की यह अर्जी भी खारिज हो गई। इसके बाद सत्यकी सावरकर ने एक अतिरिक्त याचिका दायर कर दो अन्य सीडी चलाने का अनुमति मांगी, जिनमें वही भाषण होने का दावा किया गया। अदालत ने स्पष्ट किया कि रिकॉर्ड में ऐसी कोई सीडी जमा नहीं है, इसलिए याचिका नामंजूर की जाती है।

न्यायिक जांच और स्थगन की मांग

कोल्हटकर ने खाली सीडी के रहस्य की न्यायिक जांच कराने और मामले में गड़बड़ी की संभावना जाहिर करते हुए सुनवाई स्थगित करने का अनुरोध किया। राहुल गांधी के वकील ने इसका विरोध किया, लेकिन अंततः अदालत ने सुनवाई शुक्रवार तक के लिए टाल दी। यह घटना अब कई गंभीर सवाल खड़े कर रही है कि जिस सीडी के आधार पर राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का पूरा मामला खड़ा किया गया, वह अचानक खाली कैसे हो गई? क्या यह तकनीकी खामी थी या कुछ और? मामले में अब अगली सुनवाई में इन सवालों के जवाब तलाशे जाएंगे।

जब-जब कहा आतंकवाद को दफना दिया, तब-तब आतंकियों ने जलवा दिखाया

-कांग्रेस नेता ने दिल्ली ब्लास्ट को लेकर मोदी सरकार पर साधा निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता उदित राज ने केंद्र की मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि जब भी कहा जाता है कि आतंकवाद को दफन कर दिया, तब-तब आतंकवादी अपना कुछ जलवा दिखा देते हैं। उन्होंने दिल्ली धमाके का जिक्र करते हुए यह बात कही। 10 नवंबर की शाम लाल किले के पास कार में हुए जोरधार धमाके में हमलावर समेत 15 लोगों की जान चली गई, जबकि 20 गंभीर रुप से घायल हो गए।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जम्मू-कश्मीर की सुरक्षा को लेकर सीएम उमर अब्दुल्ला की ओर से दिए बयान से जुड़े सवाल के जवाब में उदित राज ने कहा कि उमर क्या गलत कह रहे हैं, स्टेटहुड का प्रॉमिश था। कई बार बेईमानी हो रही है, लूट रहे हैं वहां। लूटने के लिए ही रखा गया है। संभल तो रहा नहीं है। अभी कश्मीर में भी बम ब्लास्ट हुआ

था, जब भी यह कहते हैं कि हमने आतंकवाद को दफन कर दिया पाकिस्तान में घुसकर मारा तब आतंकवादी कुछ ना कुछ अपना जलवा दिखा देते हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक जलवा शब्द कहने के बाद संभलते हुए उदित राज ने अपना वाक्य बदला और कहा कुछ ना कुछ आतंकवादी गतिविधि करके दिखा देते हैं कि तुम्हारी बात में दम नहीं है। उन्होंने कहा मोदी सरकार ने कुछ दिन पहले ही कहा था कि देखो जम्मू कश्मीर के बाहर देश में कहीं आतंकवादी हमला नहीं हुआ। आतंकियों ने धड़ाक से लाल किला में बम ब्लास्ट करके दिखा दिया। पहले भी यही कहते थे कि कश्मीर में आतंकवाद का सफाया हो गया, पहलगाम करके दिखा दिया।

आर्थिक महाकेंद्र बनी अयोध्या ने पकड़ी रफ्तार, सालाना 50 करोड़ पर्यटक पहुंचने की उम्मीद

अयोध्या (एजेंसी)। भगवान श्रीराम की जन्मभूमि अयोध्या अब सिर्फ आस्था का केंद्र नहीं, बल्कि तेजी से उभरता आर्थिक महाकेंद्र बन चुकी है। 22 जनवरी 2024 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों प्राण-प्रतिष्ठा और धर्म ध्वज फहराए जाने के बाद से रामलला के दर्शन को आने वाले श्रद्धालुओं-पर्यटकों की बाढ़ सी आ गई है। दो साल पहले जहां सालाना 5.5-6 करोड़ लोग आते थे, वहीं इस साल के अंत तक 50 करोड़ का आंकड़ा छूने की संभावना है। अकेले जनवरी से जून 2025 तक करीब 23 करोड़ लोग अयोध्या पहुँच चुके हैं।

पर्यटकों की इस अभूतपूर्व आमद ने स्थानीय अर्थव्यवस्था को रॉकेट की रफ्तार दे दी है। होटल-रिसॉर्ट, रेस्तरां, फुटकर दुकानें, टैक्सी-ऑटो से लेकर हस्तशिल्प कारोबार तक हर क्षेत्र में उछाल आया है। पिछले दो वर्षों में एक दर्जन से ज्यादा तीन व पांच सितारा होटल परियोजनाएँ शुरू हो चुकी हैं। डेस्टिनेशन वेडिंग के लिए अयोध्या अब युवाओं की पहली पसंद बन रही है। अमेरिका, ब्रिटेन, रूस, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया सहित दुनिया भर से श्रद्धालु यहाँ पहुँच रहे हैं। आधारभूत संरचना के मामले में अयोध्या ने विश्व के बड़े धार्मिक पर्यटन स्थलों को पछाड़ दिया है। चमचमाता राम पथ, धर्म पथ, भव्य घाट, पुनर्जनित कुंड, संस्कृति से सजे चौराहे और स्वच्छ-सुघड़ सड़कें शहर की नई पहचान हैं। महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से अब 30 से अधिक उड़ानें संचालित हो रही हैं, जिनकी सालाना यात्री क्षमता 60 लाख है। नया रेलवे स्टेशन विश्वस्तरीय सुविधाओं से लैस है, जबकि बस अड्डों का भी कायाकल्प हो चुका है।

आर्थिक आँकड़े और भी चौंकाने वाले हैं। वर्तमान में अयोध्या उत्तर प्रदेश के कुल जीएसडीपी में करीब 1.5 प्रतिशत का योगदान दे रही है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि आने वाले 4-5 वर्षों में यहाँ सालाना कारोबार 4 लाख करोड़ रुपये तक पहुँच सकता है। पर्यटन, हॉस्पिटैलिटी, परिवहन और रियल एस्टेट सेक्टर में हजारों नए रोजगार सृजित हो रहे हैं। राम मंदिर ने न सिर्फ आस्था को नया आयाम दिया, बल्कि अयोध्या को विश्व के नक्शे पर एक चमकता आर्थिक सितारा बना दिया है। दीपावली, राम नवमी और अन्य पर्वों पर यहाँ आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या देखते हुए लगता है कि 2026 तक अयोध्या विश्व का सबसे बड़ा धार्मिक पर्यटन स्थल बनने की राह पर है।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, कार्यकारी संपादक- भीष्म सिंह, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह.** 9334331934, 7903538992, 9570107019, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**